Model: Duastro-Detailed-Kundli-Matching

SrNo: 115-120-105-3261 / 109 Date: 24/01/2024

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
31-01/01/1999	जन्म तिथि	31-01/01/1990
गुरु–शुक्रवार	दिन	रवि–सोमवार
घंटे 01:01:01	जन्म समय	01:01:01 घंटे
घटी 42:17:04	जन्म समय(घटी)	42:17:03 घटी
United Kingdom	देश	India
London	स्थान	Delhi
51:30:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
00:05:00 पश्चिम	रेखांश	77:13:00 पूर्व
00:00:00 पश्चिम	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:00:20	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
08:06:11	सूर्योदय	07:13:53
16:00:46	सूर्यास्त	17:34:29
23:50:25	चित्रपक्षीय अयनांश	23:43:14

कन्या	लग्न	कन्या
बुध	लग्न लग्नाधिपति	बुध
मिथुन	राशि	कुम्भ
बुध	राशि–स्वामी	शनि
मृगशिरा	नक्षत्र	धनिष्ठा
मंगल	नक्षत्र स्वामी	मंगल
3	चरण	3
शुक्ल	योग	वज्र
वणिज	करण	विष्टि
का–कमल	जन्म नामाक्षर	गू–गुंजन
मकर	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर
शूद्र	वर्ण	शूद्र
मानव	वश्य	मानव
सर्प	योनि	सिंह
देव	गण	राक्षस
मध्य	नाड़ी	मध्य
मार्जार	वर्ग	मार्जार

DUASTRO
ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह		राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 2वर्ष 6मा 29दि		24:03:39	कन्या	लग्न		कन्या	24:00:40	मंगल 3वर्ष 3मा 25दि	
गुरु		16:18:31	धनु	सूर्य		धनु	16:23:36	गुरु	
01/08/2019		01:44:57	मिथु	चंद्र		कुंभ	00:20:33	28/04/2011	
01/08/2035		24:33:47	कन्या	मंगल		वृश्चि	15:47:46	28/04/2027	
गुरु	18/09/2021	27:29:20	वृश्चि	बुध	व	मक	02:06:29	गुरु	15/06/2013
शनि	01/04/2024	28:06:23	कुंभ	गुरु	व	मिथु	11:31:14	शनि	27/12/2015
बुध	07/07/2026	01:35:44	मक	शुक्र	व	मक	12:34:51	बुध	03/04/2018
केतु	13/06/2027	02:55:58	मेष	शनि		धनु	21:51:20	केतु	10/03/2019
शुक्र	11/02/2030	29:01:07	कर्क	राहु	व	मक	23:08:08	शुक्र	08/11/2021
सूर्य	01/12/2030	29:01:07	मक	केतु	व	कर्क	23:08:08	सूर्य	27/08/2022
चन्द्र	01/04/2032	17:07:08	मक	हर्ष		धनु	12:01:25	चन्द्र	27/12/2023
मंगल	07/03/2033	07:13:12	मक	नेप		धनु	18:17:29	मंगल	02/12/2024
राहु	01/08/2035	15:16:32	वृश्चि	प्लूटो		तुला	23:21:13	राहु	28/04/2027

व – वक्री स – स्थिर
अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:50:25 चित्रपक्षीय अयनांश 23:43:14

लग्न–चलित

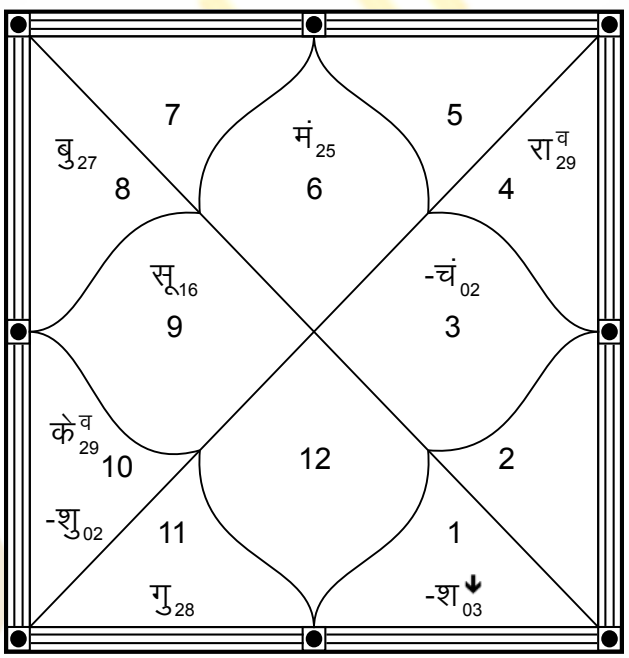

लग्न–चलित

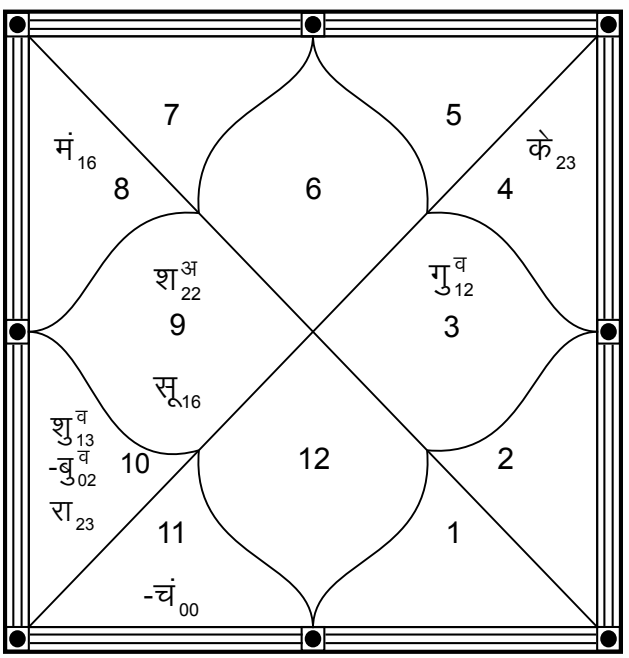

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE
www.duastro.com || info@duastro.com || +91-9667311033

चन्द्र कुंडली

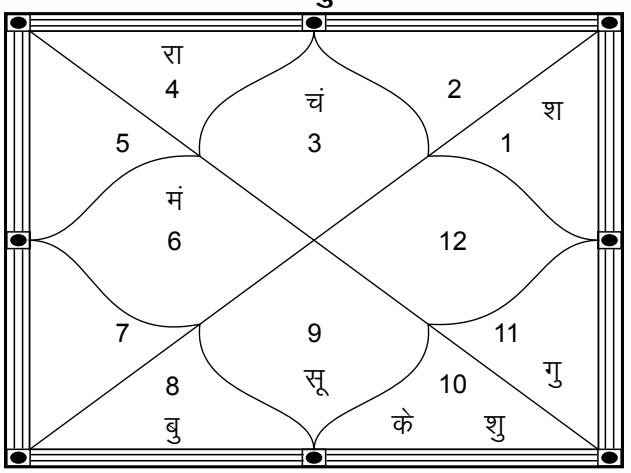

चन्द्र कुंडली

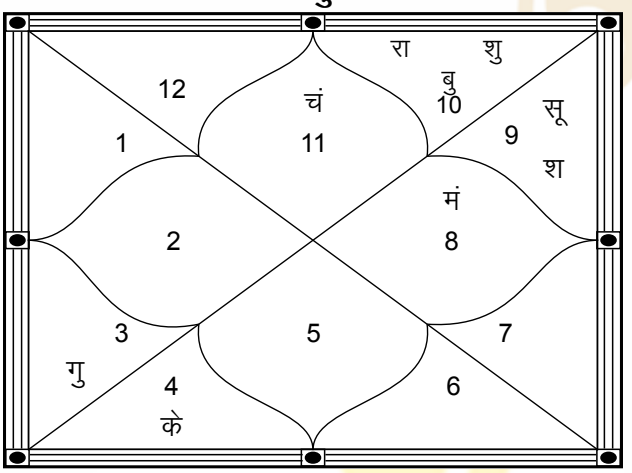

सूर्य कुंडली

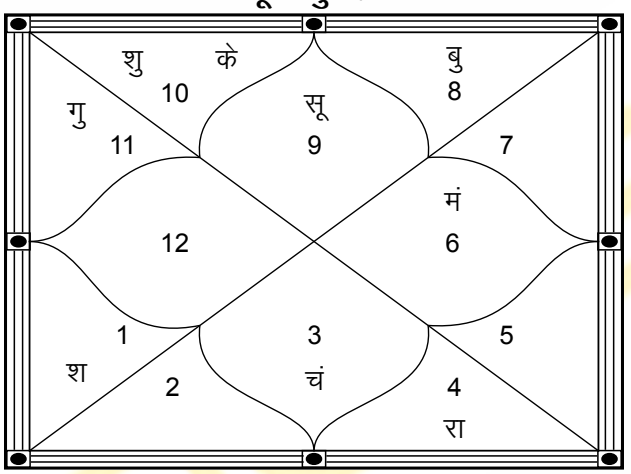

सूर्य कुंडली

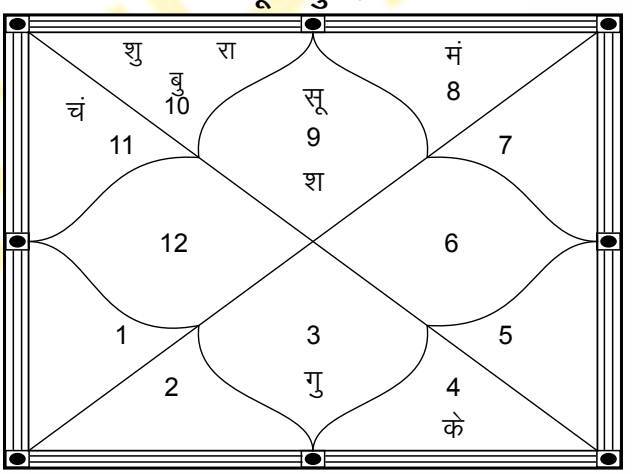

नवमांश कुंडली

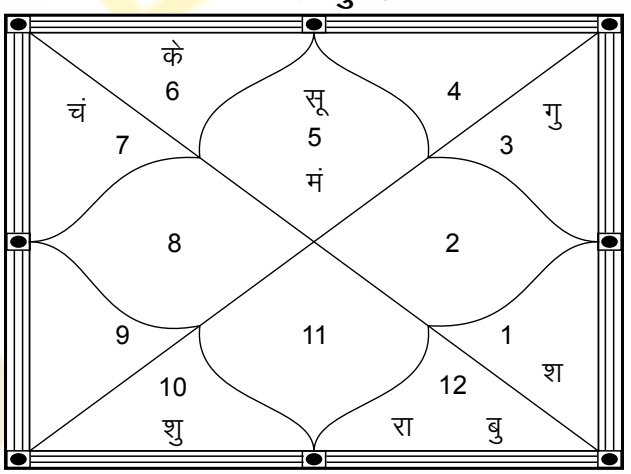

नवमांश कुंडली

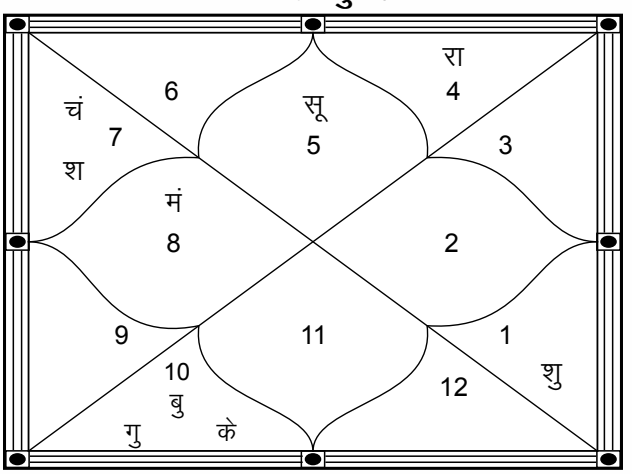

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE
www.duastro.com || info@duastro.com || +91-9667311033

कृष्णमूर्ति पद्धति

भोग्य दशा काल : मंगल 2 वर्ष 6 मास 10 दिन

के.पी. अयनांश : 23:44:20

फॉरच्युना : मीन 09:36:10

ग्रह

ग्रह	व	राशि	अंश	रा	न	अं.	प्र.
सूर्य		धनु	16:24:36	गुरु	शुक्र	चंद्र	राहु
चंद्र		मिथु	01:51:02	बुध	मंगल	बुध	शनि
मंगल		कन्या	24:39:52	बुध	मंगल	राहु	गुरु
बुध		वृश्चि	27:35:25	मंगल	बुध	गुरु	मंगल
गुरु		कुंभ	28:12:28	शनि	गुरु	शुक्र	शनि
शुक्र		मक	01:41:49	शनि	सूर्य	गुरु	शनि
शनि		मेष	03:02:03	मंगल	केतु	सूर्य	चंद्र
राहु	व	कर्क	29:07:12	चंद्र	बुध	शनि	चंद्र
केतु	व	मक	29:07:12	शनि	मंगल	शनि	चंद्र
हर्ष		मक	17:13:14	शनि	चंद्र	शनि	राहु
नेप		मक	07:19:17	शनि	सूर्य	केतु	मंगल
प्लूटो		वृश्चि	15:22:37	मंगल	शनि	गुरु	शनि

निरयण भाव

भाव	राशि	अंश	रा	न	अं.	प्र.
1	कन्या	24:09:44	बुध	मंगल	राहु	राहु
2	तुला	20:03:55	शुक्र	गुरु	गुरु	गुरु
3	वृश्चि	22:17:54	मंगल	बुध	चंद्र	चंद्र
4	धनु	29:49:05	गुरु	सूर्य	राहु	शनि
5	कुंभ	04:41:48	शनि	मंगल	शुक्र	बुध
6	मीन	02:35:54	गुरु	गुरु	राहु	केतु
7	मीन	24:09:44	गुरु	बुध	राहु	राहु
8	मेष	20:03:55	मंगल	शुक्र	राहु	मंगल
9	वृष	22:17:54	शुक्र	चंद्र	शुक्र	बुध
10	मिथु	29:49:05	बुध	गुरु	चंद्र	गुरु
11	सिंह	04:41:48	सूर्य	केतु	चंद्र	शुक्र
12	कन्या	02:35:54	बुध	सूर्य	गुरु	चंद्र

भाव कुंडली

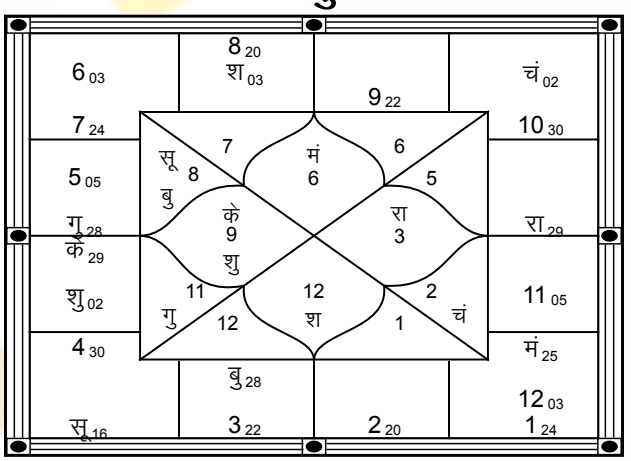

भोग्य दशा काल : मंगल 3 वर्ष 3 मास 5 दिन

के.पी. अयनांश : 23:36:50

फॉरच्युना : वृश्चिक 08:04:01

ग्रह

ग्रह	व	राशि	अंश	रा	न	अं.	प्र.
सूर्य		धनु	16:30:00	गुरु	शुक्र	चंद्र	राहु
चंद्र		कुंभ	00:26:57	शनि	मंगल	बुध	शुक्र
मंगल		वृश्चि	15:54:11	मंगल	शनि	गुरु	शुक्र
बुध	व	मक	02:12:53	शनि	सूर्य	गुरु	शुक्र
गुरु	व	मिथु	11:37:38	बुध	राहु	शनि	सूर्य
शुक्र	व	मक	12:41:15	शनि	चंद्र	राहु	शनि
शनि		धनु	21:57:45	गुरु	शुक्र	शनि	शनि
राहु		मक	23:14:32	शनि	चंद्र	सूर्य	शुक्र
केतु		कर्क	23:14:32	चंद्र	बुध	चंद्र	शुक्र
हर्ष		धनु	12:07:49	गुरु	केतु	बुध	शुक्र
नेप		धनु	18:23:53	गुरु	शुक्र	राहु	राहु
प्लूटो		तुला	23:27:37	शुक्र	गुरु	शनि	राहु

निरयण भाव

भाव	राशि	अंश	रा	न	अं.	प्र.
1	कन्या	24:07:04	बुध	मंगल	राहु	राहु
2	तुला	22:43:34	शुक्र	गुरु	शनि	शुक्र
3	वृश्चि	23:16:06	मंगल	बुध	चंद्र	शुक्र
4	धनु	25:00:49	गुरु	शुक्र	बुध	मंगल
5	मक	26:53:52	शनि	मंगल	गुरु	केतु
6	कुंभ	27:08:40	शनि	गुरु	शुक्र	चंद्र
7	मीन	24:07:04	गुरु	बुध	राहु	राहु
8	मेष	22:43:34	मंगल	शुक्र	शनि	शुक्र
9	वृष	23:16:06	शुक्र	चंद्र	सूर्य	शुक्र
10	मिथु	25:00:49	बुध	गुरु	बुध	राहु
11	कर्क	26:53:52	चंद्र	बुध	गुरु	केतु
12	सिंह	27:08:40	सूर्य	सूर्य	सूर्य	बुध

भाव कुंडली

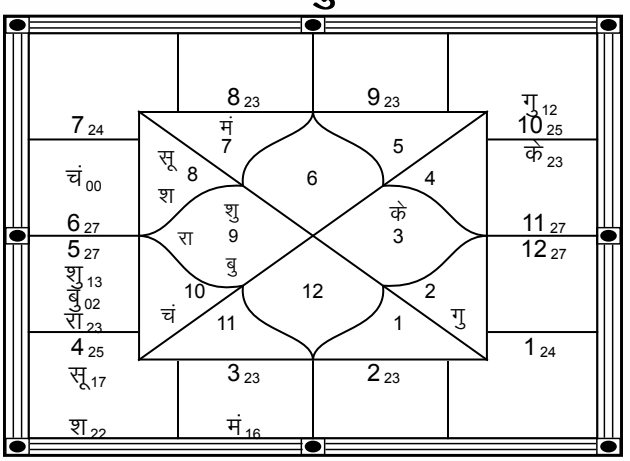

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA
www.duastro.com || info@duastro.com || +91-9667311033

कारकत्व एवं स्वामित्व

भाव कारक

भाव	ग्रह
1	चंद्र, मंगल+ बुध, राहु– केतु,
2	सूर्य– शुक्र–
3	सूर्य, चंद्र– मंगल, बुध+ शुक्र, राहु, केतु–
4	सूर्य, गुरु, शुक्र, शनि, केतु,
5	गुरु+ शनि–
6	गुरु,
7	गुरु, शनि,
8	चंद्र– मंगल, केतु–
9	सूर्य– चंद्र, शुक्र–
10	बुध, राहु+
11	सूर्य– शुक्र–
12	बुध, राहु–

भाव कारक

भाव	ग्रह
1	बुध– केतु–
2	सूर्य– चंद्र, मंगल, शुक्र– शनि–
3	सूर्य, चंद्र– मंगल+ बुध, शनि,
4	सूर्य, बुध, गुरु+ शुक्र, शनि, राहु, केतु,
5	चंद्र, मंगल– शुक्र, शनि– राहु,
6	मंगल– शनि–
7	गुरु–
8	चंद्र– मंगल–
9	सूर्य– गुरु, शुक्र– शनि–
10	बुध– केतु+
11	चंद्र– शुक्र– राहु–
12	सूर्य– बुध–

ग्रह कारकत्व

ग्रह	भाव
सूर्य	2- 3, 4, 9- 11-
चंद्र	1, 3- 8- 9,
मंगल	1+ 3, 8,
बुध	1, 3+ 10, 12,
गुरु	4, 5+ 6, 7,
शुक्र	2- 3, 4, 9- 11-
शनि	4, 5- 7,
राहु	1- 3, 10+ 12-
केतु	1, 3- 4, 8-

ग्रह कारकत्व

ग्रह	भाव
सूर्य	2- 3, 4, 9- 12-
चंद्र	2, 3- 5, 8- 11-
मंगल	2, 3+ 5- 6- 8-
बुध	1- 3, 4, 10- 12-
गुरु	4+ 7- 9,
शुक्र	2- 4, 5, 9- 11-
शनि	2- 3, 4, 5- 6- 9-
राहु	4, 5, 11-
केतु	1- 4, 10+

स्वामित्व

लग्न नक्षत्र स्वामी	मंगल
लग्न राशि स्वामी	बुध
राशि नक्षत्र स्वामी	मंगल
राशि स्वामी	बुध
वार स्वामी	शुक्र
लग्न अन्तर स्वामी	राहु
राशि अन्तर स्वामी	बुध

स्वामित्व

लग्न नक्षत्र स्वामी	मंगल
लग्न राशि स्वामी	बुध
राशि नक्षत्र स्वामी	मंगल
राशि स्वामी	शनि
वार स्वामी	चन्द्र
लग्न अन्तर स्वामी	राहु
राशि अन्तर स्वामी	बुध

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

षोडशवर्ग चक्र

वर्गीय कुंडलियां लग्न कुंडली का विस्तार होती हैं। प्रत्येक कुंडली का एक विशेष लक्ष्य होता है, जैसा कि निम्न कुंडलियों के साथ वर्णन किया गया है। विस्तृत रूप से यह जानने के लिए कि ये कुंडलियां कौन से विषय का प्रतिनिधित्व करती हैं, इनका अध्ययन मूल लग्न कुंडली के साथ किया जाना चाहिए। बहरहाल, ये कुंडलियां विशेष सावधानी से देखी जानी चाहिएं, क्योंकि यहां ग्रहों की दृष्टि नहीं होती। सामान्यतः ग्रह का आचरण उस राशि या भाव तक सीमित रहता है जिनमें वे इन वर्गीय कुंडलियों में स्थित हैं।

लग्न कुंडली

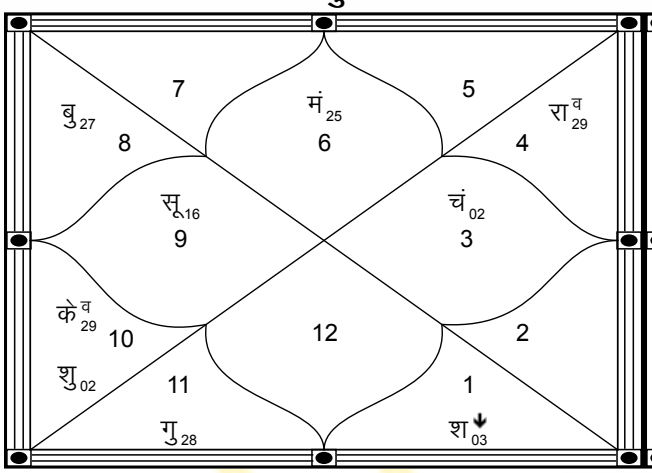

देह विचारः

लग्न कुंडली

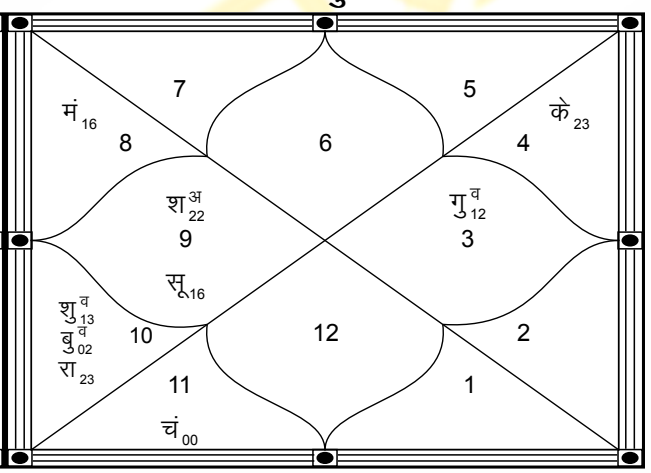

देह विचारः

होरा कुंडली

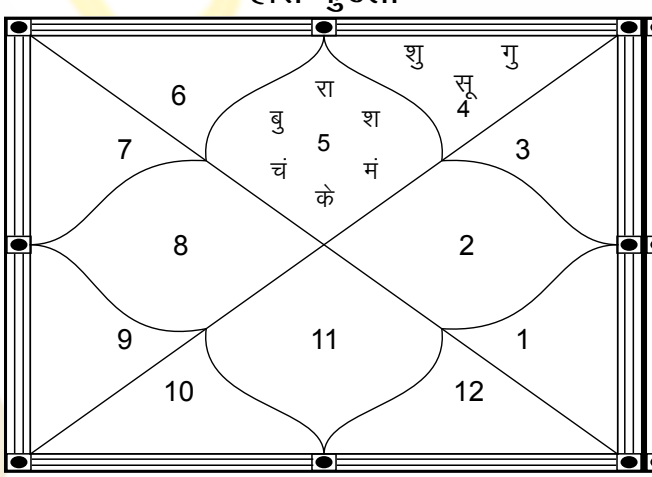

सम्पदाविचारः

होरा कुंडली

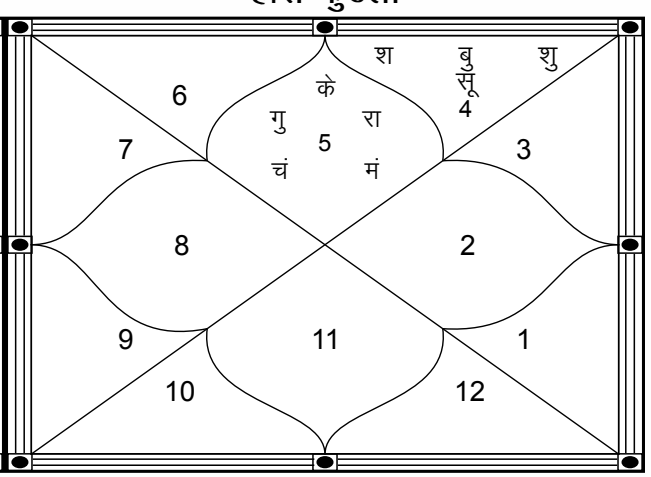

सम्पदाविचारः

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

षोडशवर्ग चक्र

द्रेष्काण कुंडली

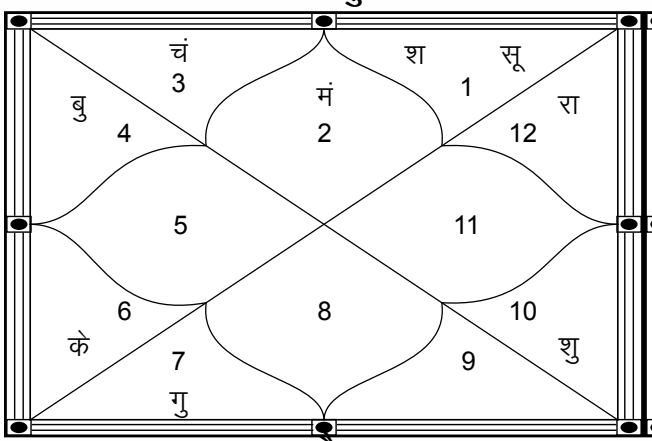

द्रेष्काण कुंडली

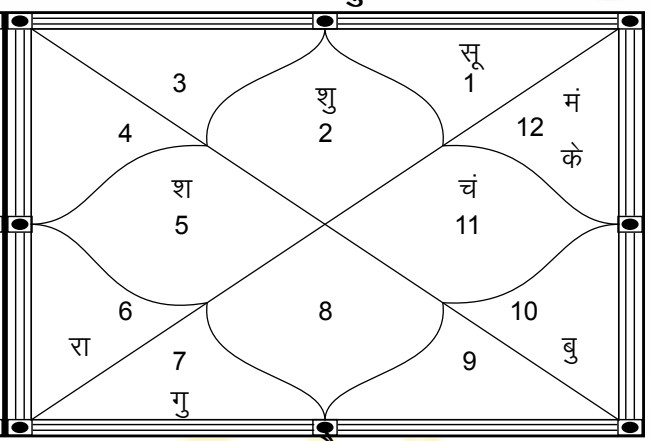

भ्रातृसौख्यम चतुर्थांश कुंडली

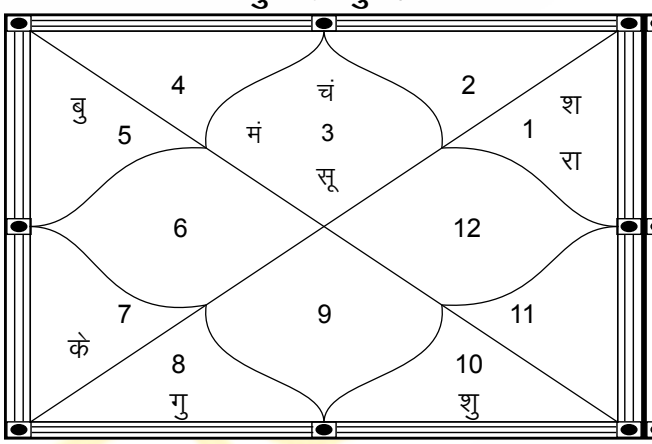

भ्रातृसौख्यम चतुर्थांश कुंडली

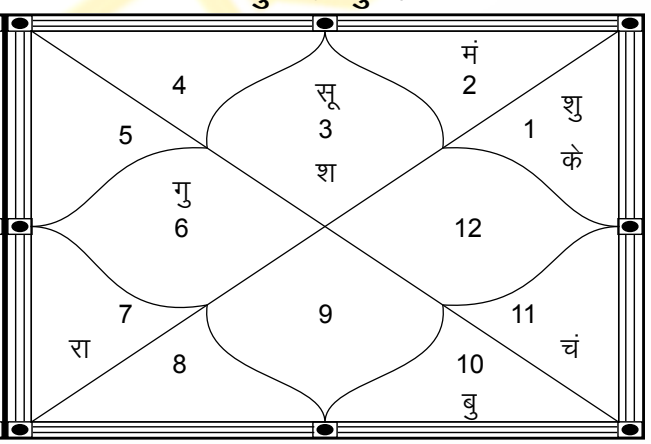

भाग्यविचारः सप्तमांश कुंडली

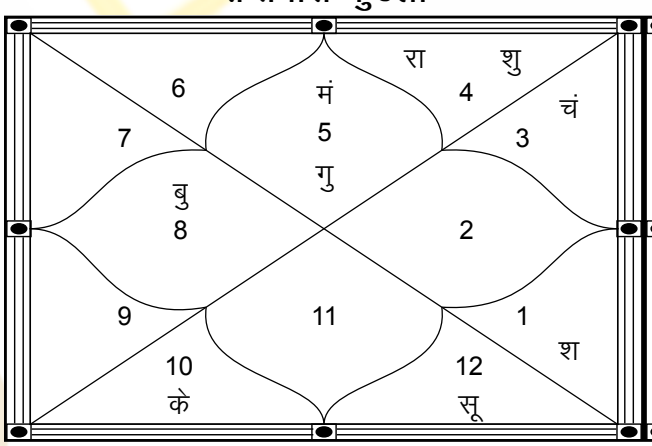

भाग्यविचारः सप्तमांश कुंडली

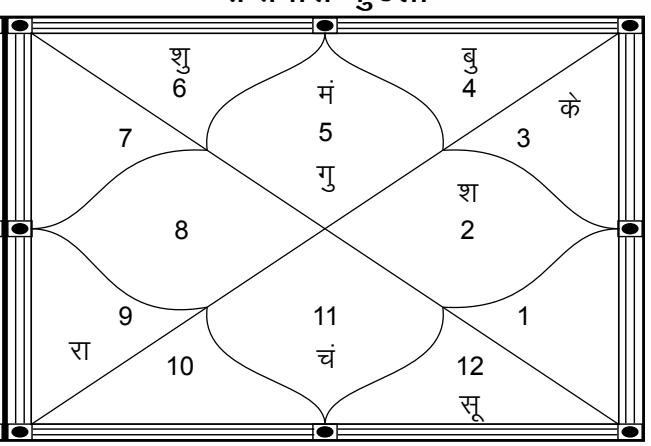

पुत्रपौत्रादिज्ञानम्

पुत्रपौत्रादिज्ञानम्

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE
www.duastro.com || info@duastro.com || +91-9667311033

षोडशवर्ग चक्र

नवमांश कुंडली

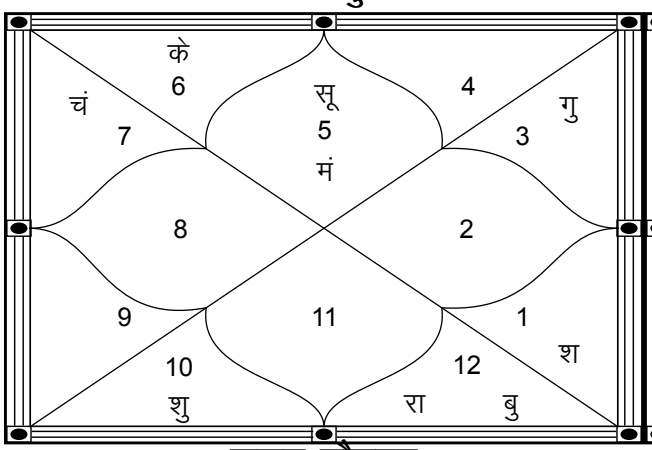

नवमांश कुंडली

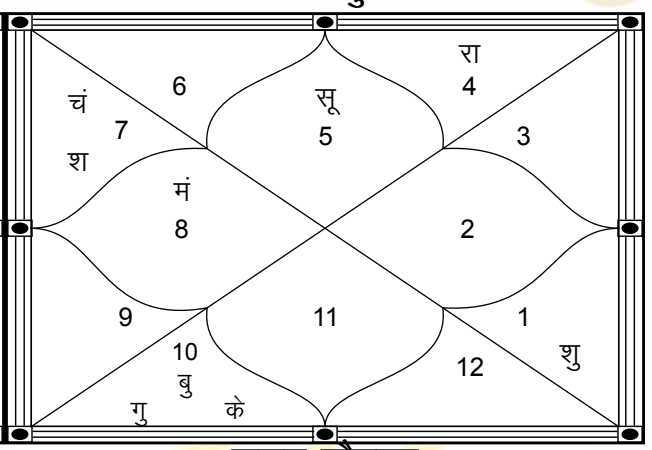

कलत्र सौख्यम
दशमांश कुंडली

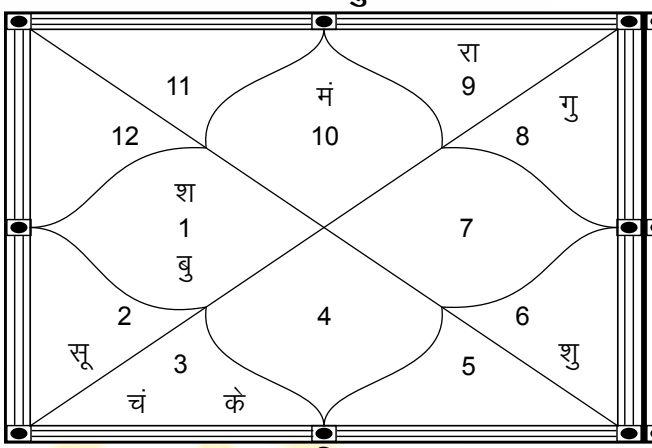

कलत्र सौख्यम
दशमांश कुंडली

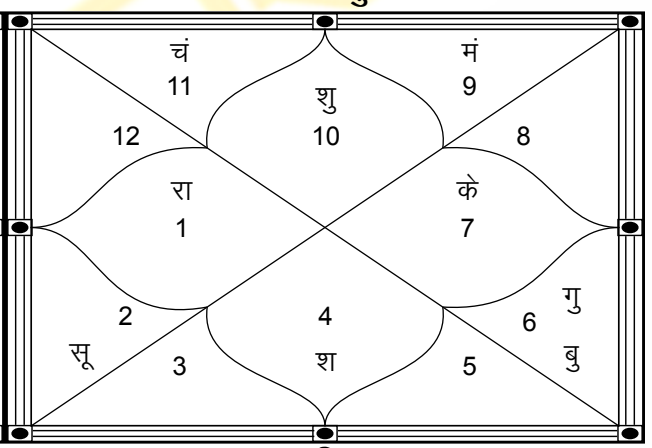

राज्यविचारः
द्वादशांश कुंडली

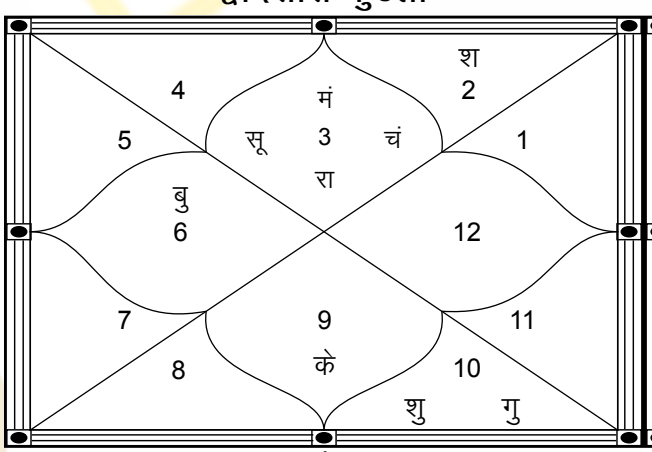

राज्यविचारः
द्वादशांश कुंडली

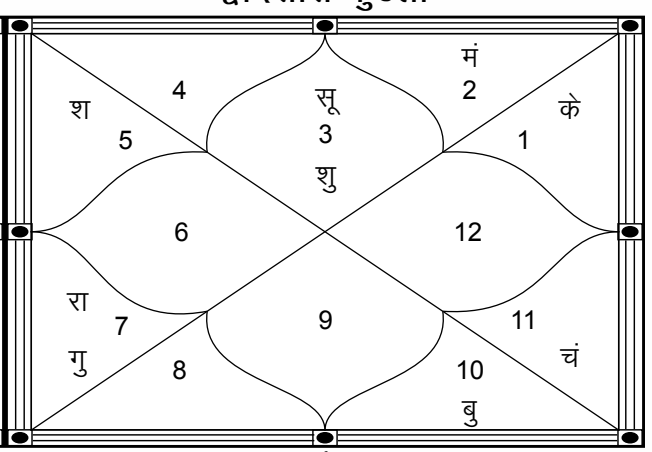

पितृसौख्यम

पितृसौख्यम

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

षोडशवर्ग चक्र

षोडशांश कुंडली

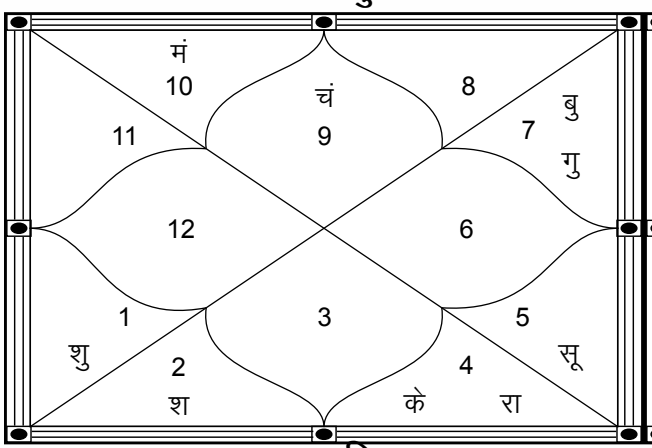

षोडशांश कुंडली

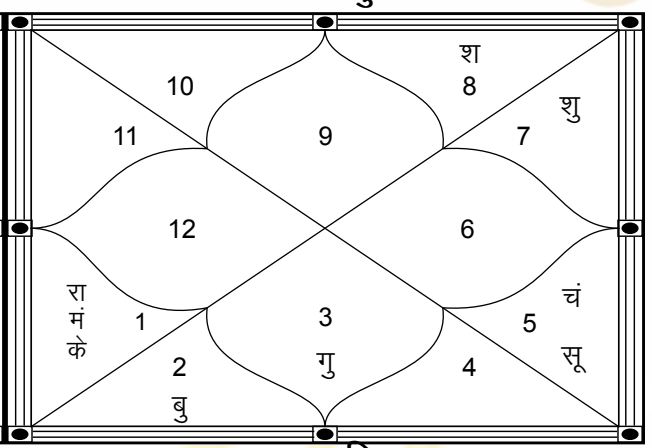

वाहनसुखविचारः
त्रिंशांश कुंडली

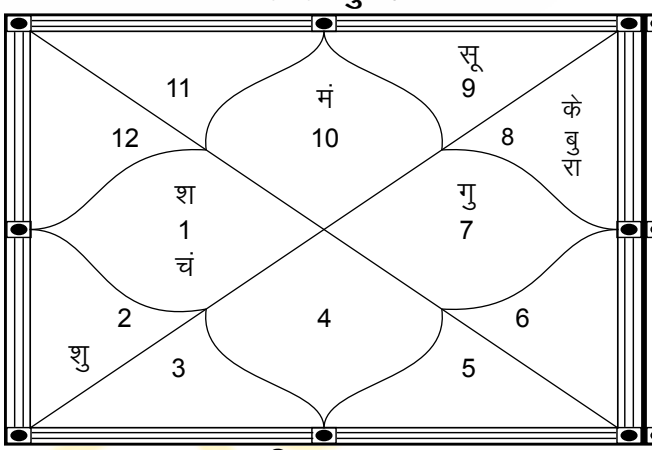

वाहनसुखविचारः
त्रिंशांश कुंडली

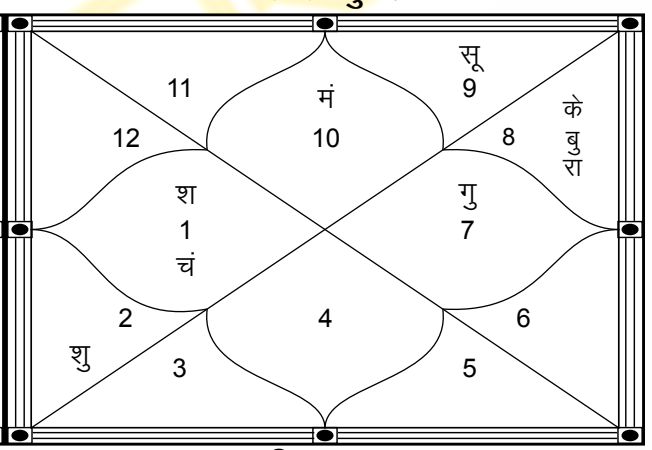

अरिष्टज्ञानम्
षष्ट्यंश कुंडली

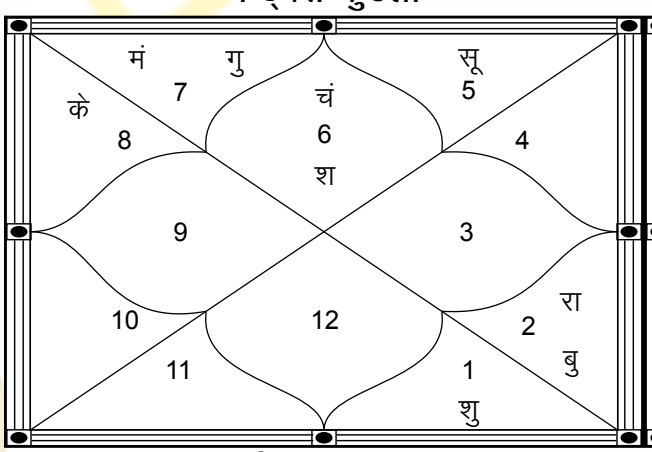

अरिष्टज्ञानम्
षष्ट्यंश कुंडली

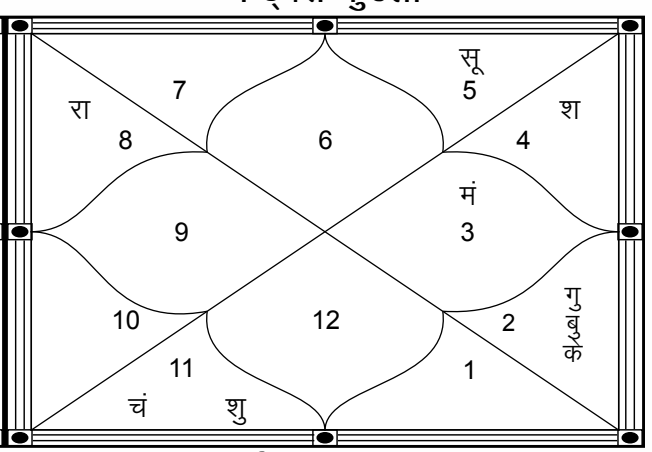

सर्वास्थितिविचारः

सर्वास्थितिविचारः

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

मैत्री सारिणी

नैसर्गिक मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	–––	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु
चंद्र	मित्र	–––	सम	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु	शत्रु
मंगल	मित्र	मित्र	–––	शत्रु	मित्र	सम	सम	शत्रु	मित्र
बुध	मित्र	शत्रु	सम	–––	सम	मित्र	सम	सम	सम
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	–––	शत्रु	सम	सम	सम
शुक्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	–––	मित्र	मित्र	मित्र
शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	–––	मित्र	शत्रु
राहु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	सम	मित्र	मित्र	–––	शत्रु
केतु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	–––

पंचधा मैत्री - Duastro Male

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	–––	सम	अतिमित्र	मित्र	अतिमित्र	सम	अधिशत्रु	अधिशत्रु	सम
चंद्र	सम	–––	मित्र	सम	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	अधिशत्रु
मंगल	अतिमित्र	अतिमित्र	–––	सम	सम	शत्रु	शत्रु	सम	सम
बुध	अतिमित्र	अधिशत्रु	मित्र	–––	मित्र	अतिमित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र
गुरु	अतिमित्र	सम	सम	सम	–––	सम	मित्र	शत्रु	मित्र
शुक्र	सम	अधिशत्रु	शत्रु	अतिमित्र	मित्र	–––	अतिमित्र	सम	सम
शनि	अधिशत्रु	सम	अधिशत्रु	सम	मित्र	अतिमित्र	–––	अतिमित्र	सम
राहु	अधिशत्रु	सम	सम	शत्रु	शत्रु	सम	अतिमित्र	–––	अधिशत्रु
केतु	सम	अधिशत्रु	सम	मित्र	मित्र	सम	सम	अधिशत्रु	–––

पंचधा मैत्री - Duastro Female

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	–––	अतिमित्र	अतिमित्र	मित्र	सम	सम	अधिशत्रु	सम	अधिशत्रु
चंद्र	अतिमित्र	–––	मित्र	अतिमित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	सम	अधिशत्रु
मंगल	अतिमित्र	अतिमित्र	–––	सम	सम	मित्र	मित्र	सम	सम
बुध	अतिमित्र	सम	मित्र	–––	शत्रु	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु
गुरु	सम	सम	सम	अधिशत्रु	–––	अधिशत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र
शुक्र	सम	सम	मित्र	सम	शत्रु	–––	अतिमित्र	सम	सम
शनि	अधिशत्रु	सम	सम	अतिमित्र	शत्रु	अतिमित्र	–––	अतिमित्र	अधिशत्रु
राहु	सम	सम	सम	शत्रु	शत्रु	सम	अतिमित्र	–––	अधिशत्रु
केतु	अधिशत्रु	अधिशत्रु	सम	शत्रु	मित्र	सम	अधिशत्रु	अधिशत्रु	–––

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

प्रस्ताराष्टकवर्ग सारिणी

सूर्य का अष्टकवर्ग

	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	कुल
शनि	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	8
गुरु	1	0	0	0	0	0	1	1	0	0	1	0	4
मंगल	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	0	8
सूर्य	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
शुक्र	1	0	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	3
बुध	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	0	7
चंद्र	0	0	0	1	1	0	0	0	1	0	0	1	4
लग्न	1	0	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	6
कुल	**6**	**3**	**2**	**4**	**4**	**2**	**5**	**7**	**4**	**3**	**5**	**3**	**48**

सूर्य का अष्टकवर्ग

	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	कुल
शनि	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
गुरु	0	0	1	0	1	0	0	0	0	0	1	1	4
मंगल	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	8
सूर्य	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
शुक्र	1	0	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	3
बुध	1	0	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	7
चंद्र	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	4
लग्न	1	0	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	6
कुल	**7**	**2**	**3**	**3**	**2**	**2**	**6**	**6**	**4**	**4**	**4**	**5**	**48**

चंद्र का अष्टकवर्ग

	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	कुल
शनि	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	0	4
गुरु	0	0	1	1	0	1	1	0	1	1	0	1	7
मंगल	1	1	0	0	1	1	0	1	1	0	0	0	6
सूर्य	1	1	0	1	1	0	0	0	1	0	0	1	6
शुक्र	0	1	0	1	1	1	0	0	0	1	1	1	7
बुध	1	0	1	1	0	1	0	1	1	1	0	1	8
चंद्र	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	1	0	7
लग्न	1	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	4
कुल	**6**	**4**	**4**	**5**	**3**	**6**	**2**	**2**	**7**	**4**	**2**	**4**	**49**

चंद्र का अष्टकवर्ग

	कुं	मी	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुल
शनि	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	0	4
गुरु	0	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	7
मंगल	0	1	1	0	0	0	1	1	0	0	1	1	6
सूर्य	1	0	0	1	1	1	0	1	1	0	0	0	6
शुक्र	0	1	1	1	0	1	0	1	1	1	0	0	7
बुध	0	1	1	1	0	1	1	0	1	1	0	1	8
चंद्र	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	1	0	7
लग्न	1	0	0	0	1	1	0	0	0	1	0	0	4
कुल	**4**	**4**	**6**	**4**	**3**	**6**	**3**	**4**	**5**	**4**	**3**	**3**	**49**

मंगल का अष्टकवर्ग

	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	र्क	सि	कुल
शनि	0	1	1	1	1	1	0	1	0	0	1	0	7
गुरु	0	0	1	1	1	0	0	0	0	0	1	0	4
मंगल	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	7
सूर्य	1	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	0	5
शुक्र	0	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0	1	4
बुध	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	4
चंद्र	0	0	1	0	0	0	0	1	0	0	0	1	3
लग्न	1	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	5
कुल	**4**	**3**	**5**	**4**	**3**	**3**	**2**	**5**	**1**	**3**	**4**	**2**	**39**

मंगल का अष्टकवर्ग

	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	कुल
शनि	0	1	0	0	1	0	0	1	1	1	1	1	7
गुरु	1	0	0	0	1	1	1	0	0	0	0	0	4
मंगल	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	7
सूर्य	0	0	0	1	0	1	1	0	0	0	1	1	5
शुक्र	1	1	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	4
बुध	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	4
चंद्र	0	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	3
लग्न	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	1	0	5
कुल	**5**	**4**	**0**	**3**	**3**	**3**	**4**	**5**	**3**	**3**	**4**	**2**	**39**

बुध का अष्टकवर्ग

	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	कुल
शनि	1	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	8
गुरु	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0	1	0	4
मंगल	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	8
सूर्य	1	0	0	0	0	1	1	0	0	1	0	1	5
शुक्र	1	0	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	8
बुध	1	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	0	8
चंद्र	1	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	0	6
लग्न	0	1	0	1	0	1	0	1	1	0	1	1	7
कुल	**5**	**4**	**5**	**3**	**4**	**7**	**4**	**2**	**6**	**3**	**6**	**5**	**54**

बुध का अष्टकवर्ग

	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	कुल
शनि	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	8
गुरु	1	0	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0	4
मंगल	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	8
सूर्य	0	0	0	1	1	0	0	1	0	1	1	0	5
शुक्र	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	8
बुध	1	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	8
चंद्र	0	0	1	0	1	0	1	0	1	0	1	1	6
लग्न	0	1	0	1	0	1	1	0	1	1	0	1	7
कुल	**4**	**3**	**4**	**4**	**6**	**4**	**4**	**4**	**6**	**4**	**6**	**5**	**54**

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE
www.duastro.com || info@duastro.com || +91-9667311033

प्रस्ताराष्टकवर्ग सारिणी

गुरू का अष्टकवर्ग

	कुं	मी	मे	वृ	मि	कं	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुल
शनि	0	1	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	4
गुरु	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	0	8
मंगल	0	1	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	7
सूर्य	1	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	9
शुक्र	1	0	0	1	1	0	0	1	1	1	0	0	6
बुध	1	1	1	0	0	1	1	1	0	1	1	0	8
चंद्र	1	0	1	0	0	1	0	0	1	0	1	0	5
लग्न	1	1	0	1	1	1	0	1	1	0	1	1	9
कुल	**6**	**6**	**4**	**3**	**5**	**5**	**4**	**7**	**5**	**3**	**6**	**2**	**56**

गुरू का अष्टकवर्ग

	मि	कं	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	कुल
शनि	0	0	0	0	0	1	0	0	1	0	1	1	4
गुरु	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	0	8
मंगल	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	7
सूर्य	1	1	1	1	1	0	1	1	1	1	0	0	9
शुक्र	1	0	0	1	1	1	0	0	1	0	0	1	6
बुध	1	0	0	1	1	1	0	1	1	0	1	1	8
चंद्र	1	0	1	0	1	0	1	0	0	1	0	0	5
लग्न	1	1	0	1	1	0	1	1	1	1	0	1	9
कुल	**7**	**3**	**4**	**6**	**5**	**4**	**5**	**4**	**6**	**4**	**3**	**5**	**56**

शुक्र का अष्टकवर्ग

	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	कं	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	कुल
शनि	1	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	1	7
गुरु	0	0	0	0	0	1	0	0	1	1	1	1	5
मंगल	0	1	0	0	1	0	1	1	0	0	1	1	6
सूर्य	0	0	0	0	0	0	1	0	0	1	1	0	3
शुक्र	1	1	1	1	1	0	0	1	1	1	1	0	9
बुध	1	0	1	1	0	0	1	0	1	0	0	0	5
चंद्र	1	1	0	1	1	1	1	1	1	1	0	0	9
लग्न	1	0	0	1	1	0	1	0	1	1	1	1	8
कुल	**5**	**4**	**2**	**4**	**4**	**3**	**6**	**4**	**5**	**5**	**6**	**4**	**52**

शुक्र का अष्टकवर्ग

	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	कं	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	कुल
शनि	0	1	1	1	0	0	1	1	1	1	0	0	7
गुरु	1	1	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	5
मंगल	1	1	0	1	0	0	1	0	1	1	0	0	6
सूर्य	0	0	0	0	0	0	1	0	0	1	1	0	3
शुक्र	1	1	1	1	1	0	0	1	1	1	1	0	9
बुध	0	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	0	5
चंद्र	1	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	9
लग्न	1	0	0	1	1	0	1	0	1	1	1	1	8
कुल	**5**	**5**	**5**	**6**	**4**	**2**	**4**	**2**	**6**	**7**	**4**	**2**	**52**

शनि का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	कं	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	4
गुरु	0	0	1	1	0	0	0	0	1	1	0	0	4
मंगल	0	0	1	1	1	0	0	1	0	1	1	0	6
सूर्य	0	0	1	1	0	1	1	0	1	1	0	1	7
शुक्र	0	0	1	0	0	0	0	1	1	0	0	0	3
बुध	1	0	1	1	1	1	1	0	0	0	0	0	6
चंद्र	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	3
लग्न	0	0	1	1	0	1	0	1	1	0	1	0	6
कुल	**2**	**0**	**7**	**5**	**4**	**4**	**2**	**4**	**4**	**3**	**3**	**1**	**39**

शनि का अष्टकवर्ग

	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	कं	सि	कं	तु	वृश्चि	कुल
शनि	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	4
गुरु	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	1	1	4
मंगल	0	1	0	1	1	0	0	0	1	1	1	0	6
सूर्य	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	7
शुक्र	1	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	1	3
बुध	1	0	0	0	0	0	1	0	1	1	1	1	6
चंद्र	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	3
लग्न	1	0	1	0	1	0	0	0	1	1	0	1	6
कुल	**5**	**2**	**2**	**2**	**4**	**2**	**4**	**3**	**2**	**4**	**5**	**4**	**39**

लग्न का अष्टकवर्ग

	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	कं	सि	कुल
शनि	1	0	0	0	1	1	0	1	0	1	1	0	6
गुरु	0	1	1	1	0	1	1	0	1	1	1	1	9
मंगल	1	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	5
सूर्य	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	0	0	6
शुक्र	1	0	0	0	1	1	1	1	1	0	0	1	7
बुध	1	0	1	1	0	1	0	1	0	1	0	1	7
चंद्र	0	0	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	5
लग्न	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	4
कुल	**5**	**2**	**6**	**2**	**2**	**7**	**4**	**4**	**4**	**5**	**4**	**4**	**49**

लग्न का अष्टकवर्ग

	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	कं	सि	कुल
शनि	1	1	0	1	0	1	1	0	1	0	0	0	6
गुरु	1	1	1	1	0	1	1	1	0	1	1	0	9
मंगल	1	0	1	0	1	0	0	1	0	0	0	1	5
सूर्य	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	0	0	6
शुक्र	1	0	0	0	1	1	1	1	1	0	0	1	7
बुध	0	1	1	0	1	1	0	1	0	1	0	1	7
चंद्र	0	0	1	1	1	0	0	1	0	0	1	0	5
लग्न	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	4
कुल	**5**	**4**	**6**	**3**	**4**	**6**	**4**	**5**	**3**	**3**	**3**	**3**	**49**

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

अष्टकवर्ग सारिणी

सर्वाष्टकवर्ग

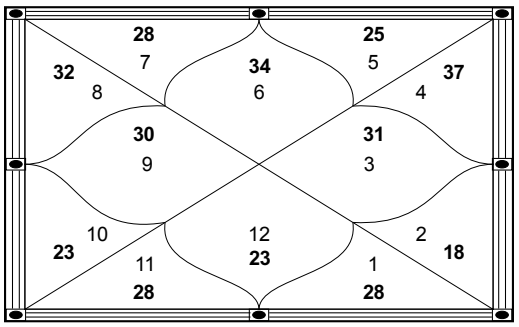

सर्वाष्टकवर्ग

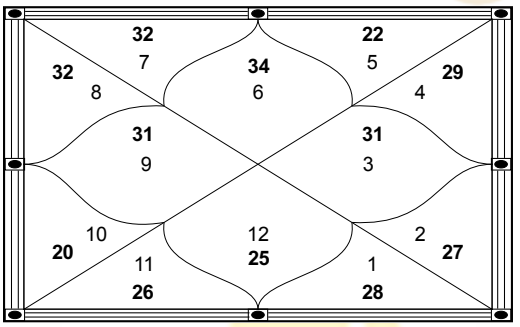

Duastro Male

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	2	0	7	5	4	4	2	4	4	3	3	1	39
गुरु	4	3	5	5	4	7	5	3	6	2	6	6	56
मंगल	5	1	3	4	2	4	3	5	4	3	3	2	39
सूर्य	4	2	5	7	4	3	5	3	6	3	2	4	48
शुक्र	4	4	3	6	4	5	5	6	4	5	4	2	52
बुध	7	4	2	6	3	6	5	5	4	5	3	4	54
चंद्र	2	4	6	4	4	5	3	6	2	2	7	4	49
बिन्दु	**28**	**18**	**31**	**37**	**25**	**34**	**28**	**32**	**30**	**23**	**28**	**23**	**337**
रेखा	**28**	**38**	**25**	**19**	**31**	**22**	**28**	**24**	**26**	**33**	**28**	**33**	**335**

Duastro Female

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	4	2	4	3	2	4	5	4	5	2	2	2	39
गुरु	3	5	7	3	4	6	5	4	5	4	6	4	56
मंगल	3	4	5	3	3	4	2	5	4	0	3	3	39
सूर्य	2	2	6	6	4	4	4	5	7	2	3	3	48
शुक्र	6	4	2	4	2	6	7	4	2	5	5	5	52
बुध	4	6	4	4	4	6	4	6	5	4	3	4	54
चंद्र	6	4	3	6	3	4	5	4	3	3	4	4	49
बिन्दु	**28**	**27**	**31**	**29**	**22**	**34**	**32**	**32**	**31**	**20**	**26**	**25**	**337**
रेखा	**28**	**29**	**25**	**27**	**34**	**22**	**24**	**24**	**25**	**36**	**30**	**31**	**335**

शोध्य पिंड - Duastro Male

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि पिंड	89	139	96	100	84	83	164
ग्रह पिंड	40	89	78	63	60	45	113
शोध्य पिंड	129	228	174	163	144	128	277

शोध्य पिंड - Duastro Female

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि पिंड	124	62	105	55	73	123	84
ग्रह पिंड	96	5	61	36	53	27	66
शोध्य पिंड	220	67	166	91	126	150	150

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

विंशोत्तरी दशा

मंगल 2 वर्ष 6 मास 29 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
01/01/1999		01/08/2001		01/08/2019	
01/08/2001		01/08/2019		01/08/2035	
	00/00/0000	राहु	13/04/2004	गुरु	18/09/2021
	00/00/0000	गुरु	06/09/2006	शनि	01/04/2024
	00/00/0000	शनि	13/07/2009	बुध	07/07/2026
	01/01/1999	बुध	31/01/2012	केतु	13/06/2027
बुध	27/01/1999	केतु	17/02/2013	शुक्र	11/02/2030
केतु	25/06/1999	शुक्र	18/02/2016	सूर्य	01/12/2030
शुक्र	25/08/2000	सूर्य	12/01/2017	चंद्र	01/04/2032
सूर्य	30/12/2000	चंद्र	13/07/2018	मंगल	07/03/2033
चंद्र	01/08/2001	मंगल	01/08/2019	राहु	01/08/2035

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
01/08/2035		01/08/2054		01/08/2071	
01/08/2054		01/08/2071		01/08/2078	
शनि	04/08/2038	बुध	27/12/2056	केतु	28/12/2071
बुध	13/04/2041	केतु	25/12/2057	शुक्र	26/02/2073
केतु	23/05/2042	शुक्र	24/10/2060	सूर्य	04/07/2073
शुक्र	22/07/2045	सूर्य	31/08/2061	चंद्र	02/02/2074
सूर्य	04/07/2046	चंद्र	30/01/2063	मंगल	01/07/2074
चंद्र	03/02/2048	मंगल	28/01/2064	राहु	20/07/2075
मंगल	13/03/2049	राहु	16/08/2066	गुरु	25/06/2076
राहु	18/01/2052	गुरु	21/11/2068	शनि	04/08/2077
गुरु	01/08/2054	शनि	01/08/2071	बुध	01/08/2078

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
01/08/2078		01/08/2098		01/08/2104	
01/08/2098		01/08/2104		02/08/2114	
शुक्र	30/11/2081	सूर्य	18/11/2098	चंद्र	02/06/2105
सूर्य	01/12/2082	चंद्र	20/05/2099	मंगल	01/01/2106
चंद्र	31/07/2084	मंगल	25/09/2099	राहु	03/07/2107
मंगल	30/09/2085	राहु	20/08/2100	गुरु	01/11/2108
राहु	30/09/2088	गुरु	08/06/2101	शनि	02/06/2110
गुरु	01/06/2091	शनि	21/05/2102	बुध	01/11/2111
शनि	01/08/2094	बुध	27/03/2103	केतु	01/06/2112
बुध	01/06/2097	केतु	02/08/2103	शुक्र	31/01/2114
केतु	01/08/2098	शुक्र	01/08/2104	सूर्य	02/08/2114

मंगल 3 वर्ष 3 मास 25 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
01/01/1990		27/04/1993		28/04/2011	
27/04/1993		28/04/2011		28/04/2027	
	00/00/0000	राहु	08/01/1996	गुरु	15/06/2013
	00/00/0000	गुरु	03/06/1998	शनि	27/12/2015
	00/00/0000	शनि	09/04/2001	बुध	03/04/2018
	01/01/1990	बुध	27/10/2003	केतु	10/03/2019
बुध	24/10/1990	केतु	14/11/2004	शुक्र	08/11/2021
केतु	22/03/1991	शुक्र	15/11/2007	सूर्य	27/08/2022
शुक्र	21/05/1992	सूर्य	08/10/2008	चंद्र	27/12/2023
सूर्य	26/09/1992	चंद्र	09/04/2010	मंगल	02/12/2024
चंद्र	27/04/1993	मंगल	28/04/2011	राहु	28/04/2027

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
28/04/2027		27/04/2046		28/04/2063	
27/04/2046		28/04/2063		27/04/2070	
शनि	01/05/2030	बुध	23/09/2048	केतु	24/09/2063
बुध	08/01/2033	केतु	20/09/2049	शुक्र	23/11/2064
केतु	16/02/2034	शुक्र	21/07/2052	सूर्य	31/03/2065
शुक्र	18/04/2037	सूर्य	28/05/2053	चंद्र	30/10/2065
सूर्य	31/03/2038	चंद्र	27/10/2054	मंगल	28/03/2066
चंद्र	30/10/2039	मंगल	24/10/2055	राहु	16/04/2067
मंगल	08/12/2040	राहु	13/05/2058	गुरु	21/03/2068
राहु	15/10/2043	गुरु	18/08/2060	शनि	30/04/2069
गुरु	27/04/2046	शनि	28/04/2063	बुध	27/04/2070

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
27/04/2070		27/04/2090		27/04/2096	
27/04/2090		27/04/2096		28/04/2106	
शुक्र	27/08/2073	सूर्य	15/08/2090	चंद्र	25/02/2097
सूर्य	27/08/2074	चंद्र	14/02/2091	मंगल	26/09/2097
चंद्र	27/04/2076	मंगल	22/06/2091	राहु	28/03/2099
मंगल	27/06/2077	राहु	15/05/2092	गुरु	28/07/2100
राहु	27/06/2080	गुरु	03/03/2093	शनि	27/02/2102
गुरु	26/02/2083	शनि	13/02/2094	बुध	29/07/2103
शनि	27/04/2086	बुध	21/12/2094	केतु	27/02/2104
बुध	25/02/2089	केतु	28/04/2095	शुक्र	28/10/2105
केतु	27/04/2090	शुक्र	27/04/2096	सूर्य	28/04/2106

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

गुरु - शनि		गुरु - बुध		गुरु - केतु	
18/09/2021		01/04/2024		07/07/2026	
01/04/2024		07/07/2026		13/06/2027	
शनि	12/02/2022	बुध	27/07/2024	केतु	27/07/2026
बुध	23/06/2022	केतु	13/09/2024	शुक्र	22/09/2026
केतु	16/08/2022	शुक्र	29/01/2025	सूर्य	09/10/2026
शुक्र	17/01/2023	सूर्य	11/03/2025	चंद्र	07/11/2026
सूर्य	04/03/2023	चंद्र	19/05/2025	मंगल	26/11/2026
चंद्र	20/05/2023	मंगल	07/07/2025	राहु	17/01/2027
मंगल	13/07/2023	राहु	08/11/2025	गुरु	03/03/2027
राहु	29/11/2023	गुरु	26/02/2026	शनि	26/04/2027
गुरु	01/04/2024	शनि	07/07/2026	बुध	13/06/2027

गुरु - मंगल		गुरु - राहु		शनि - शनि	
27/12/2023		02/12/2024		28/04/2027	
02/12/2024		28/04/2027		01/05/2030	
मंगल	16/01/2024	राहु	13/04/2025	शनि	19/10/2027
राहु	07/03/2024	गुरु	08/08/2025	बुध	22/03/2028
गुरु	22/04/2024	शनि	24/12/2025	केतु	25/05/2028
शनि	15/06/2024	बुध	27/04/2026	शुक्र	25/11/2028
बुध	02/08/2024	केतु	18/06/2026	सूर्य	19/01/2029
केतु	22/08/2024	शुक्र	11/11/2026	चंद्र	20/04/2029
शुक्र	18/10/2024	सूर्य	25/12/2026	मंगल	23/06/2029
सूर्य	04/11/2024	चंद्र	08/03/2027	राहु	05/12/2029
चंद्र	02/12/2024	मंगल	28/04/2027	गुरु	01/05/2030

गुरु - शुक्र		गुरु - सूर्य		गुरु - चंद्र	
13/06/2027		11/02/2030		01/12/2030	
11/02/2030		01/12/2030		01/04/2032	
शुक्र	23/11/2027	सूर्य	26/02/2030	चंद्र	10/01/2031
सूर्य	10/01/2028	चंद्र	22/03/2030	मंगल	07/02/2031
चंद्र	01/04/2028	मंगल	08/04/2030	राहु	22/04/2031
मंगल	27/05/2028	राहु	22/05/2030	गुरु	25/06/2031
राहु	20/10/2028	गुरु	30/06/2030	शनि	11/09/2031
गुरु	27/02/2029	शनि	15/08/2030	बुध	19/11/2031
शनि	01/08/2029	बुध	26/09/2030	केतु	17/12/2031
बुध	16/12/2029	केतु	13/10/2030	शुक्र	07/03/2032
केतु	11/02/2030	शुक्र	01/12/2030	सूर्य	01/04/2032

शनि - बुध		शनि - केतु		शनि - शुक्र	
01/05/2030		08/01/2033		16/02/2034	
08/01/2033		16/02/2034		18/04/2037	
बुध	17/09/2030	केतु	31/01/2033	शुक्र	28/08/2034
केतु	13/11/2030	शुक्र	09/04/2033	सूर्य	25/10/2034
शुक्र	26/04/2031	सूर्य	29/04/2033	चंद्र	29/01/2035
सूर्य	14/06/2031	चंद्र	02/06/2033	मंगल	07/04/2035
चंद्र	04/09/2031	मंगल	25/06/2033	राहु	27/09/2035
मंगल	31/10/2031	राहु	25/08/2033	गुरु	29/02/2036
राहु	27/03/2032	गुरु	18/10/2033	शनि	30/08/2036
गुरु	05/08/2032	शनि	21/12/2033	बुध	10/02/2037
शनि	08/01/2033	बुध	16/02/2034	केतु	18/04/2037

गुरु - मंगल		गुरु - राहु		शनि - शनि	
01/04/2032		07/03/2033		01/08/2035	
07/03/2033		01/08/2035		04/08/2038	
मंगल	20/04/2032	राहु	17/07/2033	शनि	22/01/2036
राहु	11/06/2032	गुरु	11/11/2033	बुध	26/06/2036
गुरु	26/07/2032	शनि	30/03/2034	केतु	29/08/2036
शनि	18/09/2032	बुध	01/08/2034	शुक्र	28/02/2037
बुध	05/11/2032	केतु	21/09/2034	सूर्य	24/04/2037
केतु	25/11/2032	शुक्र	14/02/2035	चंद्र	24/07/2037
शुक्र	21/01/2033	सूर्य	30/03/2035	मंगल	26/09/2037
सूर्य	07/02/2033	चंद्र	11/06/2035	राहु	10/03/2038
चंद्र	07/03/2033	मंगल	01/08/2035	गुरु	04/08/2038

शनि - सूर्य		शनि - चंद्र		शनि - मंगल	
18/04/2037		31/03/2038		30/10/2039	
31/03/2038		30/10/2039		08/12/2040	
सूर्य	05/05/2037	चंद्र	18/05/2038	मंगल	23/11/2039
चंद्र	03/06/2037	मंगल	21/06/2038	राहु	23/01/2040
मंगल	24/06/2037	राहु	16/09/2038	गुरु	17/03/2040
राहु	15/08/2037	गुरु	02/12/2038	शनि	20/05/2040
गुरु	30/09/2037	शनि	03/03/2039	बुध	16/07/2040
शनि	24/11/2037	बुध	24/05/2039	केतु	09/08/2040
बुध	12/01/2038	केतु	27/06/2039	शुक्र	15/10/2040
केतु	01/02/2038	शुक्र	02/10/2039	सूर्य	05/11/2040
शुक्र	31/03/2038	सूर्य	30/10/2039	चंद्र	08/12/2040

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शनि - बुध		शनि - केतु		शनि - शुक्र	
04/08/2038		13/04/2041		23/05/2042	
13/04/2041		23/05/2042		22/07/2045	
बुध	21/12/2038	केतु	07/05/2041	शुक्र	02/12/2042
केतु	16/02/2039	शुक्र	13/07/2041	सूर्य	28/01/2043
शुक्र	30/07/2039	सूर्य	02/08/2041	चंद्र	05/05/2043
सूर्य	17/09/2039	चंद्र	05/09/2041	मंगल	11/07/2043
चंद्र	08/12/2039	मंगल	29/09/2041	राहु	01/01/2044
मंगल	04/02/2040	राहु	28/11/2041	गुरु	03/06/2044
राहु	30/06/2040	गुरु	21/01/2042	शनि	03/12/2044
गुरु	08/11/2040	शनि	26/03/2042	बुध	16/05/2045
शनि	13/04/2041	बुध	23/05/2042	केतु	22/07/2045

शनि - राहु		शनि - गुरु		बुध - बुध	
08/12/2040		15/10/2043		27/04/2046	
15/10/2043		27/04/2046		23/09/2048	
राहु	13/05/2041	गुरु	16/02/2044	बुध	30/08/2046
गुरु	29/09/2041	शनि	11/07/2044	केतु	20/10/2046
शनि	13/03/2042	बुध	19/11/2044	शुक्र	16/03/2047
बुध	07/08/2042	केतु	12/01/2045	सूर्य	29/04/2047
केतु	07/10/2042	शुक्र	15/06/2045	चंद्र	11/07/2047
शुक्र	30/03/2043	सूर्य	01/08/2045	मंगल	01/09/2047
सूर्य	21/05/2043	चंद्र	17/10/2045	राहु	11/01/2048
चंद्र	15/08/2043	मंगल	10/12/2045	गुरु	07/05/2048
मंगल	15/10/2043	राहु	27/04/2046	शनि	23/09/2048

शनि - सूर्य		शनि - चंद्र		शनि - मंगल	
22/07/2045		04/07/2046		03/02/2048	
04/07/2046		03/02/2048		13/03/2049	
सूर्य	09/08/2045	चंद्र	22/08/2046	मंगल	26/02/2048
चंद्र	07/09/2045	मंगल	24/09/2046	राहु	27/04/2048
मंगल	27/09/2045	राहु	20/12/2046	गुरु	20/06/2048
राहु	18/11/2045	गुरु	07/03/2047	शनि	23/08/2048
गुरु	03/01/2046	शनि	07/06/2047	बुध	19/10/2048
शनि	27/02/2046	बुध	28/08/2047	केतु	12/11/2048
बुध	17/04/2046	केतु	30/09/2047	शुक्र	19/01/2049
केतु	08/05/2046	शुक्र	05/01/2048	सूर्य	08/02/2049
शुक्र	04/07/2046	सूर्य	03/02/2048	चंद्र	13/03/2049

बुध - केतु		बुध - शुक्र		बुध - सूर्य	
23/09/2048		20/09/2049		21/07/2052	
20/09/2049		21/07/2052		28/05/2053	
केतु	14/10/2048	शुक्र	12/03/2050	सूर्य	06/08/2052
शुक्र	14/12/2048	सूर्य	03/05/2050	चंद्र	01/09/2052
सूर्य	01/01/2049	चंद्र	28/07/2050	मंगल	19/09/2052
चंद्र	31/01/2049	मंगल	26/09/2050	राहु	04/11/2052
मंगल	21/02/2049	राहु	28/02/2051	गुरु	16/12/2052
राहु	16/04/2049	गुरु	16/07/2051	शनि	03/02/2053
गुरु	04/06/2049	शनि	27/12/2051	बुध	19/03/2053
शनि	31/07/2049	बुध	22/05/2052	केतु	06/04/2053
बुध	20/09/2049	केतु	21/07/2052	शुक्र	28/05/2053

शनि - राहु		शनि - गुरु		बुध - बुध	
13/03/2049		18/01/2052		01/08/2054	
18/01/2052		01/08/2054		27/12/2056	
राहु	17/08/2049	गुरु	21/05/2052	बुध	03/12/2054
गुरु	02/01/2050	शनि	14/10/2052	केतु	24/01/2055
शनि	16/06/2050	बुध	22/02/2053	शुक्र	19/06/2055
बुध	11/11/2050	केतु	17/04/2053	सूर्य	02/08/2055
केतु	10/01/2051	शुक्र	19/09/2053	चंद्र	15/10/2055
शुक्र	03/07/2051	सूर्य	04/11/2053	मंगल	05/12/2055
सूर्य	24/08/2051	चंद्र	20/01/2054	राहु	15/04/2056
चंद्र	19/11/2051	मंगल	15/03/2054	गुरु	10/08/2056
मंगल	18/01/2052	राहु	01/08/2054	शनि	27/12/2056

बुध - चंद्र		बुध - मंगल		बुध - राहु	
28/05/2053		27/10/2054		24/10/2055	
27/10/2054		24/10/2055		13/05/2058	
चंद्र	10/07/2053	मंगल	17/11/2054	राहु	12/03/2056
मंगल	09/08/2053	राहु	11/01/2055	गुरु	14/07/2056
राहु	26/10/2053	गुरु	28/02/2055	शनि	09/12/2056
गुरु	03/01/2054	शनि	26/04/2055	बुध	20/04/2057
शनि	26/03/2054	बुध	17/06/2055	केतु	13/06/2057
बुध	07/06/2054	केतु	08/07/2055	शुक्र	15/11/2057
केतु	07/07/2054	शुक्र	06/09/2055	सूर्य	01/01/2058
शुक्र	01/10/2054	सूर्य	24/09/2055	चंद्र	19/03/2058
सूर्य	27/10/2054	चंद्र	24/10/2055	मंगल	13/05/2058

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

योगिनी दशा

संकटा 2 वर्ष 11 मास 12 दिन

संकटा 8 वर्ष		मंगला 1 वर्ष		पिंगला 2 वर्ष	
01/01/1999		13/12/2001		13/12/2002	
13/12/2001		13/12/2002		13/12/2004	
	00/00/0000	मंग	23/12/2001	पिंग	23/01/2003
	00/00/0000	पिंग	13/01/2002	धांय	25/03/2003
	00/00/0000	धांय	12/02/2002	भ्राम	14/06/2003
	00/00/0000	भ्राम	25/03/2002	भद्रि	24/09/2003
	01/01/1999	भद्रि	14/05/2002	उल्क	23/01/2004
भद्रि	23/01/1999	उल्क	14/07/2002	सिद्ध	13/06/2004
उल्क	24/05/2000	सिद्ध	23/09/2002	संक	23/11/2004
सिद्ध	13/12/2001	संक	13/12/2002	मंग	13/12/2004

धान्या 3 वर्ष		भ्रामरी 4 वर्ष		भद्रिका 5 वर्ष	
13/12/2004		14/12/2007		14/12/2011	
14/12/2007		14/12/2011		13/12/2016	
धांय	14/03/2005	भ्राम	24/05/2008	भद्रि	23/08/2012
भ्राम	14/07/2005	भद्रि	13/12/2008	उल्क	24/06/2013
भद्रि	13/12/2005	उल्क	13/08/2009	सिद्ध	14/06/2014
उल्क	14/06/2006	सिद्ध	25/05/2010	संक	25/07/2015
सिद्ध	13/01/2007	संक	14/04/2011	मंग	13/09/2015
संक	13/09/2007	मंग	25/05/2011	पिंग	24/12/2015
मंग	14/10/2007	पिंग	14/08/2011	धांय	24/05/2016
पिंग	14/12/2007	धांय	14/12/2011	भ्राम	13/12/2016

उल्का 6 वर्ष		सिद्धा 7 वर्ष		संकटा 8 वर्ष	
13/12/2016		13/12/2022		13/12/2029	
13/12/2022		13/12/2029		13/12/2037	
उल्क	13/12/2017	सिद्ध	24/04/2024	संक	24/09/2031
सिद्ध	12/02/2019	संक	13/11/2025	मंग	14/12/2031
संक	13/06/2020	मंग	23/01/2026	पिंग	24/05/2032
मंग	13/08/2020	पिंग	14/06/2026	धांय	23/01/2033
पिंग	13/12/2020	धांय	13/01/2027	भ्राम	13/12/2033
धांय	14/06/2021	भ्राम	24/10/2027	भद्रि	23/01/2035
भ्राम	12/02/2022	भद्रि	13/10/2028	उल्क	24/05/2036
भद्रि	13/12/2022	उल्क	13/12/2029	सिद्ध	13/12/2037

पिंगला 0 वर्ष 11 मास 11 दिन

पिंगला 2 वर्ष		धान्या 3 वर्ष		भ्रामरी 4 वर्ष	
01/01/1990		13/12/1990		13/12/1993	
13/12/1990		13/12/1993		13/12/1997	
	00/00/0000	धांय	14/03/1991	भ्राम	24/05/1994
	00/00/0000	भ्राम	14/07/1991	भद्रि	13/12/1994
	00/00/0000	भद्रि	13/12/1991	उल्क	14/08/1995
	01/01/1990	उल्क	13/06/1992	सिद्ध	24/05/1996
उल्क	22/01/1990	सिद्ध	12/01/1993	संक	13/04/1997
सिद्ध	13/06/1990	संक	12/09/1993	मंग	24/05/1997
संक	23/11/1990	मंग	13/10/1993	पिंग	13/08/1997
मंग	13/12/1990	पिंग	13/12/1993	धांय	13/12/1997

भद्रिका 5 वर्ष		उल्का 6 वर्ष		सिद्धा 7 वर्ष	
13/12/1997		13/12/2002		13/12/2008	
13/12/2002		13/12/2008		13/12/2015	
भद्रि	23/08/1998	उल्क	13/12/2003	सिद्ध	24/04/2010
उल्क	24/06/1999	सिद्ध	11/02/2005	संक	13/11/2011
सिद्ध	13/06/2000	संक	13/06/2006	मंग	23/01/2012
संक	24/07/2001	मंग	13/08/2006	पिंग	13/06/2012
मंग	12/09/2001	पिंग	13/12/2006	धांय	12/01/2013
पिंग	23/12/2001	धांय	14/06/2007	भ्राम	23/10/2013
धांय	24/05/2002	भ्राम	12/02/2008	भद्रि	13/10/2014
भ्राम	13/12/2002	भद्रि	13/12/2008	उल्क	13/12/2015

संकटा 8 वर्ष		मंगला 1 वर्ष		पिंगला 2 वर्ष	
13/12/2015		13/12/2023		13/12/2024	
13/12/2023		13/12/2024		13/12/2026	
संक	23/09/2017	मंग	23/12/2023	पिंग	22/01/2025
मंग	13/12/2017	पिंग	13/01/2024	धांय	24/03/2025
पिंग	24/05/2018	धांय	12/02/2024	भ्राम	13/06/2025
धांय	23/01/2019	भ्राम	24/03/2024	भद्रि	23/09/2025
भ्राम	13/12/2019	भद्रि	13/05/2024	उल्क	22/01/2026
भद्रि	22/01/2021	उल्क	13/07/2024	सिद्ध	13/06/2026
उल्क	24/05/2022	सिद्ध	22/09/2024	संक	23/11/2026
सिद्ध	13/12/2023	संक	13/12/2024	मंग	13/12/2026

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

योगिनी दशा

संकटा 2 वर्ष 11 मास 12 दिन

मंगला 1 वर्ष		पिंगला 2 वर्ष		धान्या 3 वर्ष	
13/12/2037		13/12/2038		13/12/2040	
13/12/2038		13/12/2040		14/12/2043	
मंग	23/12/2037	पिंग	23/01/2039	धांय	14/03/2041
पिंग	13/01/2038	धांय	25/03/2039	भ्राम	14/07/2041
धांय	12/02/2038	भ्राम	14/06/2039	भद्रि	13/12/2041
भ्राम	25/03/2038	भद्रि	24/09/2039	उल्क	14/06/2042
भद्रि	14/05/2038	उल्क	23/01/2040	सिद्ध	13/01/2043
उल्क	14/07/2038	सिद्ध	13/06/2040	संक	13/09/2043
सिद्ध	23/09/2038	संक	23/11/2040	मंग	14/10/2043
संक	13/12/2038	मंग	13/12/2040	पिंग	14/12/2043

भ्रामरी 4 वर्ष		भद्रिका 5 वर्ष		उल्का 6 वर्ष	
14/12/2043		14/12/2047		13/12/2052	
14/12/2047		13/12/2052		13/12/2058	
भ्राम	24/05/2044	भद्रि	23/08/2048	उल्क	13/12/2053
भद्रि	13/12/2044	उल्क	24/06/2049	सिद्ध	12/02/2055
उल्क	13/08/2045	सिद्ध	14/06/2050	संक	13/06/2056
सिद्ध	25/05/2046	संक	25/07/2051	मंग	13/08/2056
संक	14/04/2047	मंग	13/09/2051	पिंग	13/12/2056
मंग	25/05/2047	पिंग	24/12/2051	धांय	14/06/2057
पिंग	14/08/2047	धांय	24/05/2052	भ्राम	12/02/2058
धांय	14/12/2047	भ्राम	13/12/2052	भद्रि	13/12/2058

सिद्धा 7 वर्ष		संकटा 8 वर्ष		मंगला 1 वर्ष	
13/12/2058		13/12/2065		13/12/2073	
13/12/2065		13/12/2073		13/12/2074	
सिद्ध	24/04/2060	संक	24/09/2067	मंग	23/12/2073
संक	13/11/2061	मंग	14/12/2067	पिंग	13/01/2074
मंग	23/01/2062	पिंग	24/05/2068	धांय	12/02/2074
पिंग	14/06/2062	धांय	23/01/2069	भ्राम	25/03/2074
धांय	13/01/2063	भ्राम	13/12/2069	भद्रि	14/05/2074
भ्राम	24/10/2063	भद्रि	23/01/2071	उल्क	14/07/2074
भद्रि	13/10/2064	उल्क	24/05/2072	सिद्ध	23/09/2074
उल्क	13/12/2065	सिद्ध	13/12/2073	संक	13/12/2074

पिंगला 0 वर्ष 11 मास 11 दिन

धान्या 3 वर्ष		भ्रामरी 4 वर्ष		भद्रिका 5 वर्ष	
13/12/2026		13/12/2029		13/12/2033	
13/12/2029		13/12/2033		13/12/2038	
धांय	14/03/2027	भ्राम	24/05/2030	भद्रि	23/08/2034
भ्राम	14/07/2027	भद्रि	13/12/2030	उल्क	24/06/2035
भद्रि	13/12/2027	उल्क	14/08/2031	सिद्ध	13/06/2036
उल्क	13/06/2028	सिद्ध	24/05/2032	संक	24/07/2037
सिद्ध	12/01/2029	संक	13/04/2033	मंग	12/09/2037
संक	12/09/2029	मंग	24/05/2033	पिंग	23/12/2037
मंग	13/10/2029	पिंग	13/08/2033	धांय	24/05/2038
पिंग	13/12/2029	धांय	13/12/2033	भ्राम	13/12/2038

उल्का 6 वर्ष		सिद्धा 7 वर्ष		संकटा 8 वर्ष	
13/12/2038		13/12/2044		13/12/2051	
13/12/2044		13/12/2051		13/12/2059	
उल्क	13/12/2039	सिद्ध	24/04/2046	संक	23/09/2053
सिद्ध	11/02/2041	संक	13/11/2047	मंग	13/12/2053
संक	13/06/2042	मंग	23/01/2048	पिंग	24/05/2054
मंग	13/08/2042	पिंग	13/06/2048	धांय	23/01/2055
पिंग	13/12/2042	धांय	12/01/2049	भ्राम	13/12/2055
धांय	14/06/2043	भ्राम	23/10/2049	भद्रि	22/01/2057
भ्राम	12/02/2044	भद्रि	13/10/2050	उल्क	24/05/2058
भद्रि	13/12/2044	उल्क	13/12/2051	सिद्ध	13/12/2059

मंगला 1 वर्ष		पिंगला 2 वर्ष		धान्या 3 वर्ष	
13/12/2059		13/12/2060		13/12/2062	
13/12/2060		13/12/2062		13/12/2065	
मंग	23/12/2059	पिंग	22/01/2061	धांय	14/03/2063
पिंग	13/01/2060	धांय	24/03/2061	भ्राम	14/07/2063
धांय	12/02/2060	भ्राम	13/06/2061	भद्रि	13/12/2063
भ्राम	24/03/2060	भद्रि	23/09/2061	उल्क	13/06/2064
भद्रि	13/05/2060	उल्क	22/01/2062	सिद्ध	12/01/2065
उल्क	13/07/2060	सिद्ध	13/06/2062	संक	12/09/2065
सिद्ध	22/09/2060	संक	23/11/2062	मंग	13/10/2065
संक	13/12/2060	मंग	13/12/2062	पिंग	13/12/2065

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

शुभाशुभ ज्ञानम्

शुभाशुभज्ञान आपको अपने मित्र एवं शत्रु वर्ग का बोध कराता है। मूलांक, भाग्यांक एवं मित्रांको से मित्रता एवं साझेदारी करने से लाभ तथा सहयोग की प्राप्ति होती है। साथ ही शुभ दिन एवं वर्ष उन्नति कारक तथा शुभ ग्रहों की दशाएं लाभदायक होती हैं। इसी प्रकार मित्रलग्न लाभदायक एवं मित्र राशि से घनिष्ठता होती है।

शुभरत्न धातु एवं रंग धारण करने से शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थता बनी रहती है तथा भाग्य रत्न धारण करने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। शुभ समय में कोई भी कार्य प्रारम्भ करने से उसमें इच्छित सफलता की प्राप्ति होती है। साथ ही इष्टदेव का ध्यान एवं जप से मानसिक शान्ति तथा सफलता मिलती है। शुभ पदार्थ अन्न, द्रव्य आदि का दान या व्यापार शुभ दिशा में करने से वांछित लाभ प्राप्त होता है। इस प्रकार शुभाशुभज्ञान का दैनिक जीवन में प्रयोग शुभफलदायक सिद्ध हो सकता है।

1	मूलांक	1
3	भाग्यांक	3
1, 4, 8, 9, 3	मित्र अंक	1, 4, 8, 9, 3
5, 6	शत्रु अंक	5, 6
19,28,37,46,55	शुभ वर्ष	19,28,37,46,55
बुध, शुक्र	शुभ दिन	बुध, शुक्र
बुध, शुक्र	शुभ ग्रह	बुध, शुक्र
कन्या, कुम्भ	मित्र राशि	वृष, तुला
धनु, वृष, कर्क	मित्र लग्न	धनु, वृष, कर्क
गणेश	अनुकूल देवता	कुबेर
पन्ना	शुभ रत्न	पन्ना
संगपन्ना, मरगज	शुभ उपरत्न	संगपन्ना, मरगज
हीरा	भाग्य रत्न	हीरा
कांसा	शुभ धातु	कांसा
हरित	शुभ रंग	हरित
उत्तर	शुभ दिशा	उत्तर
सूर्योदय के बाद	शुभ समय	सूर्योदय के बाद
हाथी दाँत, कपूर, फल	दान पदार्थ	हाथी दाँत, कपूर, फल
मूँग	दान अन्न	मूँग
घी	दान द्रव्य	घी

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

रत्न चयन

किसी भी कुंडली में दशानुसार ग्रह का उपाय एवं रत्न धारण करने से शुभत्व में वृद्धि होती है। वैज्ञानिक रूप से विशिष्ट ग्रह का मंत्रोच्चारण करने से उस ग्रह की रश्मियों की मानव शरीर के चारों ओर सुरक्षा श्रृंखला बन जाती है एवं रत्न रश्मियों को सोखकर मानव शरीर में प्रवाहित कर शुभत्व में वृद्धि करता है। अतः रत्न का बेदाग होना एवं शरीर से स्पर्श करना अत्यंत आवश्यक माना गया है।

सामान्यतया उपाय ग्रह दशा के फल की वृद्धि के लिए महादशा स्वामी का किया जाता है। उपाय में मंत्रोच्चारण, दान एवं व्रत ही प्रमुख हैं। रत्न निर्बल परंतु लग्नेश, भाग्येश या योगकारक ग्रहों का पहना जाता है। आपको कब कौन सा उपाय या रत्न धारण करना चाहिए नीचे तालिका में उसके कार्यसिद्धि क्षेत्र सहित दिया गया है। महादशाओं में रत्नों के तीन–तीन विकल्प दिए गए हैं। आपको कोई भी विकल्प उसकी कार्यसिद्धि क्षेत्र एवं क्षमता देखकर अपनी आवश्यकतानुसार पहन सकते हैं तथा अतिरिक्त उपाय भी अपनी क्षमतानुसार कर सकते हैं।

Duastro Male

जीवन रत्नः	पन्ना	पराक्रम, व्यावसायिक उन्नति, स्वास्थ्य
भाग्य रत्नः	हीरा	सन्तति सुख, भाग्योदय, धन
कारक रत्नः	नीलम	दुर्घटना से बचाव, सन्तति सुख, शत्रु व रोग मुक्ति

Duastro Female

जीवन रत्नः	पन्ना	सन्तति सुख, व्यावसायिक उन्नति, स्वास्थ्य
भाग्य रत्नः	हीरा	सन्तति सुख, भाग्योदय, धन
कारक रत्नः	नीलम	सुख, सन्तति सुख, शत्रु व रोग मुक्ति
शुभ उपरत्नः	गोमेद	सन्तति सुख, सुख

रत्न	ग्रह	रत्ती	धातु	अंगुली	दिन	समय	नक्षत्र
माणिक्य	सूर्य	4	सोना	अना	रविवार	सुबह	कृतिका, उ०फाल्गुनी, उत्तराषाढ़ा
मोती	चन्द्र	4	चांदी	कनि	सोमवार	सुबह	रोहिणी, हस्त, श्रवण
मूंगा	मंगल	6	चांदी	अना	मंगलवार	सुबह	मृगशिरा, चित्रा, धनिष्ठा
पन्ना	बुध	4	सोना	कनि	बुधवार	सुबह	आश्लेषा, ज्येष्ठा, रेवती
पुखराज	गुरु	4	सोना	तर्जन	गुरुवार	सुबह	पुनर्वसु, विशाखा, पू०भाद्रपद
हीरा	शुक्र	1	प्लेटि	कनि	शुक्रवार	सुबह	भरणी, पू०फाल्गुनी, पूर्वाषाढ़ा
नीलम	शनि	4	पंचधातु	मध्य	शनिवार	शाम	पुष्य, अनुराधा, उ०भाद्रपद
गोमेद	राहु	5	अष्टधातु	मध्य	शनिवार	रात्रि	आर्द्रा, स्वाति, शतभिषा
लहसुनिया	केतु	6	चांदी	अना	गुरुवार	रात्रि	अश्विनी, मघा, मूल

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE
www.duastro.com || info@duastro.com || +91-9667311033

साढ़ेसाती विचार

चंद्रमा से जन्म कुंडली में जब गोचरवश शनि की स्थिति द्वादश, प्रथम एवं द्वितीय स्थान में होती है तो साढ़ेसाती कहलाती है। शनि की चंद्रमा से चतुर्थ एवं अष्टम भाव में स्थिति होने पर ढैया शारीरिक, मानसिक या आर्थिक कष्ट देता है । लेकिन कई बार यह आश्चर्यजनक उन्नति भी प्रदान करती है । साढ़ेसाती का प्रभाव सात वर्ष एवं ढैया का प्रभाव ढाई वर्ष रहता है ।

सामान्यतया साढ़ेसाती मनुष्य के जीवन में तीन बार आती है । प्रथम बचपन में द्वितीय युवावस्था में तथा तृतीय वृद्धावस्था में आती है । प्रथम साढ़ेसाती का प्रभाव शिक्षा एवं माता–पिता पर पङता है । द्वितीय साढ़ेसाती का प्रभाव कार्यक्षेत्र, आर्थिक स्थिति एवं परिवार पर पङता है परंतु तृतीय साढ़ेसाती स्वास्थ्य पर अधिक प्रभाव करती है ।

निम्नलिखित तालिका में साढ़ेसाती का समय तथा प्रत्येक ढैया का शुभाशुभ फल इंगित किया गया है ।

प्रथम चक्रः

साढेसाती प्रथम ढैया	04/06/2000-22/07/2002
साढेसाती द्वितीय ढैया	22/07/2002-05/09/2004
साढेसाती तृतीय ढैया	05/09/2004-01/11/2006
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	09/09/2009-14/11/2011
अष्टम स्थानस्थ ढैया	17/01/2020-21/07/2022

द्वितीय चक्रः

साढेसाती प्रथम ढैया	11/04/2030-24/05/2032
साढेसाती द्वितीय ढैया	24/05/2032-06/07/2034
साढेसाती तृतीय ढैया	06/07/2034-20/08/2036
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	28/06/2039-06/03/2041
अष्टम स्थानस्थ ढैया	19/07/2049-17/02/2052

तृतीय चक्रः

साढेसाती प्रथम ढैया	22/05/2059-04/07/2061
साढेसाती द्वितीय ढैया	04/07/2061-14/02/2064
साढेसाती तृतीय ढैया	14/02/2064-03/10/2065
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	20/08/2068-25/10/2070
अष्टम स्थानस्थ ढैया	03/01/2079-17/08/2081

शनि का ढैया फल

ढैया के प्रकार	फल	क्षेत्र
साढेसाती प्रथम ढैया	शुभ	भाग्योदय
साढेसाती द्वितीय ढैया	सम	व्यावसाय
साढेसाती तृतीय ढैया	अशुभ	अल्प बचत
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	सम	स्वास्थ्य
अष्टम स्थानस्थ ढैया	शुभ	सन्तति सुख

प्रथम चक्रः

साढेसाती प्रथम ढैया	20/03/1990-06/03/1993
साढेसाती द्वितीय ढैया	06/03/1993-10/08/1995
साढेसाती तृतीय ढैया	10/08/1995-16/04/1998
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	05/06/2000-22/07/2002
अष्टम स्थानस्थ ढैया	09/09/2009-15/11/2011

द्वितीय चक्रः

साढेसाती प्रथम ढैया	18/01/2020-21/07/2022
साढेसाती द्वितीय ढैया	21/07/2022-24/03/2025
साढेसाती तृतीय ढैया	24/03/2025-26/10/2027
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	11/04/2030-25/05/2032
अष्टम स्थानस्थ ढैया	29/06/2039-06/03/2041

तृतीय चक्रः

साढेसाती प्रथम ढैया	20/07/2049-17/02/2052
साढेसाती द्वितीय ढैया	17/02/2052-09/09/2054
साढेसाती तृतीय ढैया	09/09/2054-01/04/2057
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	22/05/2059-05/07/2061
अष्टम स्थानस्थ ढैया	21/08/2068-25/10/2070

शनि का ढैया फल

ढैया के प्रकार	फल	क्षेत्र
साढेसाती प्रथम ढैया	शुभ	सन्तति सुख
साढेसाती द्वितीय ढैया	शुभ	शत्रु व रोग मुक्ति
साढेसाती तृतीय ढैया	सम	दम्पति
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	शुभ	भाग्योदय
अष्टम स्थानस्थ ढैया	सम	स्वास्थ्य

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

कालसर्प योग

अग्रे राहुरधः केतुः सर्वे मध्यगताः ग्रहाः।
योगाऽयं कालसर्पाख्यो शीघ्रं तं तु विनाशय।।

आगे राहु हो एवं नीचे केतु मध्य में सभी (सातों) ग्रह विद्यमान हो तो कालसर्प योग बनता है। अतः इस योग से ग्रसित जातकों के लिए आवश्यक है कि वे इस काल सर्प योग का निदान करा लें। जिससे कि कुंडली के शुभ योगों के फल पूर्णयता मिलते रहें।

द्वादाश भावों में राहु की स्थिति के अनुसार काल सर्प योग मुख्यतः द्वादश प्रकार के होते हैं। वे हैं–

1. अनंत, 2. कुलिक, 3. वासुकि, 4 शङ्खपाल, 5. पद्म, 6. महापद्म, 7. तक्षक, 8. कर्कोटक, 9. शङ्खचूड, 10. घातक, 11. विषधर, 12. शेषनाग।

यह योग उदित अनुदित भेद से दो प्रकार के होते हैं राहु के मुख में सभी सातों ग्रह ग्रसित हो जाएं तो उदित गोलार्द्ध नामक योग बनता है एवं राहु की पृष्ठ में यदि सभी ग्रह हों तो अनुदितन गोलार्द्ध नामक योग बनता है।

यदि लग्न कुंडली में सभी सातों ग्रह राहु से केतु के मध्य में हो लेकिन अंशानुसार कुछ ग्रह राहु केतु की धुरी से बाहर हों तो आंशिक काल सर्प योग कहलाता है। यदि कोई एक ग्रह राहु–केतु की धुरी से बाहर हो तो भी आंशिक काल सर्प योग बनता है।

यदि राहु से केतु तक सभी भावों में कोई न कोई ग्रह स्थित हो तो यह योग पूर्ण रूप से फलित होता है। यदि राहु–केतु के साथ सूर्य या चंद्र हो तो यह योग अधिक प्रभावशाली होता है। यदि राहु, सूर्य व चंद्र तीनों एक साथ हो तो ग्रहणकाल सर्प योग बनता है। इसका फल हजार गुना अधिक हो जाता है। ऐसे जातक को काल सर्प योग की शांति करवाना अति आवश्यक होता है।

काल सर्प योग का प्रभाव

इस योग में उत्पन्न जातक को मानसिक अशांति, धनप्राप्ति में बाधा, संतान अवरोध एवं गृहस्थी में प्रतिपल कलह के रूप में प्रकट होता है। प्रायः जातक को बुरे स्वप्न आते हैं । कुछ न कुछ अशुभ होने की आशंका मन में बनी रहती है। जातक को अपनी क्षमता एवं कार्यकुशलता का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है, कार्य अक्सर देर से सफल होते हैं। अचानक नुकसान एवं प्रतिष्ठा की क्षति इस योग के लक्षण हैं।

जातक के शरीर में वात पित्त त्रिदोषजन्य असाध्य रोग अकारण उत्पन्न होते है। ऐसे रोग जो प्रतिदिन क्लेश (पीडा) देते हैं तथा औषधि लेने पर भी ठीक नहीं होते हों, काल सर्प योग के कारण होते हैं।

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE
www.duastro.com || info@duastro.com || +91-9667311033

काल सर्प योग के औपचारिक उपाय के द्वारा इन कष्टों से राहत एवं छुटकारा प्राप्त किया जा सकता है। जन्मपत्रिका के अनुसार जब–जब राहु एवं केतु की महादशा, अंतर्दशा आदि आती है तब तब यह योग असर दिखाता है। गोचर में राहु व केतु का जन्मकालिक राहु–केतु व चंद्र पर भ्रमण भी इस योग को सक्रिय कर देता है। उस समय विशेष ध्यान देकर पूजा अर्चनादि श्रद्धा विश्वास के साथ करें, अवश्य लाभ होगा। कालसर्प योग यंत्र के सम्मुख 43 दिन तक सरसों के तेल का दीया जलाने से भी इन कष्टों से राहत एवं छुटकारा प्राप्त किया जा सकता है।

जातक पर काल सर्प योग का प्रभाव

Duastro Male

आपकी जन्मपत्रिका में काल सर्प योग विद्यमान नहीं है। अतः आपको इस योग के लिए शांति आदि की आवश्यकता नहीं है एवं आप पूर्ण रूप से सुखी जीवन व्यतीत कर सकेंगे।

Duastro Female

आपकी जन्मपत्रिका में काल सर्प योग विद्यमान नहीं है। अतः आपको इस योग के लिए शांति आदि की आवश्यकता नहीं है एवं आप पूर्ण रूप से सुखी जीवन व्यतीत कर सकेंगे।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	––	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	––	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	––	भाग्य
योनि	सर्प	सिंह	4	2.00	––	यौन विचार
मैत्री	बुध	शनि	5	4.00	––	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	––	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	कुम्भ	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य / संतान
कुल :			**36**	**13.00**		

कुल : 13 / 36

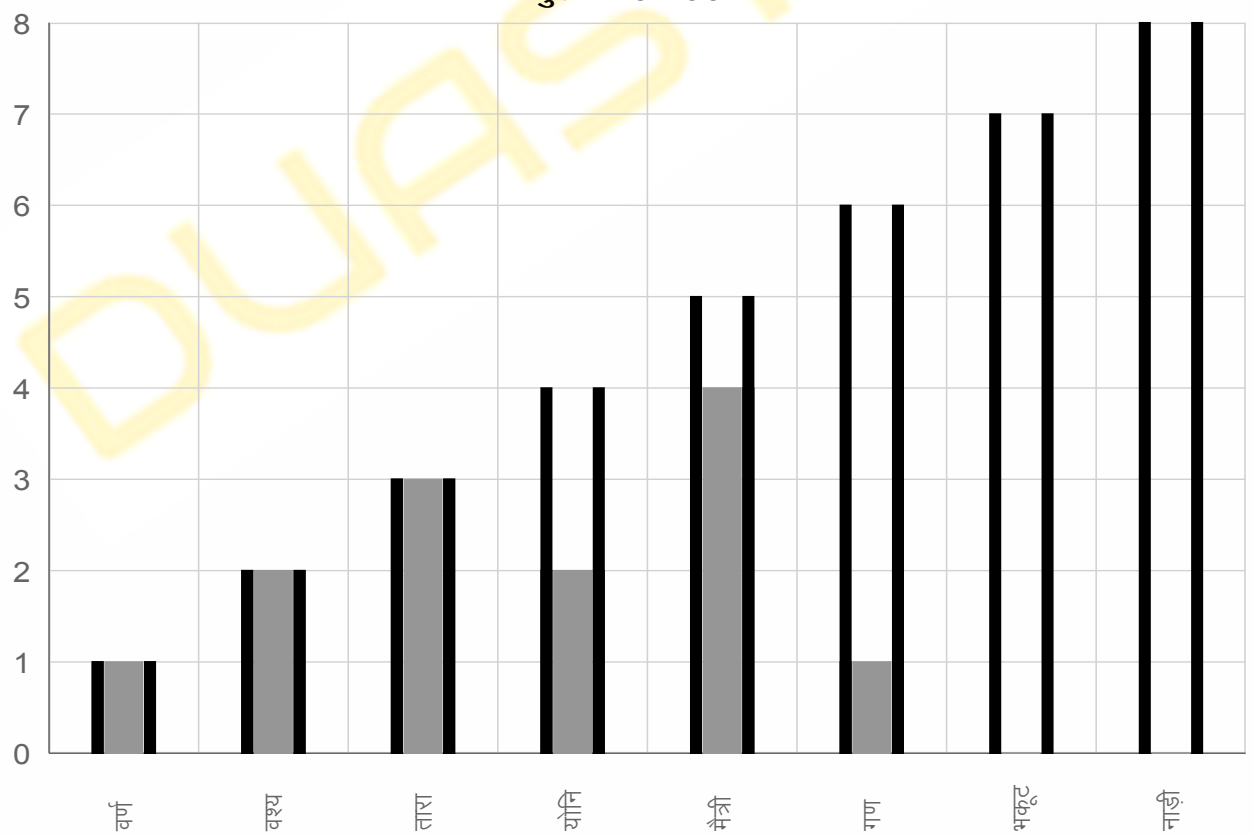

www.duastro.com || info@duastro.com || +91-9667311033
ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न–2 है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Duastro Male का नक्षत्र मृगशिरा है।

Duastro Male का वर्ग मार्जार है तथा Duastro Female का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Duastro Male और Duastro Female का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Duastro Male मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

Duastro Female मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Duastro Female कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Duastro Male तथा Duastro Female में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA
www.duastro.com || info@duastro.com || +91-9667311033

मेलापक फलित

स्वभाव

Duastro Male की जन्मराशि वायुतत्व युक्त मिथुन तथा Duastro Female की राशि भी वायुतत्व युक्त कुम्भ राशि है। नैसर्गिक रूप से वायुतत्व की समानता के कारण Duastro Male और Duastro Female के परस्पर संबंधों में मित्रता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति आकर्षण एवं लगाव के कारण मित्रतापूर्वक जीवन व्यतीत करेंगे। अतः मिलान अच्छा रहेगा।

Duastro Male की राशि का स्वामी बुध तथा Duastro Female की राशि का स्वामी शनि है जो एक दूसरे से मित्र तथा समभाव में पड़ते है। अतः इसके प्रभाव से Duastro Male और Duastro Female सामंजस्य स्थापित करने में समर्थ होंगे तथा एक दूसरे को जीवन की सुख शान्ति की अभिवृद्धि में सदैव सहयोग प्रदान करेंगे। साथ ही एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा तथा कमियों की उपेक्षा करके परस्पर प्रसन्नतापूर्वक जीवन व्यतीत करेंगे।

Duastro Male और Duastro Female की जन्मराशियां परस्पर पंचम तथा नवम भाव में पड़ती हैं। अतः यह एक भकूट दोष है। इसके प्रभाव से Duastro Male और Duastro Female की मानसिकता तथा अन्य सांसारिक कार्य कलापों के प्रति मतभेद रहेंगे तथा परस्पर अहंकार का भाव भी विद्यमान रहेगा। ऐसे समय में दाम्पत्य संबंधो में तनाव एवं कटुता का भाव उत्पन होने की प्रबल संभावना रहेगी साथ ही दोनों की मित्रता का विस्मत क्षेत्र होने के कारण परस्पर शंकाएं उत्पन करके संबंधो में न्यूनता करेंगे। अतः बुद्धिमतापूर्वक आपसी समस्याओं का समाधान करना चाहिए।

Duastro Male और Duastro Female दोनो का वश्य मानव है। अतः इनकी परस्पर शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं समान होंगी तथा कामभावनाओं में भी एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रखने में समर्थ रहेंगे जिससे दाम्पत्य जीवन के सुख में वृद्धि होगी।

Duastro Male और Duastro Female दोनों का वश्य शूद्र है। अतः दोनों की प्रवृति किसी भी कार्य को इमानदारी एवं परिश्रम से करने की रहेगी तथा किसी भी कार्यक्षेत्र में चुनाव की अभिलाषा नहीं होगी। अतः कर्त्तव्यपरायणता एवं परिश्रम के कारण उन्नति के मार्ग प्रशस्त रहेंगे।

धन

Duastro Male और Duastro Female का जन्म एक ही तारा 'जनम' में हुआ है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे। साथ ही भकूट एवं मंगल का प्रभाव भी आर्थिक स्थिति पर सामान्य ही रहेगा। अतः अपने वर्तमान स्रोतों से परिश्रम पूर्वक धनऐश्वर्य की प्राप्ति होती रहेगी जिससे

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA
www.duastro.com || info@duastro.com || +91-9667311033

लाभ मार्ग सामान्यतया प्रश्स्त होंगे तथा आर्थिक स्थिति से Duastro Male और Duastro Female सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

Duastro Male को पैतृक सम्पति तथा जायदाद की प्राप्ति होगी। अतः आजीवन वे धन धान्य से युक्त रहेंगे तथा अपनी प्रतिभा, योग्यता एवं परिश्रम से उसमें उतरोत्तर वृद्धि करने में समर्थ होंगे । इस प्रकार भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना समय आनंद पूर्वक व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

Duastro Male और Duastro Female दोनों की नाड़ी मध्य है। अतः इसके प्रभाव से इनको समय समय पर स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। इससे Duastro Male और Duastro Female दोनों को उदर संबंधी कष्ट होगा तथा लीवर से संबंधित परेशानियां भी समय समय पर होती रहेंगी। वे अपच आदि से भी असुविधा की अनुभूति करेंगे। साथ ही मंगल का दुष्प्रभाव Duastro Female के स्वास्थ्य पर रहेगा इसके प्रभाव से इनको धातु या गुप्त रोग अथवा मासिक धर्म संबधी परेशानियां रहेंगी। अतः नाड़ी दोष एवं मंगल के अशुभ प्रभाव के कारण ऐसे मिलान की उपेक्षा करनी चाहिए। तथापि उपरोक्त दुष्प्रभाव को कम करने के लिए हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करना शुभ रहेगा।

संतान

संतति के दृष्टि से Duastro Male एवं Duastro Female का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनका उचित पालन पोषण करने में समर्थ होंगे। इसके अतिरिक्त इनकी पुत्र एवं कन्या संतति संख्या भी समान होगी।

यद्यपि Duastro Female का प्रसव सामान्य विधि से सम्पन्न होगा परन्तु इसके प्रति Duastro Female के मन में कई प्रकार से भय एवं चिन्ता की भावना रहेगी जिससे वे अनावश्यक मानसिक तनाव की अनुभूति करेंगी। अतः Duastro Female को चाहिए कि ऐसे अनावश्यक भय एवं चिन्ता से मुक्त रहें तथा नियमित रूप से अपना गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण आदि करवाती रहें। इससे Duastro Female सामान्य रूप से सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा ऐसे समय में स्वयं भी स्वस्थ तथा शांति की अनुभूति करेंगी। Duastro Male और Duastro Female बच्चों से सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा वे भी अपने क्षेत्र में स्व योग्यता बुद्धिमता तथा व्यवहार कुशलता से प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे तथा अन्य सामाजिक जन भी उनसे प्रभावित तथा प्रसन्न रहेंगे माता पिता के प्रति उनके मन में समान भाव से आदर तथा आज्ञाकारिता रहेगी तथा उनकी इच्छा के विरूद्व वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Duastro Male और Duastro Female का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE
www.duastro.com || info@duastro.com || +91-9667311033

ससुराल–सुश्री

Duastro Female के अपनी सास से संबधों में अनुकूलता तथा मधुरता रहेगी तथा उनकी तरफ से Duastro Female किसी भी अनावश्यक समस्या या असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा। Duastro Female के हृदय में उनके प्रति सेवा भाव रहेगा तथा अपनी सेवा के द्वारा उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने के लिए प्रयत्नशील रहेंगी। यद्यपि यदा कदा इनके मध्य मतभेद या विवाद भी होंगे लेकिन यह अल्प समय के लिए होगा तथा सामान्यतया संबधों में मधुरता बनी रहेगी।

उनके ससुर से Duastro Female को विशेष स्नेह सम्मान तथा अनुकूलता प्राप्त नहीं होगी तथा के द्वारा Duastro Female को समय समय पर समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा लेकिन देवर एवं ननदों से Duastro Female के अत्यंत ही स्नेह एवं सौहार्द पूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे इन्हें पूर्ण सम्मान तथा सहयोग मिलेगा। साथ ही परस्पर संबधों में मित्रता का भाव रहेगा तथा आपसी समस्याओं तथा सुख दुख में एक दूसरे को अपना सहयोग प्रदान करते रहेंगे। इस प्रकार Duastro Female के सास ससुर का दृष्टिकोण सामान्यतया अनुकूल नहीं रहेगा।

ससुराल–श्री

Duastro Male के अपनी सास से संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण इनमें विचार वैभिन्यता रहेगी लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता का व्यवहार करें तो उपरोक्त मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा संबधों में वृद्धि के भी अवसर बनेंगे।

साथ ही ससुर से भी परस्पर संबधों में विवाद तथा तनाव युक्त वातावरण रहेगा जिससे न ही Duastro Male उनको यथोचित मान सम्मान प्रदान करेंगे तथा वे भी इन्हें विशेष अपनत्व तथा स्नेह का भाव अल्प ही प्रदान करेंगे। लेकिन साले एवं सालियों से संबध अच्छे रहेंगे तथा परस्पर स्नेह सहयोग तथा सहानुभूति का भाव रहेगा। इनके संबधों में मित्रता का भाव भी रहेगा जिससे परस्पर मुक्त भाव से वार्तालाप होता रहेगा। इस प्रकार ससुराल वालों का दृष्टिकोण Duastro Male के प्रति अनुकूल रहेगा तथा उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में नित्य प्रयत्नशील रहेंगे।

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE
www.duastro.com || info@duastro.com || +91-9667311033

अंक ज्योतिष फल

Duastro Male

आपका जन्म दिनांक एक होने से आपका मूलांक एक होता है। मूलांक एक के प्रभाववश आप एक स्थिर विचारधारा के व्यक्ति हेंगे। अपने निश्चय पर दृढ़ रहेंगे। जीवन में आप जब भी किसी को वचन इत्यादि देंगे उन्हें निभाने की पूर्ण कोशिश करेंगे। इच्छा शक्ति आपकी दृढ़ रहेगी एवं आप अपने मन संबंधों में, मित्रता के संबंधों में स्थायित्व रहेगा। लम्बे समय तक जो भी विचार बना लेंगे उनका पालन करने की निरंतर कोशिश करेंगे। आपके प्रेमएवं स्थायी बनें रहेंगे। यदि किसी कारणवश आपका किसी से विवाद या शत्रुता होती है तो ऐसी स्थिति में शत्रु या विवादित व्यक्ति से भी आपका मन मुटाव दीर्घकाल तक बना रहेगा।

मानसिक स्थिति आपकी स्वतंत्र विचारधारा की होने से आप पराधीन रहकर कार्य करने में असुविधा महसूस करेंगे। आप किसी के अनुशासन में कार्य करने की अपेक्षा स्वतंत्र रूप से कार्य करना अधिक पसंद करेंगे। आपकी निरंतर कोशिश एवं महत्वाकांक्षा रहेगी कि आप जो भी कार्य करें वह निष्पक्ष एवं स्वतंत्र हो, उस कार्य में किसी का भी हस्तक्षेप आपको मंजूर नहीं होगा।

मूलांक एक का स्वामी सूर्य ग्रह होने के कारण सूर्य से संबंधित गुण कमोवेश मात्रा में आपके अंदर मौजूद रहेंगे। इसके प्रभावश दूसरों का उपकार, उपचार करने की प्रवृत्ति आपके अंदर प्रचुर मात्रा में विद्यमान रहेगी। सामाजिक क्षेत्र में आप सूर्य के समान ही प्रकाशित होना पसंद करेंगे। सामाजिक संगठनों में मुखिया का पद पाने की आपकी चाहत बनी रहेगी। जोकि आप अपनी मेहनत एवं लगन से प्राप्त करेंगे।

Duastro Female

आपका जन्म दिनांक एक होने से आपका मूलांक एक होता है। मूलांक एक के प्रभाववश आप एक स्थिर विचारधारा की महिला होंगी। अपने निश्चय पर दृढ़ रहेंगी। जीवन में आप जब भी किसी को वचन इत्यादि देंगी उन्हें निभाने की पूर्ण कोशिश करेंगी। इच्छा शक्ति आपकी दृढ़ रहेगी एवं आप अपने मन में जो भी विचार बना लेंगी उनका पालन करने की निरंतर कोशिश करेंगी। आपके प्रेम संबंधों में, मित्रता के संबंधों में स्थायित्व रहेगा तथा लंम्बें समय तक आपके संबंध मधुर एवं स्थायी बनें रहेंगे। यदि किसी कारणवश आपका किसी से विवाद या शत्रुता होती है तो ऐसी स्थिति में शत्रु या विवादित व्यक्ति से भी आपका मन मुटाव दीर्घकाल तक बना रहेगा।

मानसिक स्थिति आपकी स्वतंत्र विचारधारा की होने से आप पराधीन रहकर कार्य करने में असुविधा महसूस करेंगी। आप किसी के अनुशासन में कार्य करने की अपेक्षा स्वतंत्र रूप से कार्य करना अधिक पसंद करेंगी। आपकी निरंतर कोशिश एवं महत्वाकांक्षा रहेगी कि आप जो

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA
www.duastro.com || info@duastro.com || +91-9667311033

भी कार्य करें वह निष्पक्ष एवं स्वतंत्र हो, उस कार्य में किसी का भी हस्तक्षेप बीच में आपको मंजूर नहीं होगा।

मूलांक एक का स्वामी सूर्य ग्रह होने के कारण सूर्य से संबंधित गुण कमोवेश मात्रा में आपके अंदर मौजूद रहेंगे। इसके प्रभावश दूसरों का उपकार, उपचार करने की प्रवृत्ति आपके अंदर प्रचुर मात्रा में विद्यमान रहेगी। सामाजिक क्षेत्र में आप सूर्य के समान ही प्रकाशित होना पसंद करेंगी। सामाजिक संगठनों में मुखिया का पद पाने की आपकी चाहत बनी रहेगी। जोकि आप अपनी मेहनत एवं लगन से प्राप्त करेंगी।

Duastro Male

भाग्यांक तीन का अधिष्ठाता बृहस्पति ग्रह को माना गया है। इसको गुरु भी कहते हैं। गुरु ग्रह के प्रभाववश आप धार्मिक, दानी, उदार, सच्चरित्र, ज्ञानी, विद्वान, परोपकारी, शान्त स्वभाव, सत्य पर आचरण करने वाले व्यक्ति के रूप में ख्याति प्राप्त करेंगे। अनुशासन में रहना एवं दूसरों से अनुशासन की अपेक्षा करना आपका प्रमुख गुण रहेगा। आप अपने अधिनस्थों से अधिकांश कार्य अपने बुद्धि कौशल से निकलवाने में सिद्धहस्त होंगे।

सामाजिक, राजनैतिक क्षेत्रों में आपकी रुचि रहेगी एवं आवश्यकता के समय समाज सेवा के कार्य से पीछे नहीं हटेंगे। धर्म–कर्म के कार्यों में आपकी रुचि रहेगी। गुरु धन–सम्पदा का दाता ग्रह है। अतः गुरु के प्रभाव से अपने कर्मक्षेत्र, रोजगार के क्षेत्र में अच्छी सम्पदा एकत्रित करेंगे। भूमि, वाहन, सम्पत्ति का अच्छा सुख प्राप्त करेंगे। ज्ञान–विज्ञान के क्षेत्र में रुचि लेंगे और ऐसा कार्य करना पसन्द करेंगे जिनमें आपके अनुभव, ज्ञान का भरपूर उपयोग होता है। और आपको पूर्ण सम्मान, यश धन इत्यादि मिले।

Duastro Female

भाग्यांक तीन का अधिष्ठाता बृहस्पति ग्रह को माना गया है। इसको गुरु भी कहते हैं। गुरु ग्रह के प्रभाववश आप धार्मिक, दानी, उदार, सच्चरित्र, ज्ञानी, विद्वान, परोपकारी, शान्त स्वभाव, सत्य पर आचरण करने वाली महिला के रूप में ख्याति प्राप्त करेंगी। अनुशासन में रहना एवं दूसरों से अनुशासन की अपेक्षा करना आपका प्रमुख गुण रहेगा। आप अपने अधिनस्थों से अधिकांश कार्य अपने बुद्धि कौशल से निकलवाने में सिद्धहस्त होंगी।

सामाजिक, राजनैतिक क्षेत्रों में आपकी रुचि रहेगी एवं आवश्यकता के समय समाज सेवा के कार्य से पीछे नहीं हटेंगी। धर्म–कर्म के कार्यों में आपकी रुचि रहेगी। गुरु धन–सम्पदा का दाता ग्रह है। अतः गुरु के प्रभाव से अपने कर्मक्षेत्र, रोजगार के क्षेत्र में अच्छी सम्पदा एकत्रित करेंगी। भूमि, वाहन, सम्पत्ति का अच्छा सुख प्राप्त करेंगी। ज्ञान–विज्ञान के क्षेत्र में रुचि लेंगी और ऐसा कार्य करना पसन्द करेंगी जिनमें आपके अनुभव, ज्ञान का भरपूर उपयोग होता रहे और आपको पूर्ण सम्मान, यश धन इत्यादि मिले।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA
www.duastro.com || info@duastro.com || +91-9667311033

लग्न फल

Duastro Male

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्नोदय काल सिंह नवमांश एवं वृषम द्रेष्काण में हुआ था। इस जन्म लग्नराशयादिक संयोजनों से ऐसा प्रतीत होता है कि आप स्वाभाविक रूप से आनन्दप्रद जीवन व्यतीत करने के लिए सदैव अग्रसर रहेंगे। मुख्यतः आपकी आयु 33 वर्ष से 38 वर्ष के मध्य आपका भाग्योदय होगा तथा आप सुख–संसाधन युक्त होकर जीवन की पराकाष्ठा पर पहुँच जाएंगे।

आप प्रसन्नता पूर्वक द्विगुणित, आनन्द पूर्ण जीवन व्यतीत करेंगे। आप अपनी पत्नी के साथ अति आन्नदातिरेक होकर सुखमय समय व्यतीत करेंगे। आप व्यवहार कुशल व्यक्ति है। आप साहसिक भावनाओं से युक्त होकर अपना व्यवसायिक वृति संचालित करेंगे। आपका स्पष्ट दृष्टिकोण है कि आप अपने लक्ष्य के अनुसार धनी और सम्पन्न होना चाहते हैं।

आप निःसन्देह साहस और पूर्ण शक्तियुक्त होकर विशुद्ध भावना से अपनी महत्वकांक्षा के अनुरूप कार्य सम्पादन करते हैं। परन्तु आप उच्च आय हेतु अपनी दुर्भावनाओं को त्यागकर कार्य करें, अन्यथा आप अधिक धन संग्रह नहीं कर सकेंगे। क्योंकि हर दृष्टिकोण से आप अपनी मनोवृति को अनुकूल करके ही अच्छा जीवन व्यतीत कर सकेंगे। आप अच्छी प्रकार के वस्त्रादि पहनना पसन्द करते हैं । आप अपने मित्रों के साथ सन्तुष्ट रहकर अपने समय को अच्छी प्रकार व्यतीत करना चाहते हैं। आपकी मनोवृति धार्मिक पंथ की ओर प्रवृत है। आप ज्योतिष एवं परा विज्ञान के प्रदर्शित करने की अभिरूचि रखते हैं। आप तीर्थ स्थानों का परिदर्शन करेंगे तथा सामाजिक एवं परोपकारी सेवा भावना के प्रति समर्पित रहेंगे जो असहाय प्राणी आपकी सेवा की अपेक्षा करेंगे। आप उन पर सहानुभूति पूर्वक सहायता करेंगे।

आप अपने व्यवसाय के अतिरिक्त अन्य संबंधित कार्य व्यवसाय भी औरों की अपेक्षा अच्छी प्रकार सम्पादित करेंगे। परन्तु आपको अपने लिए अधिक अनुपयुक्त आनन्दित करने वाले व्यवसाय चयन क्रम में विधिवेता (वकील) वैज्ञानिक अभियन्ता अथवा शैल्य क्रिया करने वाले चिकित्सक का कार्य भी अनुकूल होगा। वैसे व्यवसायों में सामाजिक कार्यों से सम्बंधित यथा वैवाहिक कार्य व्यवस्था विदाई समारोह का आयोजन, खेल–कूद की सामग्री का व्यवसाय भी उत्तम रहेगा। इसके अतिरिक्त रेडियो, टी.वी. रत्न एवं स्वर्णाभूषण के व्यवसाय, मोटर पार्ट की दूकान आदि आपके लिए लाभप्रद रहेगा।

आपकी शारीरिक बनावट उत्तम ह्रष्ट–पुष्ट मजबूत एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। आप अपने आश्चर्यजनक प्रतिभा से सभी को प्रभावित करेंगे। आप अपने सम्पर्क के साथ पार्टनर से समय–समय पर अपेक्षित वस्तुएं प्राप्त कर लेंगे। इस प्रकार आपका जीवन अतिरिक्त प्रत्याशित आसार उत्तम दृष्टिगोचर हो रहे हैं। आपके पास शान्त वातावरण युक्त सुखद गृह होंगे। जहाँ आप, पत्नी एवं सन्तान सहित सुखमय जीवन का आनन्द प्राप्त करेंगे। आपके द्वेष युक्त व्यस्तम

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE
www.duastro.com || info@duastro.com || +91-9667311033

कार्य सुखमय जीवन का आनन्द प्राप्त करेंगे। आपके द्वेषयुक्त व्यस्ततम कार्यक्रम के अतिरिक्त कभी आपको अपने परिवार की प्रसन्नता हेतु हर हालात में समय निकालना होगा ताकि आपके पारिवारिक सदस्य सन्तुष्ट रहें।

आप शारीरिक रूप से निःसन्देह स्वस्थ रहेंगे। परन्तु आपके लिए ऐसा निर्देश है कि आप कुछ वर्षो के पश्चात् किडनी एवं मुत्राशय की परेशानी एवं मूत्र जनित रोग से आक्रान्त हो सकते है। इस आशंका के प्रति आपको रक्षात्मक कदम उपयुक्त समय पर उठाना ठीक होगा।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

अंको में आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए स्पष्ट रूप से प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में व्यक्तिगत रूप से पसन्दीदा रंग पीला, हरा एवं सूआपंखी रंग भाग्यशाली है। परन्तु किसी भी दशा में आपके लिए रंग, लाल, काला और नीला रंग प्रतिकूल एवं सर्वथा अनुपयुक्त है।

Duastro Female

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्नोदय काल सिंह नवमांश एवं वृषम द्रेष्काण में हुआ था। इस जन्म लग्नराशयादिक संयोजनों से ऐसा प्रतीत होता है कि आप स्वाभाविक रूप से आनन्दप्रद जीवन व्यतीत करने के लिए सदैव अग्रसर रहेंगी। मुख्यतः आपकी आयु 33 वर्ष से 38 वर्ष के मध्य आपका भाग्योदय होगा तथा आप सुख–संसाधन युक्त होकर जीवन की पराकाष्ठा पर पहुँच जाएंगी।

आप प्रसन्नता पूर्वक द्विगुणित, आनन्द पूर्ण जीवन व्यतीत करेंगी। आप अपने पति के साथ अति आन्नदातिरेक होकर सुखमय समय व्यतीत करेंगी। आप व्यवहार कुशल महिला है। आप साहसिक भावनाओं से युक्त होकर अपना व्यवसायिक वृति संचालित करेंगी। आपका स्पष्ट दृष्टिकोण है कि आप अपने लक्ष्य के अनुसार धनी और सम्पन्न होना चाहती हैं।

आप निःसन्देह साहस और पूर्ण शक्तियुक्त होकर विशुद्ध भावना से अपनी महत्वकांक्षा के अनुरूप कार्य सम्पादन करती हैं। परन्तु आप उच्च आय हेतु अपनी दुर्भावनाओं को त्यागकर कार्य करें, अन्यथा आप अधिक धन संग्रह नहीं कर सकेंगी। क्योंकि हर दृष्टिकोण से आप अपनी मनोवृति को अनुकूल करके ही अच्छा जीवन व्यतीत कर सकेंगी। आप अच्छी प्रकार के वस्त्रादि पहनना पसन्द करती हैं । आप अपने मित्रों के साथ सन्तुष्ट रहकर अपने समय को अच्छी प्रकार व्यतीत करना चाहते हैं।

आपकी मनोवृति धार्मिक पंथ की ओर प्रवृत है। आप ज्योतिष एवं परा विज्ञान के

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE
www.duastro.com || info@duastro.com || +91-9667311033

प्रदर्शित करने की अभिरूचि रखती हैं। आप तीर्थ स्थानों का परिदर्शन करेंगे तथा सामाजिक एवं परोपकारी सेवा भावना के प्रति समर्पित रहेंगी। जो असहाय प्राणी आपकी सेवा की अपेक्षा करेंगे। आप उनकी सहानुभूति पूर्वक सहायता करेंगी।

आप अपने व्यवसाय के अतिरिक्त अन्य संबंधित कार्य व्यवसाय भी औरों की अपेक्षा अच्छी प्रकार सम्पादित करेंगी। परन्तु आपको अपने लिए अधिक अनुपयुक्त आनन्दित करने वाले व्यवसाय चयन क्रम में विधिवेता (वकील) वैज्ञानिक अभियन्ता अथवा शैल्य क्रिया करने वाली चिकित्सक का कार्य भी अनुकूल होगा। वैसे व्यवसायों में सामाजिक कार्यों से सम्बंधित यथा वैवाहिक कार्य व्यवस्था विदाई समारोह का आयोजन, खेल–कूद की सामग्री का व्यवसाय भी उत्तम रहेगा। इसके अतिरिक्त रेडियो, टी.वी. रत्न एवं स्वर्णाभूषण के व्यवसाय, मोटर पार्ट की दूकान आदि आपके लिए लाभप्रद रहेगा।

आपकी शारीरिक बनावट उत्तम हृष्ट–पुष्ट मजबूत एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। आप अपने आश्चर्यजनक प्रतिभा से सभी को प्रभावित करेंगी। आप अपने सम्पर्क के साथ पार्टनर से समय–समय पर अपेक्षित वस्तुएं प्राप्त कर लेंगी। इस प्रकार आपका जीवन अतिरिक्त प्रत्याशित आसार उत्तम दृष्टिगोचर हो रहे हैं। आपके पास शान्त वातावरण युक्त सुखद गृह होंगे। जहाँ आप, पति एवं सन्तान सहित सुखमय जीवन का आनन्द प्राप्त करेंगी।

आपके द्वेषयुक्त व्यस्ततम कार्यक्रम के अतिरिक्त कभी आपको अपने परिवार की प्रसन्नता हेतु हर हालात में समय निकालना होगा ताकि आपके पारिवारिक सदस्य सन्तुष्ट रहें। आप शारीरिक रूप से निःसन्देह स्वस्थ रहेंगी। परन्तु आपके लिए ऐसा निर्देश है कि आप कुछ वर्षो के पश्चात् किडनी एवं मूत्राशय की परेशानी एवं मूत्र जनित रोग से आक्रान्त हो सकती है। इस आशंका के प्रति आपको रक्षात्मक कदम उपयुक्त समय पर उठाना ठीक होगा।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

अंको में आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए स्पष्ट रूप से प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में व्यक्तिगत रूप से पसन्दीदा रंग पीला, हरा एवं सूआपंखी रंग भाग्यशाली है। परन्तु किसी भी दशा में आपके लिए रंग, लाल, काला और नीला रंग प्रतिकूल एवं सर्वथा अनुपयुक्त है।

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

नक्षत्रफल

Duastro Male

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ है। अतः आपकी जन्म राशि मिथुन तथा राशि स्वामी बुध होगा। नक्षत्रानुसार आपका वर्ग मार्जार, वर्ण शूद्र, गण देव, नाड़ी मध्य तथा योनि सर्प होगी। नक्षत्र के अनुसार जन्म नाम "क" या "का" से प्रारम्भ होगा। यथा कमल, कल्पनाथ, कमलेश्वर

आप स्वभाविक रूप से चतुर एवं चंचलता से युक्त रहेंगे। आपके सभी कार्य चतुराई से सम्पन्न होंगे। साथ ही आप धैर्यवान भी होंगे। शीघ्रता आपको पसन्द नहीं आएगी। कभी कभी अभिमान की भी आपके मन में अधिकता रहेगी फलस्वरूप आप किसी अन्य को अपने समक्ष कोई भी महत्व प्रदान करना पसन्द नहीं करेंगे।

चतुरश्चपलो धीरः कूरकर्मा क्षुधातुरः।
अहंकारी परद्वेषी मृगशीर्णि भवेन्नरः।।
जातकदीपिका

आप नकली वस्तु के निर्माण या प्रतिलिपि बनाने के कार्य में निपुण हो सकते है। साथ ही समस्त महत्वपूर्ण कार्यों को अपनी योग्यता तथा बुद्धिबल से सम्पन्न करने में सर्वदा तत्पर रहेंगे।

चपलश्चतुरो धीरः कूटकर्मस्वकर्मकृत।
अहंकारी परद्वेषी मृगे भवति मानवः।।
मानसागर

प्रारम्भ से ही आप के मन में भय का भाव व्याप्त रहेगा। आप दक्षता से युक्त तथा बुद्धिमान होंगे। उत्साह का भाव भी आपमें निहित रहेगा तथा जो भी कार्य करेंगे उत्साह के साथ उसे सम्पन्न करेंगे। विद्धता से भी आप पूर्ण रहेंगे तथा धन एवं ऐश्वर्य का अभाव जीवन में नहीं रहेगा।

चपलश्चतुरोभीरूः पटुरूत्साही धनी मृगे भोगी।
बृहज्जातकम्

शस्त्र विद्या में आपको विशेषज्ञता प्राप्त होगी तथा इसके बारे में आपका ज्ञान विषद रहेगा। आपका स्वभाव विनय पूर्ण तथा व्यवहार नम्र रहेगा। गुणों को आप आदर प्रदान करने वाले व्यक्ति होंगे तथा जो गुणवान लोग हैं उनमें आप पूरी तरह अनुरक्त रहेंगे उन्हें सम्मान प्रदान करेंगे। आप सब प्रकार के भौतिक संपदाओं तथा सुखों का आजीवन उपभोग करेंगे। आप उच्च अधिकारियों या मंत्री वर्ग के प्रिय होंगे तथा उनसे आपको पूर्ण सम्मान तथा सहयोग प्राप्त होगा। आपकी प्रकृति भी विलासमय होगी। सत् मार्ग पर चलने के लिए भी आप हमेशा यत्नशील

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

रहेंगे।

शरासनाभ्यासरतो विनीतः सदानुरक्तो गुणिनां गणेषु।
भोक्तानृपस्नेहभरेण पूर्णः सन्मार्गवृतो मृगजात जन्मा।
जातकाभरणम्

आप शान्त चित्त होंगे तथा भ्रमण एवं यात्रा करने में आपकी विशेष रूचि रहेगी। अतः आपका अधिकांश समय यात्रा तथा भ्रमण आदि में ही व्यतीत होगा।

चान्द्रे सौम्यमनोळटनः कुटिलदृक् कामातुरो रोगवान।
जातकपरिजातः

Duastro Female

आप धनिष्ठा नक्षत्र के तृतीय चरण में पैदा हुई हैं। अतः आपकी जन्म राशि कुम्भ तथा राशि स्वामी शनि होगा। नक्षत्रानुसार आपकी योनि सिंह, वर्ग मार्जार, गण राक्षस, वर्ण शूद्र तथा नाड़ी मध्य होगी। नक्षत्र के चरणानुसार आपके जन्म नाम का प्रथम अक्षर "गु" या "गू" से प्रारम्भ होगा।

आप एक सुस्वभाव से युक्त महिला होंगी तथा आपका चरित्र भी निर्मल रहेगा जिससे समाज में आप एक प्रशंसनीय तथा अनुकरणीय महिला रहेंगी। आप व्यवहार कुशलता के गुण से भी सुसम्पन्न रहेंगी तथा अपने चतुर एवं मृदु व्यवहार से सभी जनों को प्रभावित करेंगी एवं अधिकांश लोग आपसे पूरी तरह सहमत होंगे एवं आपकी आज्ञा पालन के लिए भी तत्पर रहेंगे। धन सम्पत्ति की आप के पास प्रचनरता रहेगी। अतः समाज में एक धनवान महिला के रूप में भी आपकी पूर्ण ख्याति रहेगी। आप एक बलशाली महिला होगी तथा दया एवं करूणा के भाव से भी आप सर्वथा युक्त रहेंगी एवं अन्य जनों के प्रति इस भाव का प्रदर्शन भी करती रहेंगी। इसके अतिरिक्त समाज में आप एक प्रतिष्ठित एवं प्रभावशाली महिला होंगी तथा अन्य जनों पर आपका पूर्ण प्रभुत्व स्थापित रहेगा।

आचारदातादरचारूशीलो धनाधिशाली बलवान् कृपालुः।
यस्य प्रसूतौ च भवेद्धनिष्ठा महाप्रतिष्ठो सहितः नरः स्यात्।।
जातकाभरणम्

आप जीवन में कभी भी निराशा की अनुभूति नहीं करेंगी तथा हमेशा आशान्वित रहकर अपने सांसारिक कार्यों की सफलता की आकांक्षा करेंगी। अतः आप मानसिक कष्ट अल्प मात्रा में ही प्राप्त करेंगी तथा सम्पूर्ण भौतिक सुखों से युक्त रहकर आनन्दपूर्वक जीवन व्यतीत करेंगी।

आशालुर्वसुमान वसूडुजनिः पीनोरूकंठः सुखी।
जातक परिजातः

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE
www.duastro.com || info@duastro.com || +91-9667311033

गान विद्या में आप प्रारम्भ से ही रूचिशील रहेंगी तथा परिश्रमपूर्वक इसका विस्तृत ज्ञान प्राप्त कर सकेंगी। अपने परिवारिक जनों के मध्य आप पूर्ण सम्मानित रहेंगी तथा सभी लोग यथा योग्य सम्मान एवं स्नेह प्रदान करेंगे। साथ ही विविध प्रकार के स्वर्णाभूषणों तथा कीमती रत्नों आदि से भी आप सुसम्पन्न रह सकेंगी एवं जीवन में पूर्ण वैभव का उपभोग कर सकेंगी। इसके अतिरिक्त आप कई लोगों के लिए एक सम्माननीया तथा पूजनीया भी रहेगी एवं वे सभी लोग आपकी आज्ञा का पूर्ण रूप से अनुपालन करेंगे।

गीतप्रियो बन्धुमान्यो हेमरत्नैरलंकृतः।
जातो नरो धनिष्ठायाम् शतैकस्यपतिर्भवेत।।
मानसागरी

दानशीलता की भावना नैसर्गिक रूप से आपके ह्दय में विद्यमान रहेगी अतः समय समय पर यथाशक्ति गरीबों तथा दीन दुःखियों के प्रति आप अपनी इस प्रवृति का यत्नपूर्वक पालन करती रहेंगी। साथ ही शौर्यादि गुणों से भी आप सुसम्पन्न रहेंगी तथा साहस एवं निर्भयता से अपने सांसारिक कार्यों को सम्पन्न करेंगी। इसके अतिरिक्त धन के प्रति आपके मन में विशेष लालच का भाव भी रहेगा जिसके कारण आपको समय समय पर अनावश्यक परेशानी तथा कष्टानुभूति प्राप्त करनी पड़ेगी।

दाता आढ्यः शूरोगीतप्रियो धनिष्ठासु धन लुब्धः।
बृहज्जातकम्

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

राशिफल

Duastro Male

आपका जन्म मिथुन राशि में उत्पन्न होने के कारण आपके नेत्रों में अल्प लालिमा तथा श्यामलता का मिश्रण रहेगा। साथ ही नासिका भी उन्नत होगी। आप विभिन्न प्रकार के शास्त्रों के विषय में भी जानने वाले होंगे। आप सन्देश वाहक या दूत कार्य को भी सम्पन्न करने वाले होंगे। आपके बाल घुंघराले तथा बुद्धि बहुत ही तेज होगी। समाज के सभी लोगों से आपका विनयशील व्यवहार रहेगा तथा अपनी तीक्ष्ण बुद्धि के कारण अन्य जनों के मन के भावों को जानने में सफल रहेंगे। आपके शरीर के समस्त अंग सुन्दर, सुडौल तथा स्वस्थ एवं पुष्ट रहेंगे। आपकी वाणी प्रिय होगी तथा हंसने एवं हंसाने के कार्य में निपुण रहेंगे। अधिक भोजन खाना आपको रूचिकर लगेगा। आप संगीत तथा नृत्य शास्त्र के भी अच्छे ज्ञाता होंगे।

स्त्रीलोलः सुरतोपचारकुशलताम्रेक्षणः शास्त्राविद्।
दूतः कुञ्चिद् मूर्धजः पटुमति हास्योङ्गित द्यूतवित्।।
चार्वाङ्गाः प्रियवाक् प्रभक्षण रूचिर्गीतप्रियो नृत्यवित्।
क्लीबैर्याति रतिं समुन्नतश्चन्द्रे तृतीयर्क्षगे।।
बृहज्जातकम्

आप कवि या लेखक भी हो सकते हैं। काव्य लेखन की प्रतिभा स्वाभाविक रूप से आपके मन में विद्यमान रहेगी तथा जीवन में आप समस्त सुखों का उपभोग करने वाले व्यक्ति होंगे। आपकी हथेली में मछली का चिन्ह भी हो सकता हैं। आपका अधिकांश समय विषय वासनाओं के सुख में व्यतीत होगा। आपकी नसें शरीर से बाहर दृष्टिगोचर होंगी। देखने में आप का स्वरूप दर्शनीय होगा तथा सौभाग्य से आप हमेशा युक्त रहेंगे। आपकी वाणी अत्यन्त मधुर होगी तथा शरीराकृति दीर्घ होगी। साथ ही आप स्त्री जाति से भी पराजित रहेंगे।

उन्नासश्यामचक्षु सुरतविधिकला काव्यकृद्भोग भोगी।
हस्ते मत्स्याधिपाङ्को विषय सुखरतो बुद्धिदक्षः सिरालः।।
कान्तः सौभाग्य हास्य प्रियवचनयुतः स्त्रीजितौ व्यायताङ्गो।
याति क्लीबैश्च रतिकर्मं संख्यशशिनि मिथुनगे मातृयुग्मप्रपुष्टः।
सारावली

आपकी आयु दीर्घायु रहेगी तथा आजीवन आप हास्यप्रिय रहेंगे। साथ ही आपको भ्रमण करना या यात्राएं भी प्रायः करते रहेंगे। साथ ही घर के अन्दर रहकर कार्य करना भी रूचिकर लगेगा।

दीर्घायुः सुरतोपचारकुशलो हास्यप्रियो युग्मके।।
जातकपरिजातः

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE
www.duastro.com || info@duastro.com || +91-9667311033

आपकी समाज में अधिकांश लोगों से मित्रता रहेगी तथा वे सब भी आपको अपना प्रिय मित्र समझेंगे। स्त्रियों के आप अत्यन्त ही प्रिय रहेंगे तथा अपनी ही सज्जनता तथा योग्यता से समाज में यश प्राप्त करेंगे।

प्रियकरः करमत्स्ययुतोनरः सुरतसौख्यभरो युवतीप्रियः।
मिथुन राशि गतौहिम गौ भवेत्सुजनतजनताकृत गौरवः।।
जातकाभरणम्

आपका सम्पूर्ण शरीर कोमल तथा पूर्ण रूप से स्वस्थ रहेगा। आप यद्यपि द्विअर्थी शब्दों का प्रयोग अपनी भाषा में करेंगे फिर भी उनका अर्थ स्पष्ट रहेगा। आप अपने स्वजनों, संबंधियों तथा समाज के लोगों की सेवा तथा सहायता में सर्वथा तल्लीन रहेंगे। आपका आचरण स्वभाव से ही उत्तम रहेगा तथा प्रकृति पित एवं कफ से युक्त रहेगी।

मृदुरूपचित्तगात्रः श्लिष्टविस्पष्टवाक्यः।
परजनहितकर्ता पंडितौ हास्य युक्तः।।
प्रकृति शुभचरित्रं श्लेष्मचित्त स्वभावो।
भवति मिथुन जातो गीतवाद्यानुरक्तः।।
जातक दीपिका

आप हमेशा जो कुछ भी बोलेंगे दूसरे लोगों को वह अच्छा लगेगा। आपके नेत्रों में चपलता या चंचलता व्याप्त रहेगी तथा नृत्य एवं संगीत के आप प्रिय तथा जानने वाले होंगे। अपने सद्गुणों तथा धनैश्वर्य के कारण आपका यश समाज में दूर दूर तक फैलेगा। आपका शरीर का गौरवर्ण तथा आकृति दीर्घ होगी। आप एक अच्छे वक्ता भी हो सकते हैं। एक बार आप जिस चीज का संकल्प कर लेते हैं उसे आप दृढता के साथ पूरा करके ही छोड़ेंगे। अधिकांश कार्यों को पूर्ण करने में आप समर्थ रहेंगे तथा न्याय का भी जीवन में अनुसरण करेंगे।

मृदुवाक्यो लोलदृष्टिर्दयालु मैथुनप्रियः।
गान्धर्ववित् कासरोगी कीर्तिभोगी धनी गुणी।।
गौरोदीर्घः पटुर्वक्ता मेधावी च दृढव्रतः।
समर्थो न्यायवादी च जायते मिथुने जनः।।
मानसागरी

आपके लिए आषाढ़ मास, द्वितीया, सप्तमी, द्वादशी दोनों पक्षों की तिथियां, स्वाती नक्षत्र, परिघयोग, सोमवार, तृतीय प्रहर तथा कुम्भ राशिस्थ चन्द्रमा अनिष्ट फलदायक रहेंगे। अतः 15 जून से 14 जुलाई के मध्य, 2,7,12 कृष्ण तथा शुक्ल पक्ष की तिथियां, स्वाती नक्षत्र, परिघयोग में कोई भी शुभ कार्य, व्यापार प्रारम्भ, नवगृहनिर्माण, क्रयविक्रयादि कार्य प्रारम्भ न करें अन्यथा लाभ की अपेक्षा हानि ही होगी। साथ ही सोमवार, तृतीय प्रहर तथा कुम्भ राशि के चन्द्रमा को भी शुभ कार्यों में वर्जित रखें। इन दिनों में शरीर का भी विशेष ध्यान रखें।

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE
www.duastro.com || info@duastro.com || +91-9667311033

यदि आपके लिए समय अनुकूल न चल रहा हो मानसिक तथा शारीरिक व्याकुलता, व्यापार में हानि, नौकरी या प्रोन्नति में बाधा उत्पन्न हो रही हो तो ऐसे समय में आपको प्रातः तथा सायं काल गणेश जी के दर्शन करने चाहिए एवं नियमित रूप से बुद्धवार के व्रत रखने चाहिए। साथ ही आपको हरित वस्त्र, पन्ना, मिश्री, गुड़ इत्यादि पदार्थों का भी दान करना चाहिए। इससे आपको मानसिक शान्ति प्राप्त होगी तथा अशुभ फलों के प्रभाव में कमी आएगी। इसके साथ ही बुध के तांत्रीय मंत्र के कम से कम 17000 जप भी करवाने चाहियें।

ऊँ ब्रां ब्रीं ब्रों सः बुधाय नमः।
मंत्र– ऊँ ऐं स्त्रीं श्रीं बुधाय नमः।

Duastro Female

कुम्भ राशि में पैदा होने के कारण आपकी नाक ऊंची होगी तथा मस्तक एवं मुख विस्तृत होगा। साथ ही हाथ, पैर व कमर स्थूलता से युक्त रहेंगे। आपके शरीर में लावण्यता की कभी कभी अल्पता दृष्टिगोचर होगी तथापि सौक्रदर्य में विशेष न्यनता नहीं आएगी आप असवभाव से भी तेज होगी तथा कई बार अपने से बड़े लोगों की आज्ञा का पालन भी नहीं करेंगी इससे वे लोग आपसे अप्रसन्न रहेंगे। धर्म के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा तथा निष्ठा का भाव रहेगा। यदा कदा आलस्य के भाव से भी आप युक्त रहेंगी। शिल्प विद्या या चित्रकारी की आप विशेष ज्ञाता रहेंगी एवं इस क्षेत्र में आशातीत सफलता अर्जित कर सकेंगी।

उद्धोणो रूक्षदेहः पृथुकरचरणो मद्यपान प्रसक्तः।
सद्द्वेष्यो धर्महीनः परसुतजनकः स्थूलमूर्धाकुनेत्रः।।
शाठ्यालस्याभिभूतो विपुलमुखकटिः शिल्पविद्या समेते।
दुःशीलो दुःखतप्तो घटभमुपगते रात्रिनाथे दरिद्रः।।
सारावली

विविध प्रकार के कार्यों को सम्पन्न करने में आप नित्य रूचिशील रहेंगी तथा इसमें निपुणता भी प्राप्त करेंगी। इसके साथ ही नाना प्रकार के शास्त्रों का भी आपको विस्तृत ज्ञान रहेगा। अतः समाज में आप एक विदुषी के रूप में भी ख्याति अर्जित कर सकेंगी। आपका स्वभाव शान्त रहेगा तथा हिंसक भावों का इसमें प्रायः अभाव ही रहेगा। साथ ही शत्रुओं पर आप हमेशा विजय प्राप्त करेंगी एवं आपसे वे प्रायः भयभीत ही रहेंगे।

अलसता सहितोनयसुतप्रियः कुशलताकलितोळति विचक्षणः।
कलशगामिनि शीतकरे नरः प्रशमितः शमितोरूरिपुव्रजः।।
जातकाभरणम्

जीवन में यदा कदा आपकी बुद्धि कठोर कार्यों की ओर प्रवृत होगी या आप इनमें अपना प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग प्रदान करेंगी। भ्रमण एवं यात्रा की आप शौकीन रहेंगी एवं अपना अधिकांश समय इन्हीं पर व्यतीत करेंगी। धन के प्रति भी आप में लोलुपता

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE
www.duastro.com || info@duastro.com || +91-9667311033

रहेगी। आपके मन में दूसरे के धन को प्राप्त करने की इच्छा भी प्रायः होगी एवं इसके लिए नित्य अवसर की तालाश में रहेंगी। आपकी आर्थिक स्थिति विषम रहेगी एवं इसमें प्रायः उतार चढाव भी आते रहेंगे। साथ ही सुगन्धित पदार्थो के अनुलेपन एवं पुष्प आदि के प्रति भी आपकी तीव्र रूचि रहेगी तथा यत्नपूर्वक जीवन में इनका उपभोग भी करेंगी।

प्रच्छन्नपापो घटतुल्य देहो विघातदक्षोळध्वसहो ऽवित्तः।
लुब्धः परार्थी क्षयवृद्धि युक्तो घटोद्भवः स्यात्प्रियगन्धपुष्पः।।
फलदीपिका

समाज में आप एक उत्तम विदुषी रहेंगी तथा दूर दूर तक आपका यश भी व्याप्त रहेगा परन्तु अन्य श्रेष्ठ एवं महान विद्वानों को आप यथोचित सम्मान कम ही प्रदान करेंगी। साथ ही आपके स्वभाव में सुशीलता का भाव भी विद्यमान रहेगा।

कुम्भस्थे गतशीलवान बुधजनद्वेषी च विद्याधिको।
जातक परिजातः

आप अपने जीवन काल में प्रायः विजय तथा सफलता अर्जित करेंगी एवं चरित्र से हमेशा उत्तम रहेगी जो अन्य जनों के लिए प्रशंसनीय तथा अनुकरणीय रहेगा। धनैश्वर्य से भी आप सामान्यतया सम्पन्न ही रहेंगी एवं कभी कभी ही इसका आभाव महसूस करेंगी। गुरूजनों के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा तथा निष्ठा का भाव रहेगा तथा इनकी निस्वार्थ सेवा करने के लिए आप तत्पर रहेंगी। आपके परिवार की सदस्य संख्या भी अधिक होगी एवं अपनी जाति या वर्ग के लोगों की भलाई के कार्य के लिए आप सर्वदा प्रयत्नशील रहेंगी साथ ही पुरूष वर्ग में भी आपका विशेष प्रभाव रहेगा एवं बन्धुवर्ग से पूर्ण रूपेण आदरणीया एवं सत्वगुणों से सुशोभित रहकर जीवन में उनका यत्नपूर्वक अनुपालन करती रहेंगी।

भुवनविजययुक्तः सुन्दरः सच्चरित्रः।
स्थिरधन गुरूभक्तो मानिनी चित्तरक्तः।।
बहुजनपरिवारो ज्ञातिवर्गेष्ट कर्ता।
सकलगुणसमेतः कुम्भराशि र्मनुष्यः।।
जातक दीपिका

आपके गर्दन की लम्बाई भी अधिक रहेगी एवं आपकी नसें शरीर पर स्पष्ट रूप से दिखाई देंगी। मित्र वर्ग के प्रति आपके मन में विशेष स्नेह भाव रहेगा तथा उनकी सहायता एवं सहयोग के लिए नित्य उद्यत रहेंगी।

करभगलः शिरालुः खरलोमशदीर्घतनुः।
पृथुचरणोरूपृष्ठ जघनास्य कटिर्जरठः।।
परवनितार्थ पापनिरतः क्षयवृद्धियुतः।
प्रियकुसुमानुलेपन सुहृदघटजो ळध्वसहः।।

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE
www.duastro.com || info@duastro.com || +91-9667311033

वृहज्जातकम्

आप स्वभाविक रूप से दानी प्रवृति की होंगी एवं यथाशक्ति अवसरानुकूल दीन दुःखियों के प्रति अपनी इस प्रवृति का यत्न पूर्वक अनुपालन करती रहेंगी। साथ ही दूसरे लोगों के लिए कल्याणकारी कार्यों में भी अपना सहयोग प्रदान करेंगी। आप में कृतज्ञता का श्रेष्ठ गुण भी विद्यमान रहेगा एवं अन्य जनों तथा उनको हार्दिक आभार भी प्रकट करेंगी। कई प्रकार के वाहन साधनों से आप सुशोभित रहेंगी तथा जीवन में सुखपूर्वक उनका उपभोग करेंगी। आपकी आखें सुन्दर होगी तथा बुद्धि भी सरल होगी किसी भी प्रकार के छल एवं धोखा आदि देने की प्रवृति आप में नहीं रहेगी। इसके अतिरिक्त धन एवं विद्या प्राप्त करने के लिए आप हमेशा परिश्रम करते रहेंगी। आप अपने अच्छे कार्यों तथा स्नेहशील व्यवहार से समाज में सम्मान तथा ख्याति भी प्राप्त करेंगी। साथ ही स्वबाहुबल से धनार्जन करेंगी एवं साहस पूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करके उनमें सफलता अर्जित करेंगी।

दातालसः कृतज्ञश्च गजवाजिधनैश्वरः।
शुभदृष्टिः सदासौम्यो धनविद्याकृतोद्यमः।।
पुण्याढ्यः स्नेहकीर्तिश्च धनभोगी स्वशक्तः।
शालूरकुक्षिर्निर्भीतः कुम्भे जातो भवेन्नरः।।
मानसागरी

आपके लिए चैत्रमास, तृतीया, अष्टमी, त्रयोदशी तिथियां, आर्द्रानक्षत्र, वणिजकरण, गुरूवार तथा तृतीय प्रहर एवं मिथुन राशिस्थ चन्द्रमा हमेशा अशुभ फलदायक रहेंगे। अतः आप 15 मार्च से 14 अप्रैल के मध्य 3,8,13 तिथियों, आर्दा नक्षत्र, वणिजकरण में कोई भी शुभ कार्य व्यापार प्रारम्भ, नवगृहनिर्माण, क्रयविक्रयादि अन्य शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न न करें अन्यथा लाभ की अपेक्षा हानि ही होगी। साथ ही गुरूवार, तृतीय प्रहर तथा मिथुन राशि के चन्द्रमा को भी शुभ कार्यों में वर्जित रखें। इसके साथ ही इन दिनों तथा समय में शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति भी विशेष सावधानी रखनी चाहिए।

यदि आपके लिए समय अशुभ चल रहा हो मानसिक तथा शारीरिक व्याकुलता, व्यापार में हानि, नौकरी या पदोन्नति में बाधा या अन्य शुभ कार्यों में असफलता की प्राप्ति हो रही हो तो ऐसे समय में आपको अपने इष्ट कुबेर की उपासना करनी चाहिए तथा शनिवार के श्रद्धापूर्वक उपवास रखने चाहिए। इसके साथ ही सोना, नीलम, लोहा, तिल, तेल, कम्बल तथा चर्मपादुकाएं आदि पदार्थो का दान करना चाहिए। इसके अतिरिक्त शनि के तांत्रीय मंत्र के कम से कम 19000 जप स्वयं या किसी योग्य विद्वान से सम्पन्न करवाने चाहिए। ऐसा करने से आपको मानसिक शान्ति प्राप्त होगी साथ ही समस्त अशुभ फलों का प्रभाव समाप्त होकर शुभ फलों में वृद्धि होगी एवं सर्वत्र लाभ मार्ग प्रशस्त होंगे।

ऊँ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः।
मंत्र– ऊँ ऐं हीं श्रीं शनैश्चराय नमः।

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE
www.duastro.com || info@duastro.com || +91-9667311033

पाया विचार

Duastro Male

ताम्र पाद में उत्पन्न होने के कारण आप राज्य या सरकार से धन लाभ अर्जित करने में हमेशा सफल रहेंगे तथा समाज में दूर दूर तक आपकी ख्याति व्याप्त रहेगी। देखने में आपका सौन्दर्य आकर्षक रहेगा। आप सन्तोषी प्रवृति के होंगे तथा अनावश्यक इच्छाओं को मन में उत्पन्न नहीं करेंगे। आप श्रेष्ठ आचरण से युक्त रहेंगे तथा सभी लोग आपका आदर सत्कार करेंगे। विविध प्रकार की धन सम्पतियों तथा सुखसंसाधनों से आप युक्त रहेंगे एवं जीवन में प्रसन्नता पूर्वक इसका उपभोग करेंगे। माता पिता के प्रति आपकी पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा इनसे भी आप पूर्ण धन सम्पति को प्राप्त करेंगे। आप एक विद्वान पुरूष होंगे तथा ज्ञानार्जन में आपकी विशेष रूचि रहेगी। आप अपने द्वारा प्रारम्भ कार्यों में शीघ्र ही सफलता अर्जित करेंगे तथा नाना प्रकार के वाहन एवं भूमि से भी युक्त रहकर प्रसन्न रहेंगे। धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धाभाव रहेगा। आप एक पराक्रमी पुरूष भी होंगे। आप में परोपकार की भावना भी रहेगी तथा सज्जन पुरूषों का आप नित्य आदर करेंगे। इसके अतिरिक्त आप में दानशीलता का भाव भी विद्यमान रहेगा।

Duastro Female

आपका जन्म स्वर्ण पाद में हुआ है। यद्यपि स्वर्ण पाद में उत्पन्न होने से जातक को कई प्रकार से दुःख एवं कष्ट प्राप्त होते है। उसका शारीरिक स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता तथा धनाभाव हमेशा रहता है। साथ ही जातक जीवन में सुखसंसाधनों से भी हीन रहता है। सांसारिक कार्यों में उसे अल्प मात्रा में ही सफलता प्राप्त होती है। इसके अतिरिक्त जीवन के हर क्षेत्र में अत्यधिक परिश्रम के द्वारा उसे अल्प सफलता प्राप्त होती है। चूंकि आपका चन्द्रमा जन्म कुण्डली में अपनी शुभ राशि में स्थित है। अतः आपके लिए यह अशुभ नहीं रहेगा। अपितु अधिकांश शुभ ही रहेगा। आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा शत्रु भी अल्प मात्रा में ही रहेंगे वे सभी आपसे पराजित तथा प्रभावित रहेंगे। कभी कभी आप स्वाभाविक रूप से क्रोध या उग्रता का भी प्रदर्शन करेंगी। आप सुन्दर एवं आकर्षक महिला होंगी तथा शरीर में लावण्यता पूर्ण रूपेण विद्य मान रहेगी। जीवन में विविध प्रकार के सुखसंसाधनों को अर्जित करने में आप सफल रहेंगी तथा प्रसन्नतापूर्वक इनका उपभोग करेंगी। इसके अतिरिक्त कभी कभी आप अल्प मात्रा में शारीरिक रूप से कष्टानुभूति भी प्राप्त करेंगी।

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE
www.duastro.com || info@duastro.com || +91-9667311033

गण फलादेश

Duastro Male

देव गण में उत्पन्न होने के कारण आपकी वाणी मधुर एवं उत्तम होगी। सामान्य रूप से आप सत्य ही बोलेंगे तथा सत्य का ही अनुपालन करेंगे। आप बिना किसी कठिनाई के दूसरे की बातों को समझने में तथा अन्य जनों को भी अपनी बात समझाने में सफलता प्राप्त करेंगे। सात्विक भोजन आपकी पसन्द होगी। गुणों के आप ज्ञाता होंगे तथा श्रेष्ठ विद्वानों द्वारा वर्णित गुणों से आप युक्त युक्त रहेंगे। धनैश्वर्य एवं वैभव तथा सांसारिक सुखों का आपके पास अभाव नहीं रहेगा तथा जीवन आनन्दपूर्वक व्यतीत होगा।

सुस्वरः सरलोक्तमतिः स्यादल्पभोजन करो हि नरश्च।
जायते सुरगणे डणज्ञः सुज्ञवर्णितगुणो द्रविणाढ्यः।।
जातकाभरणम्

आपका शरीर सुन्दर तथा स्वस्थ रहेगा तथा दानशीलता आपकी स्वाभाविक प्रवृति होगी तथा इसके लिए आप उचित पात्रों को समय समय पर यथा शक्ति दान देकर कृतार्थ करेंगे। आपका हृदय अत्यन्त ही सरल होगा तथा दिखावटीपन एवं छल से हमेशा दूर रहेंगे। आपका सम्मान समाज में एक श्रेष्ठ विद्वान के रूप में होगा।

सुन्दरो दानशीलश्च कान्तिमान सरलः सदा।
अल्प भोगी महाप्रज्ञो नरो देवगणो भवेत।।
मानसागरी

Duastro Female

राक्षस गण में पैदा होने के कारण आपकी प्रवृति कभी कभी अधिक बोलने वाली होगी। साथ ही आप में दया एवं करूणा के भाव की भी न्यूनता होगी परन्तु आप एक साहसी महिला होंगी तथा साहस एवं निर्भयतापूर्वक अपने कलापों को सम्पन्न करेंगी तथा उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगी। आप में क्रोध के भाव की भी प्रबलता रहेगी। साथ ही अपने किसी भी महत्वपूर्ण कार्य की सिद्धि के लिए आप किसी भी प्रकार के कार्य को करने के लिए तत्पर रहेंगी। इसके साथ ही आप विवाद आदि प्रवृति से युक्त होंगी एवं अन्य लोगों से प्रायः आपका विवाद आदि भी होता रहेगा।

अनल्पजल्पश्च कठोरचित्तः स्यात्साहसी क्रोधपरोद्धतश्च।
दुःशीलवृतः कलीकृत्वलीमान रक्षोगणोत्पन्नरो विरोधी।।
जातकभरणम्

जीवन में यदा कदा आप उन्माद तथा प्रमेह रोग से भी कष्टानुभूति प्राप्त कर सकती हैं। साथ ही आपका सौन्दर्य भी मध्यम होगा। इसके अतिरिक्त कभी कभी आप अपने सम्भाषण में

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE
www.duastro.com || info@duastro.com || +91-9667311033

कटु वचनों का भी प्रयोग करेंगी जिससे अन्य लोग आपसे अप्रसन्न रहेंगे। अतः यत्नपूर्वक अपने वार्तालाप में मधुर शब्दों का प्रयोग करें।

उन्मादी भीषणाकारः सर्वदाकलहप्रियः।
पुरूषोदुस्सहब्रूते प्रमेही राक्षणे गणे।।
मानसागरी

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

योनी फलादेश

Duastro Male

सर्प योनि में उत्पन्न होने के कारण आप कभी कभी क्रोधी स्वभाव का भी प्रदर्शन करेंगे। साथ ही आपकी प्रवृति भी चंचल होगी तथा चंचलता से ही कार्य सम्पन्न करेंगे। आपको चटपटे स्वाद अत्यन्त प्रिय होंगे तथा इनकी इच्छा आपको हमेशा बनी रहेगी।

दीर्घरोषो महाक्रूरः कृतघ्नश्च भवेन्नरः।
चपलो रसना लोलः सर्प योनौ न संशयः।।
मानसागरी

Duastro Female

सिंह योनि में जन्म होने के कारण आप स्वभाव से ही धार्मिक वृति की महिला होगी तथा धर्म के प्रति पूर्ण श्रद्धा तथा निष्ठा का प्रदर्शन करेंगी। साथ ही समस्त धार्मिक संस्कारों का नियमपूर्वक अनुपालन करने के लिए भी तत्पर रहेंगी। आपके कार्य प्रायः अच्छे ही होंगे जिससे अन्य सामाजिक जन भी लाभान्वित होंगे एवं आपका आदर तथा सम्मान भी करेंगे। विभिन्न प्रकार के सद्गुणों से भी आप सुशोभित रहेंगी एवं यत्नपूर्वक इनका पालन करते हुए सुखी एवं आनन्द की अनुभूति करेंगी इसके साथ ही अपने कुल तथा परिवार की समृद्धि एवं मान सम्मान की वृद्धि में भी आपका प्रमुख योगदान रहेगा एवं इस कार्य को यत्नपूर्वक सम्पन्न करेंगी।

स्वधर्मे तु सदाचारसत्क्रियासद्गुणान्वितः।
कुटुम्बस्य समुद्धर्ता सिंहयोनिभवो नरः।।
मानसागरी

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

ग्रह फल – सूर्य

Duastro Male

चतुर्थभाव में सूर्य हो तो जातक परमसुन्दर, कठोर, पितृधननाशक, चिन्तास्त, भाईयों से वैर करने वाला, गुप्तविद्या प्रिय एवं वाहन सुखहीन होता है।

धनु राशि में रवि हो तो जातक विवेकी, योगमार्गरत, बुद्धिमान्, धनी, आस्तिक, व्यवहार कुशल, दयालु, शान्त, लोकप्रिय एवं शीघ्र क्रोधित होने वाला होता है।

आपके जन्म काल में सूर्य चतुर्थ भाव में स्थित है। अतः पिता के आप प्रिय होंगे उनका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा एवं आयु भी दीर्घ होगी। धनैश्वर्य से वे सर्वदा युक्त रहेंगे एवं जीवन के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में वे आपका यत्नपूर्वक सहयोग करते रहेंगे। पिता से आपको धन, वाहन तथा अन्य प्रकार से सम्पत्ति अर्जित करते रहेंगे। इसके साथ ही नौकरी तथा व्यापार में भी आप उनसे सहयोग प्राप्त करते रहेंगे तथा उन्हीं के सहयोग से उन्नति भी करेंगे।

आप के मन में उनके प्रति सम्मान एवं आदर का भाव विद्यमान रहेगा एवं उनकी आज्ञा पालन में भी रूचि रहेगी। आपके परस्पर मतभेदों के कारण संबंधों में तनाव उत्पन्न होगा परन्तु वह क्षणिक रहेगा। इसके अतिरिक्त जीवन में आप हमेशा उनके सुख दुःख का भी ध्यान रखेंगे तथा अवसरानुकूल वांछित सहायता भी प्रदान करेंगे।

Duastro Female

चतुर्थभाव में सूर्य हो तो जातक परमसुन्दर, कठोर, पितृधननाशक, चिन्तास्त, भाईयों से वैर करने वाला, गुप्तविद्या प्रिय एवं वाहन सुखहीन होता है।

धनु राशि में रवि हो तो जातक विवेकी, योगमार्गरत, बुद्धिमान्, धनी, आस्तिक, व्यवहार कुशल, दयालु, शान्त, लोकप्रिय एवं शीघ्र क्रोधित होने वाला होता है।

आपके जन्मकाल में सूर्य की स्थिति चतुर्थ भाव में है अतः आपके पिता का स्वास्थ्य सामान्य रहेगा एवं समय समय पर वे शारीरिक व्याकुलता की अनुभूति करेंगे। आपके प्रति उनके मन में स्नेह का भाव विद्यमान रहेगा। धन वैभव से वे प्रायः युक्त रहेंगे एवं जीवन में सर्वप्रकार से आपको सहयोग प्रदान करने के लिए यत्नशील रहेंगे। आप उनसे समान्यतया धन सम्मान एवं वाहनादि भी प्राप्त करेंगी। इसके साथ ही वे व्यापार तथा अजीविका सम्बन्धी कार्यों में भी आपकी सहायता करेंगे।

आपके मन में उनके प्रति सामान्य श्रद्धा का भाव विद्यमान रहेगा एवं इच्छानुसार यदाकदा उनकी आज्ञा का अनुपालन भी करती रहेंगी। परन्तु आपके आपसी सम्बन्ध मधुर नहीं रहेंगे एवं परस्पर कई प्रकार के मतभेद विद्यमान रहेंगे फिर भी आप अपनी ओर से

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA
www.duastro.com || info@duastro.com || +91-9667311033

उन्हें कम से कम कष्टानुभूति के लिये सतत् प्रयत्नशील रहेंगी एवं अवसरानुकूल उनकी सहायता करने के लिए भी तत्पर रहेंगी।

www.duastro.com || info@duastro.com || +91-9667311033
ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

ग्रह फल – चन्द्र

Duastro Male

दसवेंभाव में चन्द्रमा हो तो जातक कार्यकुशल, व्यापारी, कार्यपरायण, सुखी, यशस्वी, विद्वान्, कुल–दीपक, दयालु, निर्बल बुद्धि, सन्तोषी लोकहितैषी, मानी, प्रसन्नचित्त एवं दीर्घायु होता है।

मिथुन राशि में चन्द्रमा हो तो जातक विद्वान, अध्ययनशील, सुन्दर, रतिकुशल, भोगी, मर्मज्ञ, नेत्र चिकित्सक, अच्छा वक्ता एवं अच्छा अन्तर्ज्ञान वाला होता है।

आपके जन्म समय में चन्द्रमा दशम भाव में स्थित है। अतः आप माता के प्रिय रहेंगे उनका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा एवं आयु भी दीर्घायु होगी। विभिन्न प्रकार की धन सम्पत्ति तथा सुखसंसाधनों से वे युक्त रहेंगी एवं आपको जीवन में उन सभी सुखों से परिपूर्ण करने के लिए यत्नशील रहेंगी। उनके सहयोग से ही आप जीवन में नौकरी, व्यापार तथा यश को प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे।

आप भी उनके प्रति श्रद्धावान रहेंगे एवं एक आज्ञाकारी पुत्र की तरह उनकी आज्ञा का पूर्ण रूप से अनुपालन करेंगे। जीवन में उनकी सेवा सुविधा का आप पूर्ण ध्यान रखेंगे तथा यत्नपूर्वक उनको वांछित आर्थिक या अन्य प्रकार से सहयोग करते रहेंगे। आपके संबंध भी अच्छे रहेंगे एवं विचारों में विभिन्नता अल्प मात्रा में ही रहेगी। इस प्रकार एक दूसरे के लिए आप सामान्यतया शुभ ही रहेंगे।

Duastro Female

षष्ठभाव में चन्द्रमा हो तो जातक अल्पायु, आसक्त, कफरोगी, खर्चीले स्वभाववाला, नेत्ररोगी एवं भृत्यप्रिय होता है।

कुम्भ राशि में चन्द्रमा हो तो जातक, उन्मत, सूक्ष्मदेही, शिल्पी, नीति दक्ष, दूरदर्शी, विद्वान्, गुप्तविद्याओं में रुचि, अच्छा अन्तर्ज्ञान, साधना करने वाला, धार्मिक प्रवृत्ति वाला एवं मध्यावस्था में संन्यास के प्रति झुकाव होता है।

आपके जन्म समय में चन्द्रमा की स्थिति षष्ठभाव में स्थित है। अतः आप माता की प्रिय रहेंगी उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा परन्तु यदा कदा शारीरिक रूप से वे दुर्बलता की अनुभूति करेंगी। धन सम्पत्ति से वे प्रायः युक्त रहेंगी तथा जीवन में आपको पूर्ण रूप से हर सम्भव सहयोग तथा सहायता प्रदान करती रहेंगी। इसके साथ ही आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में यदि कोई व्यवधान आएंगे तो उन्हें दूर करने में सर्वदा प्रयत्नशील रहेंगी तथा आपकी सफलता की सर्वदा इच्छुक होंगी।

आप भी उनके प्रति पूर्ण श्रद्धा तथा सम्मान की भावना रखेंगी तथा हमेशा उनकी

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE
www.duastro.com || info@duastro.com || +91-9667311033

सेवा करने के लिए तत्पर रहेंगी परन्तु आपके मध्य कभी कभी मतभेद भी उत्पन्न होंगे जिससे अप्रिय स्थितियां भी उत्पन्न होंगी लेकिन फिर भी सामान्य संबंध मधुर ही रहेंगे। साथ ही उनको जीवन में वांछित सहायता एवं सहयोग प्रदान करने की भी आप इच्छुक रहेंगी।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

ग्रह फल – मंगल

Duastro Male

लग्न (प्रथम) में मंगल हो तो जातक, चपल, क्रूर, महत्वाकांक्षी, विचार रहित, गुप्तरोगी, उतावला, लौहधातु एवं व्रणजन्य, कष्ट से युक्त, व्यवसायहानि, दुर्घटना की सम्भावना, दुःखी, निर्धन एवं साहसी होता है।

कन्या राशि में मंगल हो तो जातक सुखी, शिल्पज्ञ, पापभीरु, लोकमान्य एवं व्यवहार कुशल होता है।

आपके जन्म काल में मंगल प्रथम भाव में स्थित है अतः आपके भाई बहिनों का स्वास्थ्य मध्यम रहेगा एवं यदा कदा शारीरिक अस्वस्थता उनमें परिलक्षित होगी। धन धान्य से वे प्रायः सुसम्पन्न ही दौरान आपकी– प्रति उनके मन में पूर्ण स्नेह भाव रहेगा एवं जीवन में आपको प्रायः अपना आर्थिक या अन्य प्रकार से सहयोग प्रदान करते रहेंगे।

आप भी उनको हृदय से चाहेंगे तथा उनकी वांछित सहायता एवं सहयोग करने के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे। आपके परस्पर संबंध मधुर ही होंगे परन्तु यदा कदा मतभेद के कारण संबंधों में कटुता या तनाव भी उत्पन्न होगा लेकिन यह अल्प समय के लिए ही रहेगा उसके बाद सब कुछ सामान्य हो जाएगा। इस प्रकार मध्यम रूप से आप एक दूसरे का परस्पर सहयोग करते रहेंगे।

Duastro Female

तृतीयभाव में मंगल हो तो जातक कटुभाष, भ्रतृकष्टकारक, प्रदीप्त जठराग्निवाला, बलवान्, बन्धुहीन, सर्वगुणी, साहसी, धैर्यवान् प्रसिद्ध एवं शूरवीर होता है।

वृश्चिक राशि में मंगल हो तो जातक नीति–दक्ष, अच्छी स्मरण शक्ति ईर्ष्यालु स्वभाववाला, बहुतहठी, अभिमानी, चोरों का नेता, पातकी एवं दुराचारी होता है।

आपके जन्म के समय में मंगल की स्थिति तृतीय भाव में है अतः आपके भाई बहिनों का स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा शक्त, साहस एवं पराक्रम का भाव उनमें विद्यमान रहेगा। साथ ही यदा कदा शारीरिक व्याकुलता की भी उनको अनुभूति होगी। धन सम्पत्ति का उनके पास अभाव नहीं रहेगा एवं जीवन में समस्त शुभ तथा महत्वपूर्ण कार्य क्षेत्र में वे आपको अपना सहयोग प्रदान करेंगे। साथ ही सुख दुःख के समय में भी आप उनसे पूर्ण सहायता प्राप्त करेंगी।

आप भी उनके प्रति हमेशा स्नेह का भाव रखेंगी एवं उनकी अवसरानुकूल सहायता करने के लिए तत्पर रहेंगी। आपके आपसी संबंध मधुर रहेंगे परन्तु यदा कदा सैद्धान्तिक मतभेदों के कारण इसमें तनिक कटुता या तनाव भी आयेगा लेकिन कुछ समय के उपरान्त सब कुछ स्वयं ही ठीक हो जाएगा। इसके साथ ही आप उनके सुख दुःख की सहयोगी रहेंगी एवं यथाशक्ति

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA
www.duastro.com || info@duastro.com || +91-9667311033

उनको अपनी ओर से आर्थिक या अन्य प्रकार से सहयोग देती रहेंगी।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

ग्रह फल – बुध

Duastro Male

तृतीयभाव में बुध हो तो जातक सद्गुणी, कार्यदक्ष, परिश्रमी, मित्रप्रेमी, भीरू, धर्मात्मा, यात्राशील, व्यवसायी, चंचल, अल्पभ्रातृवान्, विलासी, सन्ततिवान्, कवि, सम्पादक, सामुद्रिकशास्त्र का ज्ञाता एवं लेखक होता है।

वृश्चिक राशि में बुध हो तो जातक व्यसनी, दुराचारी, मुर्ख, ऋणी भिक्षुक, अनैतिक चरित्र, रतिक्रिया की अति करने वाला, गुप्तांगों के रोगों से पीड़ित, स्वार्थी एवं अपशब्द बोलने वाला होता है।

Duastro Female

पंचमभाव में बुध हो तो जातक उद्यमी, विद्वान्, कवि, प्रसन्न कुशाग्रबुद्धि, गण्य–मान्य, सुखी, वाद्यप्रिय एवं सदाचारी होता है।

मकर राशि में बुध हो तो जातक कुलहीन, दुश्शील, मिथ्याभाषी, ऋणी, मूर्ख, डरपोक, व्यापार में रुचि लेने वाला, किफायतसार, चतुर एवं परिश्रमी होता है।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

www.duastro.com || info@duastro.com || +91-9667311033

ग्रह फल – गुरु

Duastro Male

षष्ठभाव में गुरु हो तो जातक विवेकी, प्रसिद्ध, ज्योतिषी, विद्वान् सुकर्मरत, दुर्बल, उदार, प्रतापी, नीरोगी, लोकमान्य, बहुत कमशत्रु एवं मधुरभाषी होता है।

कुम्भ राशि में गुरु होतो जातक विद्वान परन्तु धनहीन, लोकप्रिय, मिलनसार, स्वप्नों के जगत में विचार करने वाला डरपोक प्रवासी, कपटी एवं रोगी होता है।

Duastro Female

दशमभाव में गुरु हो तो जातक सुकर्म करने वाला, प्रसिद्ध और सम्मानित प्रतिष्ठित पद पर आसीन, सदाचारी, पुण्यात्मा, ऐश्वर्यवान्, साधु, चतुर, न्यायी, प्रसन्न, ज्योतिषी, सत्यवादी, शत्रुहन्ता, राजमान्य, स्वतन्त्र विचारक, मातृपितृ भक्त, लाभवान्, धनी एवं भाग्यवान् होता है।

मिथुन राशि में गुरु हो तो जातक योग्य वक्ता, सुगठित शरीर, लम्बाकद, उदार, विद्वान, कई भाषाओं का जानने वाला, अनायास धनप्राप्त करने वाला, लोकमान्य, लेखक एवं व्यवहार कुशल होता है।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

ग्रह फल – शुक्र

Duastro Male

पंचम भाव में शुक्र हो तो जातक विद्वान्, प्रतिभाशाली, वक्ता, कवि, पुत्रवान्, लाभयुक्त, व्यवसायी, शत्रुनाशक, उदार, दानी, सद्गुणी, न्यायवान् एवं आस्तिक होता है।

मकर राशि में शुक्र हो तो जातक बलहीन, कृपण, ध्दयरोगी, दुखी, मानी, नीच जाति की स्त्रियों में रुचि, सिद्धान्तहीन एवं अनैतिक चरित्र होता है।

Duastro Female

पंचम भाव में शुक्र हो तो जातक विद्वान्, प्रतिभाशाली, वक्ता, कवि, पुत्रवान्, लाभयुक्त, व्यवसायी, शत्रुनाशक, उदार, दानी, सद्गुणी, न्यायवान् एवं आस्तिक होता है।

मकर राशि में शुक्र हो तो जातक बलहीन, कृपण, ध्दयरोगी, दुखी, मानी, नीच जाति की स्त्रियों में रुचि, सिद्धान्तहीन एवं अनैतिक चरित्र होता है।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

ग्रह फल – शनि

Duastro Male

अष्टम भाव में शनि हो तो जातक विद्वान् स्थूलशरीर, उदार प्रकृति, कपटी, गुप्तरोगी, वाचाल, डरपोक, कुष्ठरोगी एवं धूर्त होता है।

मेष राशि में शनि हो तो जातक आत्मबलहीन, मूर्ख, आवारा, क्रूर जालफरेव करने वाला, व्यसनी, निर्धन, दुराचारी, कपटी लम्पट एवं कृतघ्न होता है।

Duastro Female

चतुर्थभाव में शनि हो तो जातक अपयशी, बलहीन, धूर्त, कपटी, शीघ्रकोपी, कृशदेही, उदासीन,वातपित्तयुक्त एवं भाग्यवान् होता है।

धनु राशि में शनि हो तो जातक व्यवहारज्ञ, पुत्र की कीर्ति से प्रसिद्ध सदाचारी, वृद्धावस्था में सुखी, सक्रिय, चतुर शान्तिप्रिय, दुःखी विवाहित जीवन एवं धनी होता है।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

ग्रह फल – राहु

Duastro Male

ग्यारहवें भाव में राहु हो तो जातक परिश्रमी, अल्पसन्तान, विदेशियों से धनलाभ, दीर्घायु, मन्दमति, लाभहीन, अरिष्टनाशक, व्यवसाययुक्त, कदाचित् लाभदायक एवं कार्य सफल करने वाला होता है।

कर्क राशि में राहु हो तो जातक चतुर, उदार, रोगी, अनेकों शत्रुओं वाला, धोखेबाज, धनहीन एवं पराजि होता है।

Duastro Female

पंचम भाव में राहु हो तो जातक शास्त्रप्रिय, कार्यकर्ता, भाग्यवान्, उदररोगी, मतिमन्द, कुल धननाशक, धनहीन, नीतिदक्ष एवं सन्तान के लिए अशुभ होता है।

मकर राशि में राहु हो तो जातक मितव्ययी, कुटुम्बहीन एव दाँत रोगी होता है।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

ग्रह फल – केतु

Duastro Male

पंचम भाव में केतु हो तो जातक वातरोगी, कुचाली, कुबुद्धि, सन्तान को नष्ट करता है, योगी, कुशाग्रबुद्धि एवं क्रोधी होता है।

मकर राशि में केतु हो तो जातक परिश्रमशील, पराक्रमी जन्म स्थान छोड़कर जाने वाला, प्रसिद्ध एवं तेजस्वी होता है।

Duastro Female

ग्यारहवें भाव में केतु हो तो जातक बुद्धिहीन, निजका हानिकर्त्ता, अरिष्टनाशक एवं वातरोगी होता है।

कर्क राशि में केतु हो तो जातक वातविकारी, भूतप्रेत पीड़ित एवं दुःखी होता है।

DUASTRO
ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

स्वास्थ्य, व्यक्तित्व एवं प्रकृति

Duastro Male

आपके जन्म समय में लग्न में कन्या राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है। सामान्यतया कन्या लग्न में उत्पन्न जातक अध्ययनशील होते हैं तथा कई विषयों के ज्ञानार्जन में उनकी रूचि रहती है। अतः समाज में सामान्यतया विद्वान के रूप में इनकी छवि रहती है। ये गुणवान व्यक्ति होते हैं परन्तु स्त्रियों के प्रति इनके मन में अधिक आकर्षण रहता है। साथ ही भाग्य इनका प्रबल रहता है तथा अल्प परिश्रम से ही इनके सांसारिक महत्व के कार्य सफल हो जाते हैं जिससे भौतिक सुख संसाधन एवं धनैश्वर्य की इनके पास प्रचुरता रहती है। ये अत्यंत बुद्धिमान होते हैं तथा अपनी बुद्धि के द्वारा कठिन से कठिन समस्या का समाधान करने में समर्थ रहते हैं। अतः सरकारी कार्यों में प्रशासन के क्षेत्र में ये अपना योगदान प्रदान करते हैं तथा वहां सम्मानित एवं आदरणीय रहते हैं। ये भावुकता की अपेक्षा बुद्धि से कार्य लेते है जिससे इनके उन्नति मार्ग सर्वदा प्रशस्त रहते हैं।

अतः इसके प्रभाव से आपका व्यक्तित्व आकर्षक होगा तथा आपसे सभी लोग प्रभावित होंगे। अध्ययन के प्रति आपकी रूचि होगी तथा विभिन्न विषयों का ज्ञान अर्जित करने में समर्थ होंगे। आप लेखन मनोविज्ञान या आलोचना के क्षेत्र में सफलता अर्जित करेंगे। आप एक भाग्यशाली व्यक्ति होंगे तथा सांसारिक महत्व के कार्यों में आपको अल्प परिश्रम से ही शीघ्र सफलता प्राप्त होगी। आपकी बुद्धि में भी तीक्ष्णता रहेगी तथा गूढ़ से गूढ़ समस्याओं का समाधान करने में समर्थ होंगे फलतः प्रशासनिक क्षेत्र में आप अपना योगदान प्रदान कर सकते हैं।

लग्न में मंगल की स्थिति के प्रभाव से आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा परन्तु यदा कदा मानसिक उद्विग्नता रहेगी। पिता के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा होगी तथा उनकी सेवा करने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। बाल्यावस्था में आपका समय संघर्ष पूर्ण रहेगा परन्तु मध्य अवस्था के बाद आप पूर्ण सुखी रहेंगे। पुत्र संतति से आप युक्त होंगे तथा इनसे आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। आप एक पराक्रमी पुरूष होंगे तथा स्वपराक्रम एवं योग्यता से सांसारिक कार्यों में सफलता अर्जित करेंगे।

आप में तेजस्विता का भाव भी विद्यमान रहेगा अतः अवसरानुकूल आप उग्रता का भी प्रदर्शन करेंगे लेकिन इससे आपको कई बार अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। अतः उग्रता के भाव का यत्नपूर्वक परित्याग करना चाहिए। अन्य जनों के प्रति आपके मन में उदारता का भाव भी रहेगा तथा समयानुसार परोपकार संबंधी कार्यों में भी इच्छा रहेगी। कार्य क्षेत्र में आपका प्रभाव रहेगा तथा लेखन या कला सम्बन्धी कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। आपकी बुद्धि भी तीव्र होगी तथा कठिन से कठिन समस्याओं का समाधान करने में समर्थ रहेंगे अतः प्रशासनिक क्षेत्र में आप अपना योगदान प्रदान कर सकते हैं।

धर्म के प्रति आपकी सामान्य श्रद्धा रहेगी तथा अल्प मात्रा में ही धार्मिक कार्यकलापों

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE
www.duastro.com || info@duastro.com || +91-9667311033

को सम्पन्न करेंगे। मित्र वर्ग में आपका प्रभाव रहेगा तथा सभी लोग आपको सहयोग प्रदान करेंगे इसके अतिरिक्त आप अपने पराक्रम तेजस्विता बुद्धिमता तथा योग्यता से इच्छित मान – सम्मान प्राप्त करेंगे तथा सुखपूर्वक जीवन व्यतीत करेंगे।

Duastro Female

आपके जन्म समय में लग्न में कन्या राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है। सामान्यतया कन्या लग्न में उत्पन्न जातक अध्ययनशील होते हैं तथा विभिन्न विषयों के ज्ञानार्जन में उनकी रूचि रहती है। सदगुणों से वे युक्त रहते हैं एवं भाग्यशाली भी होते हैं। उनके सांसारिक महत्व के कार्य अल्प परिश्रम के द्वारा ही भाग्यबल से सम्पन्न हो जाते हैं फलतः कार्यक्षेत्र में वे उन्नतिशील रहते हैं। उनकी बुद्धि भी तीक्ष्ण होती है तथा कठिन से कठिन विषय को समझने तथा समाधान करने में वे समर्थ रहते हैं। राजनीति में यद्यपि उनकी रूचि अल्प होती है तथापि राजकार्यों में सलाहकार या सचिव अथवा प्रशासनिक क्षेत्र में वे अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करते हैं। इसके अतिरिक्त बुद्धि द्वारा संचालित होते हैं तथा भावुकता की इनमें न्यूनता रहती है।

अतः इसके प्रभाव से आप आकर्षक व्यक्तित्व के स्वामी होंगी तथा अन्य जनों को प्रभावित करने में समर्थ होंगी। अध्ययन के प्रति आपके रूचि रहेगी तथा कला लेखन मनोविज्ञान या आलोचना आदि के क्षेत्र में आपको इच्छित सफलता प्राप्त होगी। अपनी योग्यता एवं स्वभाव से जीवन में आपको सुखैश्वर्य एवं भौतिक संसाधनों की प्राप्ति होगी। आपके बुद्धि भी तीव्र होगी एवं गूढ़ से गूढ़ समस्याओं का समाधान करने में समर्थ होंगी। यदि आप नौकरी या कोई कार्य नहीं करती है तो उपरोक्त योग आपके पति पर घटित होंगे।

लग्न में बुध की राशि के प्रभाव से आपका स्वरूप सुन्दर एवं आकर्षक होगा तथा शारीरिक एवं मानसिक रूप से भी प्रसन्न तथा स्वस्थ रहेंगी। आपकी वाणी मधुर एवं ओजस्वी होगी तथा आदर्श वक्ता के रूप में आप जानी जाएंगी। व्यावहारिक रूप से आप अत्यंत ही कुशलता का प्रदर्शन करेंगी जिससे लोग आपसे प्रभावित रहेंगी। कला एवं साहित्य के प्रति आपके विशेष रूचि होगी तथा लेखन सम्पादन आदि में भी सफलता अर्जित करेंगी। शारीरिक बल की आप में प्रचुरता रहेगी तथा परिश्रम एवं पराक्रम से जीवन में इच्छित धनवैभव एवं भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करने में सफल होंगी। साथ ही समाज एवं कार्य क्षेत्र में आप प्रतिष्ठित तथा यशस्वी महिला होंगी।

स्वभाव से आप शांत एवं उदार रहेंगी तथा समय पर अन्य जनों के उपकार करने में भी तत्पर होंगी श्रेष्ठ कार्यों को करने में आपकी हमेशा रूचि रहेगी। आप एक बुद्धिमान महिला होंगी तथा अपनी तीव्र बुद्धि के द्वारा कठिन से कठिन समस्याओं का समाधान करेंगी एवं गूढ़ से गूढ़ विषय को भी आत्मसात करने में सफल होंगी।

धर्म के प्रति आपकी प्रबल आस्था रहेगी तथा समय समय पर श्रद्धापूर्वक धार्मिक

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

कार्यकलापों तथा अनुष्ठानों को सम्पन्न करेंगी। अपने इन कार्यों से आपको आत्मिक शांति की अनुभूति होगी। मित्र वर्ग के मध्य आप प्रिय एवं आदरणीय होंगी तथा उनसे आपको इच्छित सुख एवं सहयोग समय समय पर मिलता रहेगा। इस प्रकार आप अपनी बुद्धिमता योग्यता एवं पराक्रम से अपने महत्वपूर्ण कार्यकलापों को सम्पन्न करेंगी तथा उनमें इच्छित सफलता अर्जित करके शांतिपूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगी।

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

धन, परिवार, आंख एवं वाणी

Duastro Male

आपके जन्म काल में द्वितीय भाव में तुलाराशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है । अतः इसके प्रभाव से आपका पारिवारिक जीवन सुख शान्ति एवं समृद्धि से युक्त रहेगा तथा समस्त पारिवारिक जन परस्पर प्रेम पूर्वक रहेंगे तथा एक दूसरे को अपना पूर्ण सुख एवं सहयोग प्रदान करेंगे। आपकी वाणी अत्यंत ही मृदु एवं प्रभावशाली रहेगी तथा अन्य जनों को अपनी वाणी से प्रभावित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही वाक्चातुर्य से कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सिद्ध करने में भी सफल होंगे। रहेंगे। प्रौढ़वास्था में आपको अल्प मात्रा में नेत्र संबंधी कष्ट प्राप्त हो सकते है।

धर्म के प्रति आपके मन में पूर्ण आस्था रहेगी तथा समय समय पर धार्मिक एवं अन्य शुभ मांगलिक कार्यो को सम्पन्न करते रहेंगे। साथ ही अन्य उत्सवों का आयोजन करने में भी आपकी रूचि रहेगी। जीवन में आपको पैतृक सम्पति की प्राप्ति होगी तथा अपने प्रयत्न एवं परिश्रम से भी आप वांछित धनऐश्वर्य तथा वैभव अर्जित करेंगे। पारिवारिक जनों को प्रसन्नता तथा सुविधा प्रदान करने के लिए आप हमेशा यत्नशील रहेंगे। इसके अतिरिक्त समाज में आप एक आदरणीय पुरूष होंगे तथा सौभाग्य बल से आपका जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। साथ ही व्यापार संबंधी लाभ भी समय समय पर होता रहेगा।

Duastro Female

आपके जन्म समय में द्वितीय भाव में तुला राशि उदित हुई है जिसका स्वामी शुक्र है। अतः इसके प्रभाव से आपका पारिवारिक जीवन सुख शान्ति एवं समृद्धि से युक्त रहेगा तथा सभी पारिवारिक जन परस्पर मिल जुलकर रहेंगे तथा एक दूसरे को अपना पूर्ण सुख एवं सहयोग प्रदान करेंगे। आपकी वाणी अत्यंत ही मधुर एवं प्रभावशाली रहेगी तथा अन्य जनों को अपनी वाणी से प्रभावित करने में समर्थ रहेंगी तथा अपने वाक्चातुर्य से कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सिद्ध करने में भी सम्पन्न रहेंगी। इसके साथ ही प्रौढ़ावस्था में आप अल्प मात्रा में नेत्र संबंधी कष्ट की भी अनुभूति कर सकती हैं।

धर्म के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा धार्मिक तथा शुभ एवं मांगलिक कार्यो को समय समय पर सम्पन्न करती रहेंगी। इसके अतिरिक्त अन्य उत्सवों की भी प्रिय होंगी तथा ऐसे उत्सवों के आयोजन भी समय समय पर होते रहेंगे। जीवन में आपको पैतृक सम्पति भी अर्जित होगी। साथ ही अपने परिश्रम पराक्रम एवं सौभाग्य से भी वांछित मात्रा में धनऐश्वर्य एवं वैभव अर्जित करने में सफल रहेंगी। परिवार को सुख सुविधा तथा प्रसन्नता प्रदान करना आपका मूल उददेश्य रहेगा। समाज में आप एक आदरणीया महिला होंगी तथा सौभाग्य से अपना जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगी। साथ ही व्यापार संबंधी लाभ भी समय समय पर होता

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE
www.duastro.com || info@duastro.com || +91-9667311033

रहेगा।

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

www.duastro.com || info@duastro.com || +91-9667311033

पराक्रम, सहोदर, प्रकाशन एवं लघुयात्राएं

Duastro Male

आपके जन्म समय में तृतीय भाव में वृश्चिक राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है। अतः इसके प्रभाव से आपकी स्मरण शाक्ति प्रबल रहेगी तथा किसी भी वस्तु या विषय को याद करने में दीर्घकाल तक समर्थ रहेंगे। आप एक आत्म विश्वासी, साहसी तथा पराक्रमी पुरूष होंगे तथा अपने इन्हीं गुणों से युक्त होकर समस्त सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करेंगे तथा इनमें आपको इच्छित सफलता भी प्राप्त होगी। मंगल के प्रभाव से आपकी निर्णय लेने की शक्ति दृढ़ रहेगी तथा मस्तिष्क भी हमेशा सक्रिय एवं सजग रहेगा।

चूंकि मंगल भाई बहिनों तथा भूमि संबंधी जायदाद का कारक है। अतः भाई बहिनों से युक्त रहकर उनका पूर्ण सुख, सहयोग प्राप्त करेंगे तथा वे भी आपको पूर्ण सहयोग तथा सम्मान प्रदान करेंगे एवं आपके प्रति हमेशा कर्तव्य परायण तथा विश्वसनीय रहेंगे। अतः उनकी गलतियों को आप समय समय पर क्षमा करते रहेंगे। साथ ही भूमि एवं जायदाद आदि से युक्त रहेंगे तथा इससे आपको प्रचुर लाभ तथा सुख प्राप्त होगा। आप एक साहसी तथा पराक्रमी व्यक्ति होंगे अतः परेशानियों, क्रोधावस्था तथा अनावश्यक वाद विवाद आदि के समय स्वयं को नियंत्रित करने में समर्थ रहेंगे। आपकी नेतृत्व.प्रतिभा तथा अन्य सामाजिक गुणों से लोगों के मध्य अपना वर्चस्व बनाएं रखने में सफल रहेंगे। साथ ही संचार संबंधी उपकरणों की भी आपको प्राप्ति होगी एवं सुख पूर्वक इनका उपभोग करेंगे। संगीत के प्रति भी समय समय पर आप अपनी रूचि का प्रदर्शन करेंगे। दूर समीप की यात्राओं से भी आप लाभ तथा मित्रों को प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। परन्तु मित्रों से आपको सतर्क भी रहना चाहिए ।इसके अतिरिक्त आप पराक्रमी कार्यो को सम्पन्न करेंगे तथा अन्य जनों से भी यदाकदा विवाद भी हो सकता है अतः सतर्क रहें।

Duastro Female

आपके जन्म समय में तृतीय भाव में वृश्चिक राशि उदित हुई है जिसका स्वामी मंगल है। अतः इसके प्रभाव से आपकी स्मरण शक्ति प्रबल रहेगी तथा किसी भी वस्तु को आप चिर काल तक नहीं भूलेंगे। आप एक आत्म विश्वासी, साहसी तथा पराक्रमी महिला होंगी तथा अपने इन्हीं गुणों से सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करेंगी तथा इनमें आपको इच्छित सफलता भी प्राप्त होगी। मंगल के प्रभाव से आपकी निर्णय लेने की शक्ति दृढ़ रहेगी तथा मस्तिष्क भी हमेशा सक्रिय एवं सजग रहेगा।

जीवन में भाई बहिनों से आप युक्त रहेंगी तथा उनसे पूर्ण सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। साथ ही आप भी उनका पूरा ध्यान रखेंगी एवं सुख दुख में उनकी सेवा तथा सहायता करने के लिए तत्पर रहेंगी। आपके प्रति वे हमेशा आज्ञाकारी, विश्वसनीय तथा कर्तव्य परायण रहेंगे। अतः पारिवारिक शान्ति तथा समृद्धि के लिए उनकी गलतियों को भी क्षमा कर

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA
www.duastro.com || info@duastro.com || +91-9667311033

देंगी। साथ ही जमीन जायदाद आदि से भी युक्त रहेंगी एवं इससे आपको प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होगा। आप परेशानी, क्रोधावस्था तथा अनावश्यक वादविवाद आदि में अप्रिय स्थिति से बचने में समर्थ रहेंगी। अपनी नेतृत्व प्रतिभा तथा अन्य गुणों से समाज में आप एक गणमान्य महिला होंगी। आधुनिक संचार संबंधी महत्वपूर्ण उपकरण यथा टेलीफोन, टेलीविजन तथा वाहन आदि से आप युक्त रहेंगी तथा सुख पूर्वक इनका उपभोग करेंगी । यदा कदा संगीत के प्रति भी आप रूचिशीलता का प्रदर्शन करेंगी । दूर समीप की यात्राओं से भी आपको लाभ होगा। इसके अतिरिक्त आप पराक्रमी कार्यो को सम्पन्न करेंगी तथा अन्य जनों से यदा कदा विवाद भी होगा अतः सतर्क रहें।

DUASTRO

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

शिक्षा, माता, वाहन एवं जायदाद

Duastro Male

आपके जन्मसमय में चतुर्थ भाव में धनुराशि हो रही थी जिसका स्वामी वृहस्पति है तथा सूर्य भी मित्रराशि में चतुर्थभाव में ही स्थित है। अतः इसके शुभ प्रभाव से जीवन में आप समस्त सांसारिक सुखों को प्राप्त करने में समर्थ होंगे। आधुनिक एवं भौतिक सुख–संसाधन भी आपको प्राप्त होंगे जिसका आप आनंदपूर्वक उपयोग करेंगे। आप एक बुद्धिमान एवं शिक्षित व्यक्ति होंगे फलतः इन गुणों से आप सुख–संसाधन अर्जित करने में समर्थ होंगे। समाज में आपका स्तर सम्मानीय होगा तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे।

आप एक भाग्यशाली व्यक्ति होंगे तथा चल एवं अचल सम्पत्ति का स्वामित्व भी आपको मिलेगा। पिता के द्वारा भी आपको प्रचुर मात्रा में चल एवं अचल सम्पत्ति की प्राप्ति होगी। अपने परिश्रम एवं योग्यता से भी चल एवं अचल सम्पत्ति अर्जित करने में समर्थ होंगे। आपको चल सम्पत्ति से शीध्र लाभ होगा अतः आप समय समय पर पूंजी निवेश करके इसमें वृद्धि कर सकते है।

जीवन में आप उत्तम घर से युक्त होंगे तथा यह विस्तृत एवं आधुनिक रूप से सुसज्जित होगा तथा सभी आवश्यक उपकरण इसमें विद्यमान होगा। आपका घर किसी अच्छी कालोनी में होगा तथा पड़ोसी भी शिक्षित एवं बुद्धिमान होंगे तथा आपसी संबंधों में भी मधुरता बनी रहेगी। आप उत्तम वाहन से भी युक्त होंगे तथा सुखपूर्वक इसका उपयोग करेंगे। इसके अतिरिक्त पिता या सरकार के द्वारा प्रदत्त वाहन से भी युक्त होंगे।

आपकी माताजी तेजस्वी, शिक्षित एवं बुद्धिमान महिला होंगी तथा अपने उत्तम कार्य कलापों से सबको प्रभावित करेंगी। परिवार के सदस्यों का वह पूर्ण ध्यान रखेगी तथा अपनी ओर से किसी को भी कोई कष्ट नहीं होने देंगी। परिवार के सदस्य भी उन्हें यथोचित मान– सम्मान प्रदान करेंगे। आपके प्रति उनके मन में प्रबल वात्सल्य का भाव होगा तथा समय समय पर उनसे आपको नैतिक एवं आर्थिक सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। आपकी उन्नति एवं शिक्षा के क्षेत्र में उनका प्रमुख योगदान होगा। आप भी माता का पूर्ण सम्मान करेंगे तथा सुख–दुःख में उनका पूर्ण ध्यान रखेंगे इससे परस्पर सामंजस्य बना रहेगा एवं संबंधों में भी मधुरता विद्यमान होगी।

आप प्रारंभ से ही अध्ययनशील प्रवृति के व्यक्ति होंगे तथा स्वपरिश्रम एवं बुद्धिमता से शिक्षा में सफलता अर्जित करेंगे। प्रारंभिक कक्षाओं से ही आप अच्छे अंको से परीक्षाएं उतीर्ण करेंगे तथा स्नातक परीक्षा भी ससम्मान उतीर्ण करेंगे। इससे आपके आत्म–विश्वास में वृद्धि होगी तथा भविष्य में उन्नति के लिए तत्पर होंगे। इसके अतिरिक्त आप किसी व्यावसायिक शिक्षा में डिग्री भी अर्जित कर सकते है जिससे आपका भविष्य उज्ज्वल होगा।

चतुर्थ भाव में नैसर्गिक, तेजस्वी ग्रह सूर्य के प्रभाव से मध्यावस्था के बाद आपको

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE
www.duastro.com || info@duastro.com || +91-9667311033

न्यूनाधिक रूप से रक्त चाप या हृदय संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। अतः पथ्यापथ्य का यदि आप उचित ध्यान रखें तो इन परेशानियों से आप मुक्त हो सकते है।

Duastro Female

आपके जन्म समय में चतुर्थ भाव में धनुराशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है तथा शनि भी चतुर्थ भाव में ही स्थित है। अतः इसके प्रभाव से जीवन में आपको वांछित सुखों की प्राप्ति तो अवश्य होगी परंतु उसमें आपको अधिक परिश्रम करना पड़ेगा तथा सुख प्राप्ति में विलम्ब भी होगा परंतु इससे आपको निराश नहीं होना चाहिए। क्योंकि आप एक परिश्रमी तथा बुद्धिमान महिला हैं तथा अपने इन गुणों से आप न्यूनाधिक रूप से भौतिक एवं आधुनिक सुखों की प्राप्ति करके उनका उपभोग करने में समर्थ हो सकती हैं।

जीवन में आप चल एवं अचल सम्पत्ति से भी युक्त होंगी तथा उनसे आपकी भौतिक समृद्धि में वृद्धि होगी। आप किसी वृद्ध महिला से चल एवं अचल सम्पत्ति की अधिकारी भी हो सकती हैं। लेकिन ये सभी चीजें आपको काफी परिश्रम एवं विलम्ब से प्राप्त होगी। इसके अतिरिक्त विवादित सम्पत्ति से आपको हमेशा दूर ही रहना चाहिए तथा इससे कोई संबंध नहीं रखना चाहिए क्योंकि इससे आपको अनावश्यक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आपको चल की अपेक्षा अचल सम्पत्ति का ही संग्रह करना चाहिए।

आप प्रारंभ में किसी मध्यम गृह में निवास करेंगी परंतु मध्यावस्था के बाद आपको उत्तम एवं आधुनिक रूप से सुसज्जित घर की प्राप्ति होगी। यह किसी अच्छी कालोनी में होगा तथा वहां आपका प्रभाव बना रहेगा परंतु पड़ोसियों से संबंध औपचारिक ही रहेंगे। इसके अतिरिक्त वाहन सुख भी आपको प्राप्त होगा तथा सुखपूर्वक उपभोग करेंगी लेकिन अपने वाहन की प्राप्ति किंचित विलम्ब से हो सकती हैं।

आपकी माता जी तेजस्वी, शिक्षित एवं बुद्धिमान महिला होंगी उनका व्यक्तित्व भी आकर्षक होगा। वे व्यावहारिक महिला होंगी तथा अपने कार्य कलापों से सभी पारिवारिक सदस्यों को प्रभावित करेंगी परंतु यदा कदा उनकी तेजस्वी प्रवृति से किसी को अल्प कालिक परेशानी हो सकती है। आपके प्रति उनके मन में वात्सल्य एवं स्नेह का भाव विद्यमान होगा तथा समयानुसार उनसे आपको विशिष्ट सहयोग की प्राप्ति होगी तथा आपकी उन्नति में उनका काफी योगदान होगा तथापि आपसी मतभेदों के कारण यदा कदा संबंधों में तनाव का भाव उत्पन्न हो सकता है। अतः ऐसी स्थितियों की यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए तथा परस्पर सामंजस्य बनाए रखना चाहिए।

विद्याध्ययन में प्रारंभ से ही आप की रूचि होगी परंतु अत्यधिक परिश्रम एवं बुद्धिमता से ही आप स्नातक परीक्षा उतीर्ण करेंगी लेकिन छोटी कक्षाओं में आपकी प्रगति संतोष जनक रहेगी। अतः आपको स्नातक परीक्षा की अपेक्षा किसी तकनीकी शिक्षा का पाठयक्रम करना चाहिए। इससे आपको अल्प परिश्रम से ही सफलता मिलेगी जिससे आपके अत्मविश्वास में वृद्धि

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA
www.duastro.com || info@duastro.com || +91-9667311033

होगी तथा उज्ज्वल भविष्य बनाने में समर्थ होंगी।

चतुर्थ भाव में शनि की स्थिति से मध्यावस्था के बाद आप रक्त चाप एवं हृदय संबंधी परेशानियों का सामना कर सकती है। अतः ऐसी स्थितियों से बचने के लिए आपको उचित खान–पान की ध्यान रखना चाहिए। इससे आप सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक जीवन यापन करेंगी।

DUASTRO
ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

प्रणय सम्बन्ध, सन्तान एवं बुद्धि

Duastro Male

आपके जन्मसमय में पंचमभाव में मकर राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है। तथा केतु भी पंचमभाव में ही स्थित है। अतः इसके प्रभाव से आप तीव्र एवं उग्र बुद्धि के स्वामी होंगे तथा आपके कार्य कलापों पर इस तीव्रता एवं उग्रता की अवश्य छाप होगी। इससे अन्य सामाजिक लोग आपसे प्रभावित होंगे। वैदिक साहित्य दर्शन एवं धर्म ग्रंथो में आपकी रूचि अल्प मात्रा में ही होगी परन्तु आधुनिक विज्ञान एवं साहित्य में पूर्ण रूचि होगी तथा यत्न पूर्वक इनके ज्ञानार्जन में नित्य अध्ययनशील होंगे तथा परिश्रम पूर्वक उनमें विशिष्ट शोध कार्य या सिद्धांतों का प्रति–पादन भी कर सकते है। इस सबसे आप एक विद्वान के रूप में समाज के समक्ष स्वयं को स्थापित करेंगे जिससे वांछित सम्मान प्राप्त होगा।

केतु की स्थिति शनि की राशि में होने के कारण प्रेम प्रसंगों में भी आपकी रूचि होगी। ऐसे सम्बन्ध आप मनोरंजन एवं दिलबहलाव के लिए स्थापित करेंगे। आपके प्रेम प्रसंगो में भावनात्मक आकर्षण की अपेक्षा भौतिक आकर्षण होगा जिससे यदा–कदा आप नैतिकता या मर्यादा का भी अतिक्रमण कर सकते है। लेकिन यदि आप ऐसा करेंगे तो आपको अनावश्यक समस्याओं का सामना करना पड़ेगा तथा सामाजिक सम्मान भी प्रभावित होगा। अतः ऐसी स्थितियों की आपको यत्न पूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए। सन्तति भाव में केतु की स्थिति के प्रभाव से सन्तति प्राप्ति में आपको विलम्ब एवं व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा परन्तु सन्तति अवश्य होगी। आपकी सन्तति तेजस्वी पराक्रमी एवं उग्र स्वभाव से युक्त होगी परन्तु जीवन में स्वपराक्रम से वे उन्नति एवं सफलता के मार्ग पर अग्रसर होंगे। माता–पिता के प्रति आंतरिक रूप से उनके मन में पूर्ण मान–सम्मान का भाव होगा परन्तु प्रत्यक्ष रूप से वे आज्ञापालन कम ही करेंगे तथा अपनी इच्छा के कार्य अधिक करेंगे। वे महत्वपूर्ण शुभ एवं सांसारिक कार्यो को भी अपनी ही इच्छा से सम्पन्न करेंगे तथा माता–पिता से सलाह कम ही लेंगे। लेकिन इसको आप बुरा नहीं मानें तथा उन्हें स्वतन्त्र रूप से कार्य को सम्पन्न करने दें। इसी से दोंनो पक्षों का कल्याण होगा तथा आपस में विश्वास तथा सद्भाव बना रहेगा। इसके अतिरिक्त वृद्धावस्था में अपने लिए यथोचित धन संग्रह करके रखना चाहिए तथा किसी भी प्रकार से बच्चों की ओर से सेवाभाव की अपेक्षा न करें।अध्ययन की दृष्टि से आपकी सन्तति सामान्य उन्नतिशील होगी तथा परिश्रम से ही वे शिक्षा के क्षेत्र में उन्नति करेंगी। हालांकि आप भी उनके लिए किसी भी प्रकार की कमी नहीं करेंगे लेकिन वे पराक्रमी एवं व्यावहारिक होंगे। अतः कम शिक्षा से भी वे जीवन में यथोचित मात्रा में जीविकार्जन में पूर्णरूपेण समर्थ होंगे। अतः आपको उनकी ओर से विशेष चिन्ता नहीं करनी चाहिए। इसके अतिरिक्त उनका अन्य जनों से विवाद होता रहेगा जिससे अपने सद्व्यवहार से संभालने की कोशिश करेंगे लेकिन मानसिक तनाव की अनुभूति करेंगे।

Duastro Female

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE
www.duastro.com || info@duastro.com || +91-9667311033

आपके जन्मसमय में पंचमभाव में मकरराशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है तथा राहु भी पंचमभाव में ही बैठा है। अतः इसके प्रभाव से आप एक बुद्धिमान महिला होंगी तथा आपके सभी कार्यो में बुद्धिमता की स्पष्ट छाप होगी जिससे लोग आपसे प्रसन्न एवं प्रभावित होंगी तथा आपको यथोचित सम्मान भी प्रदान करेंगी। वैदिक साहित्य दर्शन एवं धर्म ग्रन्थों में आपकी रूचि अल्प मात्रा में ही होगी परन्तु आधुनिक, वैज्ञानिक विषयों, साहित्य एवं इतिहास जैसे प्राचीन विषयों में भी आपकी रुचि होगी तथा रूचि पूर्वक इसका अध्ययन करके ज्ञानार्जन करेंगी। पाश्चात्य साहित्य में भी आप रूचिशील होंगी तथा इसका आपको काफी ज्ञान होगा जिससे एक विदुषी के रूप में समाज में अपनी छवि स्थापित करने में समर्थ होंगी।

राहु की पंचमभाव में स्थिति के प्रभाव से प्रेम–प्रसंगों में भी आपकी रूचि होगी तथा प्रेम को मनोरंजन एवं सुख का साधन अधिक समझेंगी। यदि आप प्रेम–प्रसंग में मर्यादा एवं नैतिकता का पालन न कर सके तो इससे आपको अनावश्यक समस्याओं एवं परेशानियों का सामना करना पड़ेगा तथा सामाजिक सम्मान भी प्रभावित हो सकता है। अतः आपको ऐसी स्थिति की यत्न पूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

पंचमभाव में राहु की स्थिति के प्रभाव से आपको पुत्र संतति की प्राप्ति में विलम्ब एवं व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा परन्तु पुत्र संतति की प्राप्ति अवश्य होगी तथा कन्या संतति अधिक हो सकती है। आपकी सन्तति पराक्रमी, तेजस्वी एवं व्यवहारिक प्रवृति की होगी तथा अपने इन्हीं गुणों से वे जीवन में उन्नति तथा सफलताएं अर्जित करेंगी। माता–पिता के प्रति उनके मन में यद्यपि सम्मान एवं श्रद्धा का भाव होगा तथापि उनकी आज्ञापालन की वे उपेक्षा करेंगे। वे सांसारिक कार्यो के महत्व में भी माता पिता का सहयोग एवं सलाह कम ही लेंगे। लेकिन आप को उनकी इस प्रवृति से परेशान नहीं होना चाहिए तथा उन्हें स्वतंत्र रूप से कार्यो को सम्पन्न करने देने चाहिए। इससे आपसी संबंधों में मधुरता होगी तथा विश्वास का भाव भी बना रहेगा। इसके अतिरिक्त वृद्धावस्था में बच्चों से आपको विशेष अपेक्षा नहीं करनी चाहिए तथा अपने लिए प्रचुर मात्रा में धन संचित करके रखना चाहिए जिससे अनावश्यक समस्याओं एवं परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े।

शिक्षा के क्षेत्र में आपकी संतति की उन्नति सन्तोष प्रद होगी तथा परिश्रम से ही वे न्यूनाधिक मात्रा में उन्नति का प्रदर्शन करेंगी यद्यपि आप अपनी ओर से उनके लिए शिक्षा का उचित प्रबन्ध करेंगी तथा आधुनिक परिवेश में उन्हें शिक्षा प्रदान करेंगी। उनकी प्रवृति व्यावहारिक होगी तथा जीवन में उचित शिक्षा अर्जित करके आपकी चिन्ताओं में कमी करेंगे। इसके अतिरिक्त अन्य लोगो से भी उनका समय–समय पर वाद–विवाद होगा जिससे अनावश्यक परेशानी हो सकती है परंतु आप अपने सद्व्यवहार से स्थिति को सम्भालने में समर्थ होंगी। इस प्रकार बच्चों का आपको सामान्य सुख प्राप्त होगा।

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE
www.duastro.com || info@duastro.com || +91-9667311033

रोग, शत्रु, सेवक एवं मामा

Duastro Male

आपके जन्म समय में षष्ठ भाव में कुम्भराशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है। अतः इसके प्रभाव से आपका स्वास्थ्य सामान्यतया अच्छा रहेगा तथा आयु भी दीर्घ होगी। आप एक दयालु तथा सद्प्रवृत्ति के व्यक्ति होंगे परन्तु कभी कभी अपने वार्तालाप में कठोर शब्दों का भी प्रयोग कर सकते हैं। इससे कई लोग आपसे विरोध की भावना रखेंगे। साथ ही लोग आपकी खुशहाली तथा वैभव से ईर्ष्या के कारण भी आपसे शत्रुता का भाव रखेंगे। यद्यपि आप उच्च मान सम्मान प्राप्त करेंगे परन्तु आपका विरोध भी प्रबल रहेगा। आप अपने पारिवारिक सदस्यों पर अत्यधिक व्यय करेंगे तथा इसी परिपेक्ष्य में आपको ऋण आदि भी लेना पड़ सकता है। इससे यदा कदा ऋण मुक्ति में विलम्ब के कारण सम्बन्धित व्यक्ति से आपकी शत्रुता होने की संभावना रहेगी लेकिन अपनी प्रतिभा तथा अधिकार के बल पर आप इन समस्याओं पर विजय प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे।

आपके नौकर आज्ञाकारी होंगे तथा ईमानदारी से आपकी सेवा करते रहेंगे तथा अपने कार्य से आपको वे सन्तुष्ट रखेंगे लेकिन यदा कदा इनसे सामान्य हानि की संभावना रहेगी अतः सतर्क रहना चाहिए। मुकद्दमे आदि के कार्यो में आप लापरवाह रहेंगे। अतः आपको ऐसे मामलों का सावधानी पूर्वक अवलोकन करना चाहिए तथा अपने हिसाब को सही रखना चाहिए। इस प्रकार यदि आप सावधानी पूर्वक अपने इन कार्यो को सम्पन्न करेंगे तो आपको किंचित इसमें विजय प्राप्त होगी। साथ ही फौजदारी मामलों में आप सफलता अर्जित करेंगे।

आपके मामा मामियों से संबंध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे प्रत्यक्ष रूप से वे आपके प्रति अपनत्व की भावना का प्रदर्शन करेंगे परन्तु अप्रत्यक्ष रूप से उनकी आपके लाभ या सहयोग में कोई रूचि नहीं रहेगी अतः संबंधों में मधुरता रखने के लिए बुद्धिमता का प्रयोग करें इसके अतिरिक्त आप वृद्धावस्था में उदर या गुर्दे संबन्धी परेशानी से भी पीड़ित हो सकते हैं। अतः खान पान संबंधी परहेज भी रखना चाहिये।

Duastro Female

आपके जन्म समय में षष्ठ भाव में कुम्भ राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है। अतः इसके प्रभाव से आपका स्वास्थ्य सामान्यतया अच्छा रहेगा तथा आयु भी दीर्घ होगी। आप एक दयालु प्रवृत्ति की महिला होंगी परन्तु यदा वार्तालाप में कठोर शब्दों का प्रयोग कर सकती है इससे कई लोग आपसे विरोध की भावना रखेंगे। साथ ही लोग आपके वैभव एवं खुशाहली से ईर्ष्या के कारण भी आपसे शत्रुता का भाव रखेंगे। यद्यपि आप एक सम्मानीया महिला होंगी तथापि आपका विरोधी पक्ष भी प्रबल रहेगा। आप अपने पारिवारिक सदस्यों पर अत्यधिक व्यय करेंगी। अतः इसी परिपेक्ष्य में आपको ऋण आदि भी लेना पड़ सकता है। इसके

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA
www.duastro.com || info@duastro.com || +91-9667311033

भुगतान में विलम्ब के कारण ऋणदाता द्वारा आपके सम्मान में हानि की संभावना हो सकती है लेकिन अपनी प्रतिभा तथा अधिकार के बल पर आप इन समस्याओं का सामना एवं समाधान करने में समर्थ रहेंगी।

आपका सेवक वर्ग आज्ञाकारी रहेगा तथा पूर्ण ईमानदारी से आपकी सेवा करने में तत्पर रहेंगे। अपने कार्य से वे आपको सन्तुष्ट रखेंगे लेकिन यदा कदा इनसे मान हानि की भी संभावना रहेगी अतः इनसे व्यक्तिगत कलह तथा कीमती वस्तुओं को हमेशा दूर रखना चाहिए। मुकद्दमे आदि कार्यो के प्रति आप लापरवाह रहेंगी परन्तु आपको ऐसे मामलों का सावधानी एवं सतर्कता पूर्वक अवलोकन करना चाहिए तथा अपने व्यापारिक तथा अन्य हिसाब को सही रखना चाहिए। यदि आप इस प्रकार से नियमानुसार कार्य सम्पन्न करती रहें तो आपको किसी भी क्षेत्र में कोई विशेष परेशानी नहीं होगी। साथ ही फौजदारी मुकद्दमे में आपको सफलता प्राप्त हो सकती है।

मामा मामियों से आपके संबंध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे। प्रत्यक्ष रूप से तो आपके प्रति वे सदभावना का प्रदर्शन करेंगे परन्तु अप्रत्यक्ष रूप से उनकी आपके सहयोग आदि में कोई भी रूचि नहीं रहेगी। अतः संबंधों में मधुरता रखने के लिए बुद्धिमता का प्रयोग करना चाहिए। इसके अतिरिक्त वृद्धावस्था में आप गुर्दे तथा उदर संबन्धी परेशानी की अनुभूति कर सकती है। अतः युवावस्था में खान पान संबंधी परहेज अवश्य रखें।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

परिवार, विवाह एवं साझेदार

Duastro Male

आपके जन्म समय में सप्तम भाव में मीन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है सामान्यतया सप्तम भाव में मीन राशि की स्थिति से जातक का सहयोगी सुशील वात कफ प्रकृति वाला आस्तिक एवं धनवान होता है। वह स्वभाव से सौम्य , कर्तव्य परायण एवं सांसारिक कार्यो में दक्ष होता है।

अतः इसके प्रभाव से आपकी पत्नी सुशील होंगी तथा स्वभाव से सौम्य रहेगी। सांसारिक कार्यो को सम्पन्न करने में वह बुद्धिमता का प्रर्दशन करेंगी जिससे यथा समय कार्य पूर्ण होंगे।साथ ही कर्तव्य परायणता के भाव से भी युक्त होंगी।

आपकी पत्नी का वर्ण गौरवर्ण होगा तथा कद भी सामान्य रहेगा साथ ही शारीरिक संरचना उनकी आकर्षक होगी तथा अंग प्रत्यंग भी सुडौलएवं पुष्ट होंगे जिससे उनके व्यक्तित्व एवं सौन्दर्य के आकर्षण में वृद्धि होगी। सौन्दर्य की वृद्धि के लिए समयानुसार आधुनिक सौन्दर्य प्रसाधनों का प्रयोग करेंगी। कला एवं संगीत में उनकी रूचि होगी तथा इस पर अपना समय भी व्यतीत करेंगी इसके अतिरिक्त भौतिक एवं संदर वस्तुओं के प्रति भी उनके मन में प्रबल आकर्षण रहेगा।

आपका विवाह विज्ञापन के द्वारा सम्पन्न होगा या आप स्वेच्छा से प्रेम विवाह भी सम्पन्न कर सकते है विवाह के बाद आपका दाम्पत्य जीवन सामान्यतया सुखी होगा एवं एक दूसरे के प्रति प्रेम एवं सम्मान की भावना रहेगी साथ ही सांसारिक महत्व के कार्यो को एक दूसरे की सलाह तथा सहमति से सम्पन्न करेंगे।

आपका विवाह किसी समृद्ध परिवार में सम्पन्न होगा तथा विवाह में आपको प्रचुर मात्रा में दहेज के रूप में धन सम्पति की प्राप्ति होगी एवं अन्यत्र से भी बहुमूल्य उपकरण तथा वस्तुएं उपहार में मिलेंगी। सास ससुर के साथ में आपके औपचारिक संबंध बने रहेंगे तथा विवाह के बाद भी उनसे नैतिक तथा अन्य प्रकार का सहयोग मिलता रहेगा।

सास ससुर के प्रति आपकी पत्नी का सेवा भाव अनुकूल रहेगा तथा वह सुख दुख में उनका यथोचित ध्यान रखेंगी। देवर एवं ननदों को प्रभावित तथा सन्तुष्ट रखने में समर्थ रहेंगी।

व्यापार या अन्य महत्वपूर्ण कार्यो में साझेदारी के लिए स्थिति अनुकूल रहेगी तथा लाभ एवं उन्नति मार्ग प्रशस्त रहेंगे।

Duastro Female

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE
www.duastro.com || info@duastro.com || +91-9667311033

आपके जन्म समय में सप्तम भाव में मीन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है सामान्यतया सप्तम भाव में मीन राशि की स्थिति से जातक का सहयोगी सुशील वात कफ प्रकृति वाला आस्तिक एवं धनवान होता है साथ ही स्वभाव से वह शांत, कर्तव्यपरायण एवं सांसारिक कार्यो में दक्ष होता है।

अतः इसके प्रभाव से आपके पति सुशील एवं शांत स्वभाव के होंगे। सांसारिक कार्यो को सम्पन्न करने में वह बुद्धिमता का प्रर्दशन करेंगे। जिससे शीर्घ ही कार्य में सफलता प्राप्त होगी। बुध के प्रभाव से उनमें कर्तव्य परायणता का भाव भी रहेगा।

आपके पति का वर्ण गौरवर्ण होगा तथा कद भी सामान्य रहेगा साथ ही शारीरिक संरचना उनकी आकर्षक होगी तथा शरीर में पुष्टता बनी रहेगी जिससे उनके व्यक्तित्व एवं सौन्दर्य के आकर्षण में वृद्धि होगी। कला एवं संगीत में उनकी रूचि होगी तथा इस पर अपना समय भी व्यतीत करेंगे इसके अतिरिक्त भौतिक एवं संदर वस्तुओं के प्रति भी उनके मन में प्रबल आकर्षण रहेगा।

आपका विवाह विज्ञापन के द्वारा सम्पन्न होगा। आप स्वेच्छा से प्रेम विवाह भी सम्पन्न कर सकती हैं। विवाह के बाद आपका दाम्पत्य जीवन सामान्यतया सुखी होगा एवं एक दूसरे के प्रति प्रेम एवं सम्मान की भावना रहेगी। साथ ही सांसारिक महत्व के कार्यो को एक दूसरे की सलाह तथा सहमति से सम्पन्न करेंगे आपके पति के स्वभाव में सौम्यता रहेगी। जिससे संबंधों में मधुरता बनी रहेगी।

आपका विवाह किसी समृद्ध परिवार में सम्पन्न होगा तथा विवाह में मायके से आपको प्रचुर मात्रा में दहेज के रूप में धन सम्पति की प्राप्ति होगी एवं अन्यत्र से भी बहुमूल्य उपकरण तथा वस्तुएं उपहार में मिलेंगी। सास ससुर के साथ आपके औपचारिक संबंध बने रहेंगे।

सास ससुर के प्रति आपके पति का सेवा भाव रहेगा। तथा वह सुख दुख में उनका यथोचित ध्यान रखेंगे। साले एवं सालियों को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में समर्थ रहेंगे।

व्यापार या अन्य महत्वपूर्ण कार्यो में साझेदारी के लिए स्थिति अनुकूल रहेगी तथा लाभ एवं उन्नति के मार्ग प्रश्क्त होंगे।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

आयु, दुर्घटना एवं बीमा

Duastro Male

आपके जन्म समय में अष्टम भाव में मेष राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है। अतः इसके प्रभाव से आपका ज्यौतिष या तंत्र मंत्र अथवा आध्यात्मिकता के प्रति विशेष रूचि या श्रद्धा नहीं रहेगी। इसका मुख्य कारण यह होगा कि आप अपने कार्य क्षेत्र में व्यस्त रहेंगे तथा परिश्रम एवं पराक्रम से अपने कार्यो को सम्पन्न करेंगे। साथ ही अन्यत्र भी अपने कार्य कलापों में संलग्न रहेंगे जिससे आपके पास समयाभाव रहेगा। यदि आपके पास समय बचा तो आप इसको खेल आदि में व्यतीत करना अधिक उचित समझेंगे। लेकिन यदा कदा आध्यत्म संबन्धी प्रवचनों का श्रवण कर सकते हैं। आप पैतृक सम्पत्ति से जीवन में लाभ अवश्य अर्जित करेंगे। आप एक भाग्यवान पुरूष होंगे तथा विस्तृत जमीन जायदाद के स्वामी बनेंगे। यदि आप इसे बेचना भी चाहेंगे तो इसमें आपको मनोवांछित लाभ की प्राप्ति होगी। साथ ही दिन पर दिन इसकी कीमत में वृद्धि होगी। अतः आप इच्छित कीमत पर इसे बेचकर प्रचुर मात्रा में लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे ।

आप शादी के समय दहेज या अन्य प्रकार के उपहारों को इच्छित मात्रा में प्राप्त करेंगे। यद्यपि आपके स्तर के अनुसार इसमें प्रचुरता नहीं होगी फिर भी इसके द्वारा आप अपने रहन सहन आदि के स्तर में वृद्धि करने में समर्थ सिद्ध होंगे। बीमा आदि से भी आपको लाभ होगा तथा समय समय पर स्वयं का तथा अन्य वस्तुओं यथा वाहन मकान आदि का भी बीमा करवाएंगे। आपकी कुडंली में घर में चोरी या डकैती के कोई योग नहीं बनते है। यदि ऐसी घटनाएं हो जाएं तो वह सामान्य होगी तथा तथा इसमें चिन्ता करने की कोई बात नहीं होगी क्योंकि आप बहुमूल्य वस्तुओं को पहले ही सुरक्षित स्थान पर रख देंगे। आपकी आयु लम्बी रहेगी तथा सामान्यतया आनन्द पूर्वक समय व्यतीत करेंगे।

Duastro Female

आपके जन्म समय में अष्टम भाव में मेष राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है। अतः इसके प्रभाव से आपकी आध्यत्म ज्यौतिष या तंत्र मंत्र के प्रति विशेष रूचि नहीं रहेगी। इसका मुख्य कारण यह होगा कि आप अपने कार्य क्षेत्र में पूर्ण व्यस्त रहेंगी तथा परिश्रम एवं पराक्रम से अपने कार्यो को सम्पन्न करेंगी तथा भाग्य की अपेक्षा कर्म पर ही अधिक विश्वास करेंगी। इस प्रकार व्यस्तता तथा तत्परता के कारण आपके पास समय का अभाव रहेगा। यदि आपके पास समय बचे तो आप अन्यत्र उसका सदुपयोग करना पसन्द करेंगी लेकिन आध्यात्म संबन्धी प्रवचनों का आप यदा कदा श्रवण कर सकती हैं। जीवन में आपको पैतृक सम्पत्ति प्राप्त होगी तथा विस्तृत जमीन जायदाद की स्वामिनी बनेंगी। यदि आप इसका विक्रय भी करेंगी तो इससे आपको वांछित कीमत मिलेगी। इसकी कीमतों में निरन्तर वृद्धि के कारण इसे इच्छित कीमत पर बेचकर वांछित धन अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA
www.duastro.com || info@duastro.com || +91-9667311033

आपका दाम्पत्य जीवन सामान्यतया अच्छा रहेगा तथा ससुराल में किसी प्रकार की कमी नहीं होगी तथा सर्वप्रकार के सुख संसाधनों से वे युक्त रहेंगे। बीमा आदि करने से भी आपको इच्छित लाभ होगा। अतः समय समय पर आप अपना तथा महत्वपूर्ण वस्तुओं का मकान या अन्य का बीमा करवाती रहें। आपकी कुंडली में घर में चोरी आदि की समस्याएं अल्प रहेंगी तथापि सुरक्षा वश आपको बहुमूल्य वस्तुओं को सुरक्षित स्थान पर रखना चाहिए लेकिन दुर्घटना आदि के प्रति आपको पूर्ण रूप से सचेत रहना चाहिए अन्यथा न्यूनाधिक रूप से ऐसी घटना जीवन में घट सकती है लेकिन उससे कोई विशेष हानि नहीं होगी। आपकी आयु अच्छी रहेगी तथा सामान्यतया अपना सांसारिक जीवन सुख पूर्वक ही व्यतीत करेंगी।

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

प्रसिद्धि, पूजा, उच्चशिक्षा एवं लम्बी यात्राएं

Duastro Male

आपके जन्म समय में नवम भाव में वृष राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है। अतः इसके प्रभाव से आप धार्मिक प्रवृति के व्यक्ति होंगे तथा यह धार्मिकता आपको पैतृक एवं पारिवारिक संस्कारों के रूप में प्राप्त होगी। धार्मिक कार्य कलापों को आप श्रद्धा पूर्वक सम्पन्न करेंगे तथा दैनिक पूजा के प्रति भी रूचिशील रहेंगे। यद्यपि युवावस्था में आप दैनिक पूजा अल्प मात्रा में ही सम्पन्न कर पाएंगे। लेकिन ईश्वर के प्रति आपके मन में पूर्ण आस्था विद्य मान रहेगी। आप आध्यात्म तथा ध्यान योग के प्रति पूर्ण इच्छुक रहेंगे तथा उपरोक्त विषयों के ग्रंथों का रूचिपूर्वक अध्ययन करके ज्ञानार्जित करेंगे। आपकी अर्न्तप्रज्ञा शक्ति भी उत्तम रहेगी तथा ज्यौतिष तंत्र मंत्र या हस्तविज्ञान का आपको उत्तम ज्ञान रहेगा या इनके प्रति श्रद्धा रहेगी तथा आपकी अधिकाशं भविष्यवाणियां सही होंगी। अन्तर्प्रज्ञा की वृद्धि के लिए आप समय समय पर ध्यान या पूजा का विशिष्ट आयोजन करेंगे।

आप उच्च शिक्षा अर्जित करेंगे तथा इसके द्वारा आपको समाज में मान सम्मान तथा कीर्ति प्राप्त होगी। साथ ही तीर्थ स्थानों की शुभ यात्राएं करने में भी इच्छुक रहेंगे तथा इन यात्राओं से लाभ ज्ञान तथा सम्मान अर्जित होगा। वैदिक साहित्य में भी आपकी रूचि रहेगी तथा वृद्धावस्था में अपना अधिकांश समय भजन कीर्तन में व्यतीत करेंगे। आपको वैभव शाली तथा विश्राम पूर्ण जीवन व्यतीत करना अच्छा लगेगा। साथ ही अपने परिश्रम एवं सौभाग्य से ऐश्वर्य पूर्ण जीवन व्यतीत करने में समर्थ रहेंगे। आपको अपने पौत्रों के द्वारा सुख सहयोग एवं आनंद की प्राप्ति होगी। वास्तव में आप ने पूर्व जन्म में कई पुण्य के कार्य किए जिससे आपका यह जीवन सर्व सम्पति से युक्त होकर व्यतीत होगा। इसके अतिरिक्त आप दीनों की सहायता करने वाले दानी, सर्व अलंकारों से युक्त तथा अतिथि सेवा में तत्पर रहकर धार्मिक प्रवृति के व्यक्ति होंगे।

Duastro Female

आपके जन्म समय में नवम भाव में वृष राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है। अतः इसके प्रभाव से आप धार्मिक प्रवृति की महिला होंगी तथा यह गुण आपको पैतृक एवं पारिवारिक संस्कारों से प्राप्त होगा। धार्मिक कार्य कलापों को आप श्रद्धा पूर्वक सम्पन्न करेंगी तथा दैनिक पूजा या पाठ आदि में भी तत्पर रहेंगी। यद्यपि युवावस्था में दैनिक पूजा या ध्यान करने में असमर्थ सी रहेंगी परन्तु ईश्वर के प्रति आपकी पूर्ण आस्था विद्यमान रहेगी। साथ ही आध्यात्मिक तथा ध्यान योग के प्रति भी रूचिशील रहेंगी तथा उपरोक्त विषयों के ग्रंथों का रूचि पूर्वक अध्ययन करेंगी। आपकी अन्तर्प्रज्ञा शक्ति भी प्रबल रहेगी तथा ज्यौतिष आदि शास्त्रों के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा का भाव रहेगा तथा इनका न्यूनाधिक ज्ञानार्जन में भी रूचिशील रहेंगी इसके अतिरिक्त आपके पूर्वाभास तथा भविष्य वाणियां भी सत्य सिद्ध होंगी।

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE
www.duastro.com || info@duastro.com || +91-9667311033

उच्च शिक्षा प्राप्त करने में आप समर्थ रहेंगी तथा इसके द्वारा समाज में इच्छित मान सम्मान तथा प्रसिद्धि प्राप्त होगी। साथ ही तीर्थ स्थानों की भी आप यात्रा करेंगी जिससे आपको ज्ञान तथा लाभ अर्जित होगा। वैदिक साहित्य में भी आपकी रूचि रहेगी तथा वृद्धावस्था में अपना अधिकांश समय भगवत भजन में व्यतीत करेंगी आप अपने परिश्रम एवं सौभाग्य से वैभवशाली जीवन व्यतीत करने में भी समर्थ रहेंगी।

पौत्रों के द्वारा आपको इच्छित सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। साथ ही अपने पूर्व जन्म के पुण्यों के द्वारा इस जीवन में सुख एवं वैभव अर्जित करेंगी। इसके अतिरिक्त आप दीनों की सहायता करने वाली, दानी, सर्व अलंकरों से युक्त तथा अतिथि सेवा में तत्पर रहकर धार्मिक प्रवृति का अनुपालन करती हुई अपने जीवन को आनन्द पूर्वक व्यतीत करेंगी।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

व्यवसाय, पिता एवं सामाजिक स्तर

Duastro Male

आपके जन्म समय में दशम भाव में मिथुन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है। साथ ही चन्द्रमा भी दशम भाव में ही स्थित है। मिथुन राशि वायुतत्व तथा चन्द्रमा जलतत्व युक्त ग्रह है। अतः इनके प्रभाव से आपका कार्यक्षेत्र श्रमसाध्य के साथ साथ बौद्धिक क्रियाओं से सम्पन्न होगा तथा इसमें आप समय समय पर परिवर्तन करने के भी इच्छुक होंगे तथा ऐसे सामयिक परिवर्तनों से आप को लाभ की प्राप्ति होगी।

आजीविका की दृष्टि से आपके लिए जलविभाग, वस्त्र उत्पादन फैक्टरी, स्टेनो ग्रफर, कैमिकल्स, कार्यालय सहायक, सचिव, जलसेना, जहाजरानी विभाग अनुकूल रहेंगे। इन विभागों में कार्य करने से आपको वांछित उन्नति एवं सफलता मिलेगी तथा मानसिक रूप से भी आप सतुष्टि की अनुभूति करेंगे।

व्यापारिक दृष्टि से आपके लिए जलोत्पन्न पदार्थो यथा शंख, मोती, प्रवाल, मछली का व्यापार, मिटटी के खिलौने, ईट, वालू आदि का कार्य, कलात्मक वस्तुओं के क्रय विक्रय निर्माण कार्य, आंलकारिक वस्तुओं का व्यापार, द्रव्य पदार्थो यथा दूध दही धी का व्यापार से लाभ होगा। साथ ही सफेद एवं रेशमी वस्त्रों के व्यापार से भी आपको इच्छित लाभ की प्राप्ति होगी। अतः यदि आप व्यापार प्रारंभ करना चाहते है तो आपको इन्हीं क्षेत्रों में अपना कार्य प्रारंभ करें इससे आपको इच्छित सफलता की प्राप्ति होगी तथा धन एवं लाभ भी प्रचुर मात्रा में अर्जित होगा।

दशम भाव में चन्द्रमा के प्रभाव से आपको जीवन में वांछित मान सम्मान एवं प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी तथा किसी उच्च एवं सम्मानीय पद को अर्जित करने में भी समर्थ होंगे। आप एक भाग्यशाली व्यक्ति भी होंगे तथा सौभाग्य से जीवन में यश भी अर्जित करेंगे जिससे समाज में आपके प्रभाव में वृद्धि होगी तथा सभी लोग यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। इसके साथ ही आप किसी सामाजिक या सांस्कृतिक संस्था के भी पदाधिकारी हो सकते है जो आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि कारक होगा।

आपके पिता सुंदर एवं आकर्षक व्यक्तित्व के व्यक्ति होंगे तथा उनका स्वभाव शांत एवं हास्यप्रिय होगा तथा सामाजिक कार्यो को करने में वे सर्वदा तत्पर होंगे। इनसे उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आपके प्रति उनके मन में पूर्ण वात्सल्य का भाव होगा तथा उच्च शिक्षा का वे समुचित प्रबंध करेंगे। आपके कार्यक्षेत्र में उन्नति तथा सफलता में उनका मुख्य योगदान होगा तथा इससे आपके प्रभाव में वृद्धि होगी। आप भी एक योग्य एवं कर्तव्यपरायण व्यक्ति होंगे तथा अपने परिश्रम पूर्ण कार्य से पिता के सम्मान एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि करेंगे। आपके परस्पर संबंधों में भी मधुरता रहेगी तथा एक दूसरे से वैचारिक तथा सैद्धान्तिक समानता भी होगी। साथ ही आप में आज्ञाकारिता का भाव भी होगा जिससे जीवन सुखपूर्वक

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA
www.duastro.com || info@duastro.com || +91-9667311033

व्यतीत होगा।

Duastro Female

आपके जन्म समय में दशम भाव में मिथुन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है। साथ ही बृहस्पति भी दशम भाव में ही स्थित है। मिथुन राशि एवं बृहस्पति ग्रह दोनों वायु तत्व प्रधान है। अतः इनके प्रभाव से आपका कार्यक्षेत्र बौद्धिक एवं मानसिक क्रिया प्रधान होगा तथा श्रमसाध्य के भाव की इसमें न्यूनता होगी। साथ ही आप किसी स्वतंत्र कार्य करने की इच्छुक होंगी तथा इसमें सामयिक परिवर्तन भी करेंगी जिससे वांछित लाभ के प्रबल योग बनेंगे।

बृहस्पति की दशम भाव में स्थिति के प्रभाव से आपके लिए आजीविका संबंधी क्षेत्र शिक्षक या व्याख्याता, धर्मोपदेशक प्रोफेसर, वकील, न्यायधीश, बैंक अधिकारी, शेयर ब्रोकर, सरकारी विभाग में सचिव, सलाहकार तथा प्रशासानिक क्षेत्र उत्तम एवं अनुकूल रहेंगे। इन क्षेत्रों में कार्य करने से आपको वांछित उन्नति एवं सफलता की प्राप्ति होगी तथा अनावश्यक समस्याओं एवं व्यवधानों से सुरक्षित रहेंगे। अतः यदि आप आजीविका क्षेत्र में वांछित सफलता तथा प्रसिद्धि प्राप्त करना चाहते है तो उपरोक्त क्षेत्रों में ही अपनी आजीविका का चयन करना चाहिए।

व्यापारिक क्षेत्र में आपके लिए सुवर्ण आदि धातु व्यापार, शेयर क्रय विक्रय का कार्य, वित्तीय संस्था द्वारा या ब्याज द्वारा आप वांछित लाभ एवं धन अर्जित करने में समर्थ होंगी। इसके साथ ही कम्पनी के स्वामित्व, वकील का स्वतंत्र व्यवसाय तथा किसी संस्था के स्वामित्व से भी आपको इच्छित लाभ एवं धन की प्राप्ति होगी। अतः यदि आप व्यापारिक क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता बिना किसी समस्याओं एवं व्यवधानों के प्राप्त करना चाहती हैं तो उपरोक्त क्षेत्रों में ही व्यापार का प्रारंभ करना चाहिए।

दशम भाव में बृहस्पति के शुभ प्रभाव से जीवन में आपको इच्छित मान प्रतिष्ठा एवं सम्मान की प्राप्ति होगी तथा किसी उच्चाधिकार प्राप्त पद को अर्जित करने में भी सफल होंगी। समाज में आप एक प्रभावशाली महिला होंगी तथा सभी लोग आपको वांछित आदर प्रदान करेंगे। साथ ही समाज में आपकी प्रसिद्धि भी दूर दूर तक व्याप्त होगी। इसके अतिरिक्त आप किसी सामाजिक या शैक्षणिक संस्था में किसी सम्मानित पदाधिकारी के रूप में भी कार्य कर सकती हैं। इससे आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा मानसिक सन्तुष्टि मिलेगी।

दशम भाव में बृहस्पति के प्रभाव से आपके पिता जी शिक्षित विद्वान एवं प्रभावशाली व्यक्ति होंगे तथा सामाजिक जनों के मध्य उनका पूर्ण आदर रहेगा एवं लोगों को वे अपना सहयोग प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे। आपके प्रति उनका पूर्ण वात्सल्य का भाव होगा तथा शिक्षा का उच्चस्तर पर समुचित प्रबंध करेंगे। साथ ही कार्यक्षेत्र में उन्नति तथा सफलता में उनका प्रमुख योगदान होगा तथा इससे आपके प्रभाव में वृद्धि होगी। आप भी अपने बुद्धिमतापूर्ण उत्तम कार्य कलापों से पिता के मान सम्मान एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि करेंगी। आपके आपसी संबंधों

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE
www.duastro.com || info@duastro.com || +91-9667311033

में भी मधुरता रहेगी तथा समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य एक दूसरे की सलाह एवं सहयोग से सम्पन्न करेंगे साथ ही सैद्धान्तिक तथा वैचारिक समानता भी विद्यमान होगी।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

लाभ, मित्र, समाज एवं ज्येष्ठ भ्राता

Duastro Male

आपके जन्म समय में एकादश भाव में कर्क राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी चन्द्रमा है। अतः इसके प्रभाव से आप अपने परिश्रम एवं पराक्रम के द्वारा उचित मात्रा में धनार्जन करने में समर्थ रहेंगे तथा आर्थिक क्षेत्र में भी सौभाग्यशाली रहेंगे। माता के द्वारा या सहयोग से आपके आय स्रोतों में वृद्धि होगी जिससे आप प्रचुर मात्रा में लाभ प्राप्त करेंगे। साथ ही समुद्र से उत्पन्न पदार्थो या रत्न आदि के अतिरिक्त कार्य से भी आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे। आप एक महत्वाकांक्षी व्यक्ति होंगे तथा मन में कई प्रकार की इच्छाएं विद्यमान रहेंगी जिसको जीवन में पूर्ण करने में भी समर्थ रहेंगे।

आपकी कुंडली के अनुसार ज्येष्ठ भाइयों की अपेक्षा बहिनों से आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा उनसे आपको पूर्ण सुख सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। माता की ओर से भी आपको उचित स्नेह मिलेगा तथा उनकी कृपा दृष्टि हमेशा आपके ऊपर बनी रहेगी। आपकी मित्रता का क्षेत्र भी अच्छा रहेगा तथा मित्रों के मध्य आप सम्मानीय प्रतिष्ठित तथा ख्याति प्राप्त रहेंगे। साथ ही आपके सभी मित्र गुणवान शिक्षित एवं बुद्धिमान होंगे अवस्था के साथ साथ समाज, मित्र मंडल एवं अन्य जनों के लिए आपके मन में अपनत्व की भावना उत्पन्न होगी तथा अपनी ओर से उन्हें आप पूर्ण स्नेह देंगे। साथ ही अवसरानुकूल उनकी सहायता के लिए भी तत्पर रहेंगे। आप पारिवारिक व्यक्ति होंगे तथा घर में परिवार के साथ अतिरिक्त समय व्यतीत करना आपको अच्छा लगेगा। साथ ही सामाजिक सम्मान एवं ख्याति के भी योग बनते है जीवन में यदा कदा कार्य क्षेत्र में आपको परेशानी हो सकती है परन्तु सामान्य जीवन सुख एवं आनन्द पूर्वक व्यतीत होगा।

Duastro Female

आपके जन्म समय में एकादश भाव में कर्क राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी चन्द्रमा है। अतः इसके प्रभाव से आप अपने परिश्रम एवं पराक्रम के द्वारा प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में समर्थ रहेंगी तथा अन्य क्षेत्रों में भी सौभाग्यशाली रहेंगी। माता के द्वारा आपके आय स्रोतों में वृद्धि होगी जिससे आप इच्छित मात्रा में धन लाभ प्राप्त करेंगी या वे किसी उद्यम आदि में आपको किसी प्रकार का सहयोग प्रदान कर सकती है। साथ ही आप जल से उत्पन्न पदार्थो के द्वारा यथा रत्न या वस्त्र आदि के व्यापार अथवा कार्य से धनार्जन करेंगी। यदि आप कार्यरत नहीं है तो उपरोक्त आय स्रोतों से आपके पति लाभ अर्जित करेंगे। इस प्रकार स्वपरिश्रम एवं सौभाग्य से अपनी आकाक्षांओं तथा इच्छाओं को पूर्ण करने में समर्थ होंगी।

आपकी कुंडली के अनुसार ज्येष्ठ भाइयों की अपेक्षा बहिनों से आपको इच्छित सहयोग लाभ एवं स्नेह की प्राप्ति होगी साथ ही माताजी से भी आप वांछित स्नेह एवं सुख की

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA
www.duastro.com || info@duastro.com || +91-9667311033

प्राप्ति होगी। आपकी मित्रता का क्षेत्र विस्तृत रहेगा तथा मित्र मंडली में आदरणीया रहेंगी। आपके सभी मित्र गुणवान शिक्षित तथा बुद्धिमान होंगे। अवस्था के साथ साथ सभी सामाजिक जनों एवं मित्रों के प्रति आपके मन स्नेह एवं अपनत्व की भावना उत्पन्न होगी तथा उन सबकी सेवा एवं सहायता के लिए तत्पर रहेंगी। परिवार के प्रति आपके मन में पूर्ण आकर्षण रहेगा तथा अपने अधिकाशं समय को पारिवारिक जनों के मध्य ही व्यतीत करेंगी। साथ ही अपने क्षेत्र एवं समाज में आपकी प्रसिद्धि रहेगी। जीवन में आपको कोई विशिष्ट सामाजिक सम्मान भी प्राप्त होगा। इस प्रकार आपका सामान्य जीवन सपरिवार सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

DUASTRO

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

विदेश यात्रा, हानि, बन्धन एवं कर्ज

Duastro Male

आपके जन्म समय में द्वादश भाव में सिंह राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी सूर्य है। अतः इसके प्रभाव से आपका व्यापार सुदृढ़ रहेगा तथा भूमि से संबंधित उत्पादों से आपको आर्थिक लाभ होता रहेगा। आप शीर्घातशीघ्र धनवान होने की मन में इच्छा करेंगे अतः उद्देश्य की पूर्ति के लिए अत्यंत ही परिश्रम करेंगे। आर्थिक क्षेत्र में आप अत्यधिक सतर्क रहेंगे तथा पैसा कहां से आकर कहां जा रहा है इसका पूर्ण ध्यान रखेंगे। अतः प्रायः शुभ व्यय ही करेंगे एवं वह भी अत्यधिक सोच विचार के बाद। इस प्रवृति से आप पूंजीनिवेश में अधिक धन लगाएंगे तथा बचत भी बनी रहेगी। इस प्रकार आप मध्यमवस्था तक एक धनवान पुरूष के रूप में समाज के मध्य अपने आपको स्थापित करने में समर्थ हो सकेंगे।

आपके पास धन हमेशा रहेगा तथा बैंक में आपकी स्थिति सम्माननीय रहेगी। आपके पास व्यसन अल्प मात्रा में ही होंगे जिससे अनावश्यक व्यय से हमेशा सुरक्षित रहेंगे परिवार के प्रति आप अपनी पूर्ण जिम्मेदारी समझेंगे तथा उनकी सुख सुविधाओं के लिए समय समय पर आवश्यक व्यय करेंगे। साथ ही बच्चों का रहन सहन, खान पान एवं पठन पाठन पर भी विशेष व्यय करेंगे।

आपको यात्रा करना रूचिकर लगेगा वैसे भी आपकी भ्रमण प्रिय प्रवृति रहेगी। आपकी यात्राएं व्यवसाय से ही सम्बन्धित होंगी। साथ ही यदाकदा धूमने के लिए या दर्शनीय स्थानों की सैर के लिए भी आप सपरिवार यात्राएं सम्पन्न कर सकते है। इसके अतिरिक्त जीवन में एक बार आप विदेश भ्रमण पर जाएंगे यात्राओं से आपको लाभ एवं सफलता प्राप्त होगी। इस प्रकार प्रसन्नता पूर्वक आप अपना समय व्यतीत करेंगे।

Duastro Female

आपके जन्म समय में द्वादश भाव में सिंह राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी सूर्य है। अतः इसके प्रभाव से आपकी कार्य क्षेत्र की उन्नति में सुदृढ़ता रहेगी तथा भूमि से उत्पन्न उत्पादों के द्वारा आपको वांछित लाभ होगा। आप शीघ्रातिशीघ्र धनवान होने की कामना करेंगी। अतः इस उददेश्य की पूर्ति के लिए आप अथक परिश्रम करेंगी। आर्थिक क्षेत्र में आप अत्यंत ही सतर्कता का परिचय देंगी तथा पैसा कहां से आकर कहां जा रहा है इसका आपको पूर्ण ध्यान रहेगा। साथ ही अत्यधिक सोच विचारकर आप व्यय करेंगी इस प्रवृति से आप पूंजी निवेश में अधिक धन लगाएंगी जिससे अनुकूल बचत भी बनी रहेगी। आप मध्यमवस्था तक समाज के समक्ष अपने आपको एक धनवान महिला के रूप में स्थापित करने में समर्थ रहेंगी।

आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी एवं बैंक में आपका स्थान सम्मानीय रहेगा। आपके पास सामान्यतया कोई व्यसन नहीं होंगे तथा शौक भी विशेष नहीं रहेगा। अतः आपका

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE
www.duastro.com || info@duastro.com || +91-9667311033

व्यय उचित एवं अनुकूल मात्रा में होगा जिससे आर्थिक बचत बनी रहेगी। परिवार के प्रति आप अपनी पूर्ण जिम्मेवारी निभाएंगी तथा उनकी सुख सुविधाओं के लिए समय समय पर आवश्यक व्यय करती रहेगी साथ ही बच्चों के रहन सहन, खान पान तथा अन्य स्तर में भी वृद्धि करने में तत्पर रहेंगी।

आपको यात्रा करना रूचिकर लगेगा वैसे आपकी प्रवृति भ्रमण प्रिय रहेगी आपकी यात्राएं व्यवसाय या कार्य क्षेत्र से संबंधित रहेगी। साथ ही यदा कदा भ्रमण या दर्शनीय स्थानों की सैर के लिए भी यात्रा करेंगी। इसके अतिरिक्त जीवन में एक बार आपकी अवश्य ही विदेश यात्रा होगी जिसके प्रभाव से आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी तथा सामान्य जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा।

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

दशा विश्लेषण

Duastro Male

महादशा :– गुरु
(01/08/2019 - 01/08/2035)

आपकी कुंडली में गुरू की महादशा 01/08/2019 को आरम्भ तथा 01/08/2035 को समाप्त होगी। इसकी अवधि 16 वर्ष है।

आपकी जन्मकुंडली में गुरु षष्ठ भाव में स्थित है। षष्ठ भाव बीमारी, रोग, कर्मचारी, नौकर, ऋण, शत्रु, मामा, तथा क्रोध का भाव है। गुरु स्वभावतः शुभ ग्रह है जिसकी षष्ठ भाव में स्थिति तथा दशम, द्वादश तथा द्वितीय भाव पर दृष्टि है और इन भावों पर यह शुभ प्रभाव डाल रहा है। सोलह वर्षों की इस दशा में आपको कभी–कभी छोटी समस्या हो सकती है परन्तु कुल मिलाकर आपके लिए समय सामान्य रहेगा।

स्वास्थ्य :

गुरु के रोग, शत्रु तथा ऋण के द्योतक षष्ठ भाव में स्थित होने के फलस्वरूप आपको रोग से मुक्ति मिलेगी। पैर तथा यकृत जनित रोग के प्रति सतर्कता बरतें।

अर्थ–सम्पत्ति :

गुरु की षष्ठ भाव में स्थिति तथा जीविका, खर्च और धन से संबंधित द्वादश, दशम एवं द्वितीय भाव पर इसकी दृष्टि के फलस्वरूप आपको इस दशा–काल में अपने धन की वृद्धि करने का पर्याप्त सुअवसर मिलेगा। आप अपने स्रोतों में वृद्धि करेंगे तथा विलासिता की चीजों पर खर्च करेंगे।

व्यवसाय :

गुरु की दृष्टि दशम् भाव (केंद्र तथा कर्म भाव), द्वादश अर्थात् व्यय भाव तथा द्वितीय यानी धन भाव पर होने के कारण आपको अपने कर्म क्षेत्र में ऊपर उठने तथा धन कमाने का सुअवसर प्राप्त होगा। कभी कभार घाटे से बचने के लिए कुछ सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

पारिवारिक जीवन :

आपके जीवनसाथी आपका पूर्ण सहयोग करेंगे तथा आपके बच्चे आज्ञाकारी होंगे जिससे आपका पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

Duastro Female

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

महादशा :– गुरु
(28/04/2011 - 28/04/2027)

आपकी कुण्डली में गुरु की महादशा 28/04/2011 को आरम्भ और 28/04/2027 को समाप्त होगी। इसकी अवधि 16 वर्ष है।

आपकी जन्म कुण्डली में गुरु दशम भाव में स्थित है तथा दशम भाव सम्मान, नाम और यश आचरण पद और प्रतिष्ठा, लक्ष्य और अधिकार, कर्तव्य, उन्नति, धार्मिक उत्सव, उच्च पद, धर्म स्थलों की यात्रा, राज सम्मान, और वस्तुओं का द्योतक है।

गुरु स्वभावतः

एक शुभ ग्रह है तथा द्वितीय, चतुर्थ तथा दशम भावों को देख रहा है और इन भावों पर शुभ प्रभाव डाल रहा है। सोलह साल की यह अवधि आपके लिए आनन्द और समृद्धि की होगी।

स्वास्थ्य :

महादशा स्वामी गुरु दशम भाव में स्थित है तथा द्वितीय भाव और चतुर्थ भाव के अतिरिक्त षष्ठ भाव (शत्रु तथा रोग भाव) को देख रहा है जिसके फलस्वरूप आपके साथ तो कोई रोग या दुर्घटना नहीं होगी।

अर्थ–संपत्ति :

गुरु दशम भाव में स्थित है और प्रतिष्ठा और सम्मान के भाव को बली कर रहा है। दशम भाव से, जो एक केंद्र है, इसकी दृष्टि द्वितीय अर्थात् धनभाव पर (चतुर्थ तथा षष्ठ भाव के अतिरिक्त) है जिसके फलस्वरूप आपको चल तथा अचल संपत्ति अर्जित करने का पूर्ण अवसर इस दशा काल में मिलेगा। आप भोग–विलास की वस्तुएं खरीदेंगे।

व्यवसाय :

गुरु दशम भाव में स्थित है और उसको बली कर रहा है। आप, जो कुछ शुरू करेंगे, उसमें सफल होंगे।

आपको नाम और यश की प्राप्ति होगी। नौकरी में पदोन्नति होगी और आपको आदर और सम्मान मिलेगा।

पारिवारिक जीवन :

एक केन्द्र दशम भाव से गुरु की दृष्टि दूसरे केन्द्र चतुर्थ भाव अर्थात् सुख–स्थान पर है जिसके फलस्वरूप आपका पारिवारिक जीवन सुखी तथा उत्साहपूर्ण होगा। आपके जीवन साथी भी आपका पूर्ण सहयोग करेंगे।

शिक्षा/प्रशिक्षण :

आपकी शिक्षा उत्तम होगी।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA
www.duastro.com || info@duastro.com || +91-9667311033

दशा विश्लेषण

Duastro Male

महादशा :– शनि
(01/08/2035 - 01/08/2054)

महादशा शनि की अवधि उन्नीस वर्ष है। आपकी कुण्डली में यह 01/08/2035 को आरम्भ और 01/08/2054 को समाप्त होगी। आपकी जन्मकुण्डली में शनि अष्टम भाव में स्थित है। यह स्वाभाव से एक अशुभ ग्रह है। यह बाधा–ग्रह के रूप में जाना जाता है और इसके कारण परिश्रम का फल प्राप्त होने में विलम्ब होता है हालाँकि यह फल से वंचित नहीं करता। यह जातक को लक्ष्य फल की प्राप्ति के लिए कठिन परिश्रम करने को प्रेरित कर उसके धैर्य की परीक्षा लेता है। आपकी जन्मकुण्डली में अष्टम, द्वितीय तथा पंचम भाव पर दृष्टि है और यह उनके कार्य को प्रभावित करता है। अष्टम भाव, जिसमें यह स्थित है, दीर्घायु, विरासत, पैतृक सम्पत्ति, दुर्भाग्य, दुःख, असन्तोष, पराजय, हानि, बाधा ओर चोरी का द्योतक है।

स्वास्थ्य :

अष्टम भाव में स्थित शनि अष्टम भाव को बल प्रदान कर रहा है। दीर्घायु का कारक होने के कारण यह लम्बी आयु तथा प्रसन्नता देता है। विदेश में स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

धन–सम्पत्ति :

अष्टम भाव में शनि की स्थिति के कारण आपके जमीन, बाहन, शक्ति तथा पद की प्राप्ति होगी। यह चल–अचल सम्पत्ति की वृद्धि में आपकी सहायता करेगा और अनेक उत्तरदायित्व का भार भी वहन करना होगा। आप अपने मार्ग में आनेवाली विभिन्न कठिनाइयों का दृढ़ता से सामना करते हुए अपने कर्त्तव्यों का पालन करेंगे।

व्यवसाय :

व्यवसाय में आप अपने पिता के पदचिह्नों पर चलने का प्रयास करेंगे। व्यावसायिक जीवन में अनेक गम्भीर समस्याएं आ सकती हैं। पैतृक सम्पत्ति तथा व्यापार में भी बाधाओं और समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

पारिवारिक जीवन :

व्यावसायिक तथा व्यापारिक जीवन की तरह ही आपका पारिवारिक जीवन भी दुर्भाग्य, बाधाओं तथा समस्याओं से घिरा है। आपको इन बाधाओं का सामना करना है। आप अपने घर से दूर ओर दूसरी जाति की औरतों की ओर आकृष्ट हो सकते हैं।

शिक्षा/प्रशिक्षण :

व्यापारिक तथा पारिवारिक जीवन की तरह ही आपकी शिक्षा के क्षेत्र में भी बाधाएं

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE
www.duastro.com || info@duastro.com || +91-9667311033

आएंगी।

Duastro Female

महादशा :– शनि
(28/04/2027 - 27/04/2046)

शनि की महादशा की अवधि 19 वर्ष है। आपकी जन्कुण्डली में यह 28/04/2027 को आरम्भ और 27/04/2046 को समाप्त होगी।

आपकी जन्मकुण्डली में शनि चौथे भाव में स्थित है। यह एक अशुभ ग्रह है। यह विलम्ब और बाधक ग्रह के रूप में जाना जाता है, किन्तु अन्ततः फल देता है। यह फल की प्राप्ति के लिए जातक को कठिन परिश्रम के हेतु प्रेरित कर उसके धर्य की परीक्षा लेता है। आपकी जन्मकुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित इस ग्रह की दृष्टि छठे, दसवें और प्रथम भाव पर है। चतुर्थ भाव, जिसमें यह स्थित है, जन्म स्थान, मनोरंजन, रोमान्स, धार्मिक प्रवृत्ति तथा आध्यात्मिक कार्य का द्योतक है।

स्वास्थ्य :

चतुर्थ भाव में स्थित महादशा स्वामी शनि अपने भाव अर्थात् 'सुखस्थान' को शक्ति प्रदान कर रहा है। इस दशा के दौरान आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और कोई बीमारी नहीं होगी।

धन–सम्पत्ति :

मातृ भूमि, मकान और माता के द्योतक चतुर्थ भाव में स्थित शनि के कारण आपको घर का सारा सुख मिलेगा। इस दशा के दौरान आप अपना नया मकान तथा नयी गाड़ी खरीद सकते हैं।

व्यवसाय :

व्यावसायिक स्तर पर आपकी स्थिति अत्यंत सुदृढ़ होगी क्योंकि चौथे भाव में स्थित बली और योगकारक शनि की कार्य–व्यवसाय के दसवें भाव पर दृष्टि है। आप एक सरकारी सलाहकार अथवा मंत्री या उपदेशक हो सकते हैं। आप धनी, प्रतिष्ठित, सुखी और ऐन्द्रिय सुखों के प्रति आकर्षित होंगे।

पारिवारिक जीवन :

आपका पारिवारिक जीवन सुखी होगा और आप उसका आनन्द लेंगे। आपको हर प्रकार से आनन्द मिलेगा। आपके बच्चे कम किन्तु आज्ञाकारी होंगे। धार्मिक प्रवृत्ति के होने के बावजूद आप इस दशा के दौरान पारिवारिक जीवन का आनन्द लेंगे।

शिक्षा/प्रशिक्षण :

शिक्षा, ज्ञान तथा साहित्यिक वृत्ति के विकास के लिए अत्यन्त अनुकूल है।

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE
www.duastro.com || info@duastro.com || +91-9667311033

दशा विश्लेषण

Duastro Male

महादशा :– बुध
(01/08/2054 - 01/08/2071)

बुध की महादशा 01/08/2054 को आरम्भ होगी और 17 वर्ष की होकर 01/08/2071 को समाप्त होगी। आपकी जन्मकुण्डली में बुध तृतीय भाव में स्थित है। बुध की दृष्टि नवम भाव पर है। इसके पहले आपकी 19 वर्ष की शनि दशा चल रही थी। उस दशा के दौरान कुछ मामूली वाधाओं को छोड़ जीविका में प्रगति तथा धन की प्राप्ति हुई होगी। बुध की वर्तमान दशा के दौरान आपकी छोटी यात्राएं होंगी तथा पराक्रम और शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगी।

स्वास्थ्य :

इस दशा के दौरान आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आपमें शक्ति तथा स्फूर्ति प्रचुर मात्रा में होगी। फिर भी आप सतर्क होंगे और जरुरत से अधिक परिश्रम नहीं करेंगे। गले की समस्या, ब्रोंकाइटिस, स्नायविक समस्या तथा गठिया आदि बीमारियों को छोड़कर आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। किन्तु, आवश्यक उपाय कर इन व्याधियों पर नियंत्रण किया जा सकता है।

अर्थ और व्यवसाय :

आप अपने ही प्रयासों से धनोपार्जन करेंगे। आपको आर्थिक सफलता मिलेगी और आपको किसी लाभदायक सरकारी पद की प्राप्ति हो सकती है। आपको अपने शत्रुओं तथा विरोधियों से लाभ मिलेगा और मुकदमों में विजय मिलेगी। आपको संचार–माध्यमों के क्षेत्र में लाभ मिलेगा। जीविका–व्यवसाय के लिये लेखा, पत्रकारिता, सेल्समैन, शिक्षण, ट्रेवेल एजेण्ट, अन्तरिक्ष अनुसन्धान, वैमानिकी, चिकित्सक तथा सभी बौद्धिक कार्यों का चयन कर सकते हैं। सूती कपड़ा, रत्न, पुस्तक, लेखन सामग्री, कम्प्यूटर, इस्तनिर्भित आदि वस्तुओं का व्यापार लाभदायक हो सकता है। नौकरीपेशा लोगों को सफलता तथा सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा आप अपनी बौद्धिक उपलब्धि, समस्या–समाधान की क्षमता तथा कठिन परिश्रम के कारण पुरस्कृत किए जाएंगे। व्यवसाय–व्यापार से जुड़े लोगों को सफलता मिलेगी, आय और लाभ में वृद्धि होगी तथा यश और ख्याति की प्राप्ति होगी। कार्यों में सफलता और विरोधियों पर विजय के लिए यह दशा उत्तम है।

वाहन, यात्रा, जमीन–जायदाद :

चन्द्र की अन्तर्दशा में आपको जीवन का सुख मिलेगा। इस दशा के दौरान आपको वाहन की प्राप्ति भी हो सकती है। बुध की अन्तर्दशा में आप अपना पुराना वाहन बेच सकते हैं। बुध की अन्तर्दशा में छोटी यात्रा तथा गुरु की अन्तर्दशा में लम्बी यात्रा से लाभ होगा। मंगल की अन्तर्दशा में जमीन–जायदाद के मामले लाभदायक होंगे जबकि बुध की अन्तर्दशा के दौरान कुछ मामूली नुकसान हो सकता है।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA
www.duastro.com || info@duastro.com || +91-9667311033

शिक्षा :

इस दशा के दौरान आपकी शिक्षा अति उत्तम होगी। आप उस दशा में उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। इस दशा के दौरान शिक्षा के माध्यम से आपको कुछ आर्थिक लाभ होगा। गणित, विज्ञान, विधि, ललितकला, संचार–माध्यम, पत्रकारिता, लेखन तथा साहित्य में आपकी रुचि हो सकती है। आप हस्तकला तथा वाकपटुता में कुशल होंगे।। आप तेज, कूटनीतिक, बहुमुखी एवं विज्ञान में रुचि रखने वाले हैं।

परिवार :

आपके बच्चों के लिये समय समृद्धि–दायक रहेगा और उनके लाभ तथा सम्पत्ति में वृद्धि होगी। आपको उनसे सुख मिलेगा। आपके जीवन साथी की यात्रा होगी, विदेशी स्रोतों से लाभ मिलेगा तथा उनकी आध्यात्मिक कार्यों में रुचि होगी। आपका आपके जीवन साथी के साथ सम्बन्ध बहुत अच्छा रहेगा। आपकी माता की कुछ यात्रा, व्यय तथा स्वास्थ्य संबंधी मामूली समस्या होगी जबकि आपके पिता को व्यापार में तथा साझेदार से लाभ मिलेगा। आपके छोटे भाई–बहनों को यश और ख्याति मिलेगी, उनकी शिक्षा उत्तम होगी और जमीन–जायदाद में वृद्धि होगी जबकि बड़ों को सट्टे में सफलता तथा लाभ मिलेगा। आपका उनके साथ सम्बन्ध उत्तम रहेगा। आपके मित्रों की संख्या विशाल होगी। आप सामाजिक व लोकप्रिय होंगे।

अन्तर्दशा :

बुध की दशा में बुध की अन्तर्दशा में आपको संचार–माध्यम से लाभ और भाइयों से सुख मिलेगा जबकि केतु के कारण कुछ मानसिक तनाव हो सकता है। शुक्र की अन्तर्दशा के फलस्वरूप व्यापार में लाभ और विवाद होगा जबकि सूर्य की अन्तर्दशा के कारण सट्टे से लाभ तथा बच्चों से सुख मिल सकता है। चन्द्र की अन्तर्दशा के फलस्वरूप आराम मिलेगा जबकि मंगल की अन्तर्दशा में यश, ख्याति, शक्ति तथा अधिकार की प्राप्ति होगी और स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। राहु की अन्तर्दशा कुछ समस्याएं उत्पन्न कर सकती है जबकि बुध की अन्तर्दशा के फलस्वरूप यात्रा होगी और समृद्धि की प्राप्ति होगी। शनि की अन्तर्दशा के दौरान जीवन–वृत्ति में उन्नति होगी तथा लाभ मिलेगा।

Duastro Female

महादशा :– बुध
(27/04/2046 - 28/04/2063)

बुध की महादशा 27/04/2046 को आरम्भ और 17 वर्ष की होकर 28/04/2063 को समाप्त होगी। आपकी जन्मकुण्डली में बुध पंचम भाव में स्थित है। इसके पूर्व आपकी 19 वर्ष की शनि दशा चल रही थी। शनि के फलस्वरूप आपको यश, ख्याति, सफलता, उत्तम शिक्षा और धन की प्राप्ति तथा जीविका में उन्नति हुई होगी। बुध की वर्तमान दशा में आपकी शिक्षा उत्तम होगी, सट्टे में लाभ तथा सन्तान से सुख मिलेगा।

स्वास्थ्य :

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE
www.duastro.com || info@duastro.com || +91-9667311033

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आप सक्रिय, आशावादी तथा स्फूर्तिवान होंगे। आपको अक्सर पाचन क्रिया की शिकायत हो सकती है। मौसम में परिवर्तन के कारण आपको ज्वर, संक्रामक बीमारी, चर्मरोग तथा स्नायविक समस्या हो सकती है। इस दशा के दौरान आपको कोई बड़ी बीमारी नहीं होगी। सतर्कता बरतकर इन मामूली बीमारियों से बचा जा सकता है।

अर्थ और व्यवसाय :

इस दशा के दौरान आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। आपको सट्टे तथा अन्य निवेश से लाभ होगा। आपको अचानक लाभ या अवकाश ग्रहणसे लाभ, ग्रेच्यूइटी आदि की प्राप्ति होगी। आपका निवेश शुभदायक और आर्थिक स्थिति उत्तम होगी। कुछ मामूली नुकसान भी हो सकता है। नौकरीपेशा लोगों का स्थानान्तर तथा परिवर्तन हो सकता है जो लाभदायक होगा। वाणिज्य–व्यापार से सम्बद्ध सभी कार्यों में आप अच्छा करेंगं। सहकर्मियों तथा सहायकों के कारण कुछ समस्याएं हो सकती हैं। दशा की प्रगति के साथ–साथ स्थिति में सुधार होगा। व्यवसाय–व्यापार से जुड़े लोगों के कार्य में परिवर्तन होगा। आप आपने कार्य में परिवर्तन या अन्य आवश्यक परिवर्तन कर सकते हैं जो अन्ततः लाभदायक होंगे। आपका उपार्जन तथा लाभ अच्छा होगा। जीविका के लिए लेखा, पत्रकारिता, शिक्षण, कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग तथा बौद्धिक कार्य कर सकते हैं। रत्न, पुस्तक, लेखन–सामग्री, कम्प्यूटर तथा हस्तनिर्मित वस्तुओं का व्यपार लाभदायक हो सकता है।

वाहन, यात्रा, जमीन–जायदाद :

पारिवारिक सुख और वाहन की दृष्टि से यह दशा आपके लिये उत्तम होगी। आपको जमीन–जायदाद या ऐसी अन्य सम्पत्ति से लाभ होगा। आपको यातायात से भी लाभ होगा। मंगल की अन्तर्दशा में आप की छोटी और शनि की अन्तर्दशा में दूर की यात्रा होगी।

शिक्षा :

इस दशा के दौरान आप की शिक्षा अति उत्तम होगी। आपका प्रशिक्षण अच्छा होगा और आप परीक्षा तथा प्रतियोगिता में सफल होंगे। आपकी लेखा, वाणिज्य, साहित्य, कम्प्यूटर विज्ञान, रचनात्मक पत्रकारिता, शिक्षण तथा शैक्षिक सेवा आदि में रुचि होगी। आप प्रतिभाशाली, कूटनीतिक तथा बहुमुखी हैं और विभिन्न विषयों में आपको रुचि होगी। आपका मस्तिष्क बौद्धिक तथा विश्लेषणात्मक होगा और सभी बौद्धिक कार्यों में आप अच्छा करेंगे।

परिवार :

आपके बच्चों के साथ आपका सम्बन्ध बहुत अच्छा रहेगा और उनसे आपको सुख मिलेगा। वे आप से दूर जा सकते हैं या उन्हें कुछ मामूली समस्याएं हो सकती हैं जो दशा की उन्नति के साथ गुजर जाएंगी। आपके जीवन साथी को हर प्रकार का लाभ प्राप्त होगा, उन्हें सुख की प्राप्ति होगी और उनकी मनोकामनाएं पूरी होंगी। आपके जीवन साथी के साथ आपका सम्बन्ध उत्तम रहेगा। आपकी माता के लिये यह दशा लाभदायक होगी जबकि आपके पिता को सम्पत्ति और समृद्धि की प्राप्ति होगी, उनका भाग्यादेय और यात्रा होगी तथा बौद्धिक कार्यों में उनकी रुचि होगी। आपके छोटे भाई–बहनों को कठिन परिश्रम करना होगा, उनकी छोटी यात्रा

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

होगी और सम्बन्धियाँ से सहायता मिलेगी जबकि आपके बड़े भाई–बहनों को साझेदारों से लाभ मिलेगा, उनकी शादी होगी और वाणिज्य व्यापार में सफलता मिलेगी। आपका उनके साथ संबंध अच्छा रहेगा। बुध की इस दशा में आपको सुख मिलेगा, वैवाहिक जीवन उत्तम रहेगा, आध्यात्मिक कार्यों में रुचि होगी तथा अच्छे पद की प्राप्ति होगी।

अन्तर्दशा :

बुध की महादशा में बुध की अन्तर दशा के कारण आपको सम्पत्ति तथा सुख मिलेगा और शिक्षा उत्तम होगी। केतु कुछ समस्याएं उत्पन्न कर सकता है। शुक्र की अन्तर्दशा के फलस्वरूप सफलता, यश और ख्याति मिलेगी। सूर्य की अन्तर्दशा के कारण लाभ तथा विवाह हो सकता है। चन्द्र की अन्तर्दशा में स्वास्थ्य खराब हो सकता है तथा ननिहाल से लाभ हो सकता है। मंगल की अन्तर्दशा में जीवन–वृत्ति में उन्नति तथा छोटी यात्रा होगी। राहु की अन्तर्दशा कुछ समस्याएं उत्पन्न कर सकती है। गुरु की अन्तर्दशा के फलस्वरूप लाभ तथा सम्पत्ति की प्राप्ति होगी जबकि लग्नेश शनि की अन्तर्दशा में यशा, ख्याति और सफलता मिलेगी।

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

Duastro Male
एस्ट्रोग्राफ — 2024

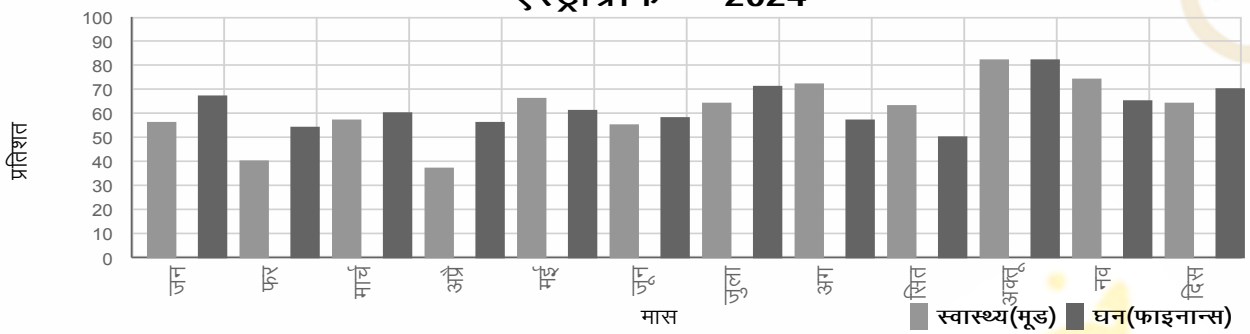

Duastro Female
एस्ट्रोग्राफ — 2024

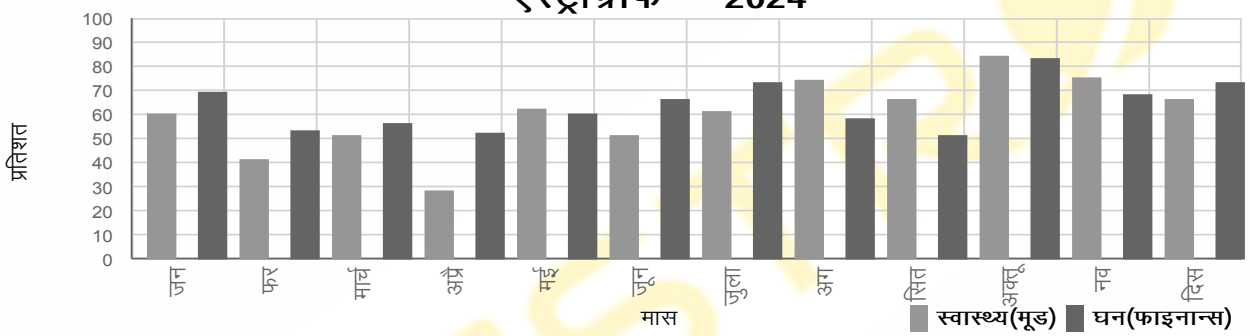

Duastro Male
एस्ट्रोग्राफ — 2025

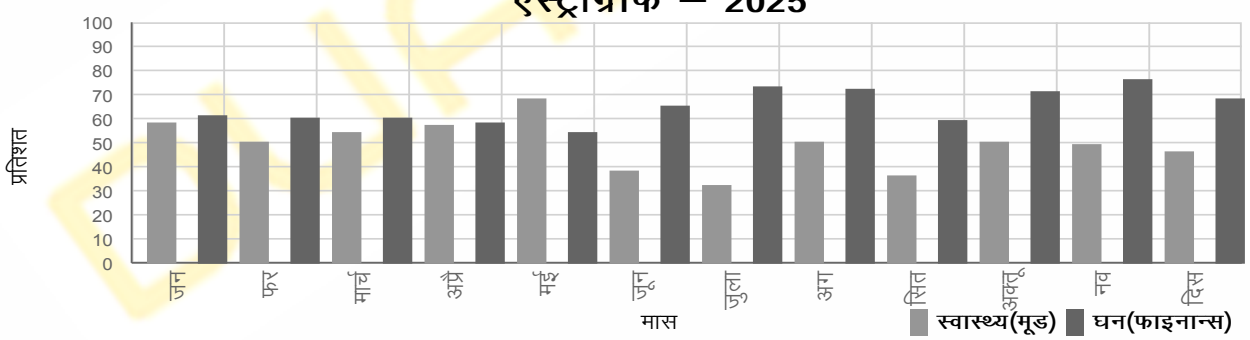

Duastro Female
एस्ट्रोग्राफ — 2025

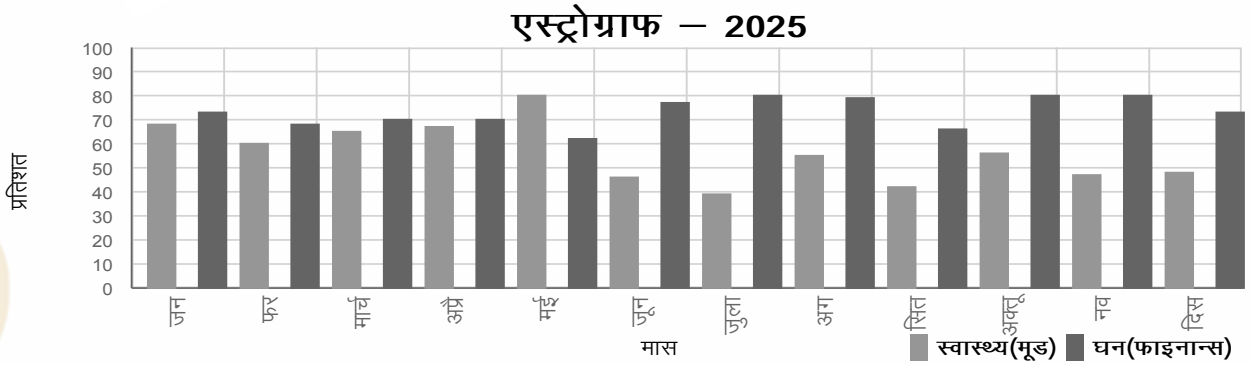

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

Duastro Male
एस्ट्रोग्राफ — 2026

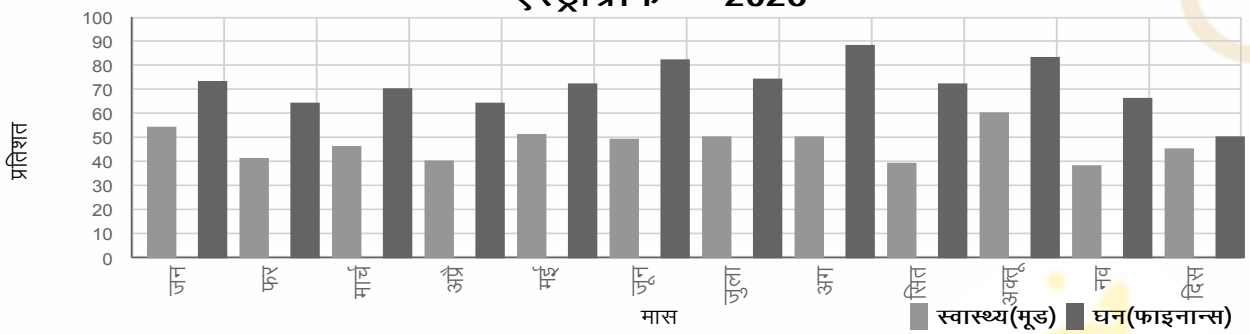

Duastro Female
एस्ट्रोग्राफ — 2026

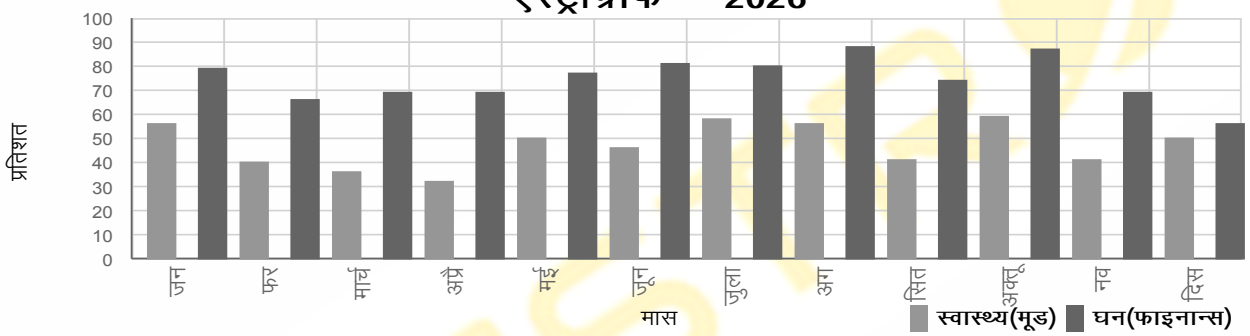

Duastro Male
एस्ट्रोग्राफ — 2027

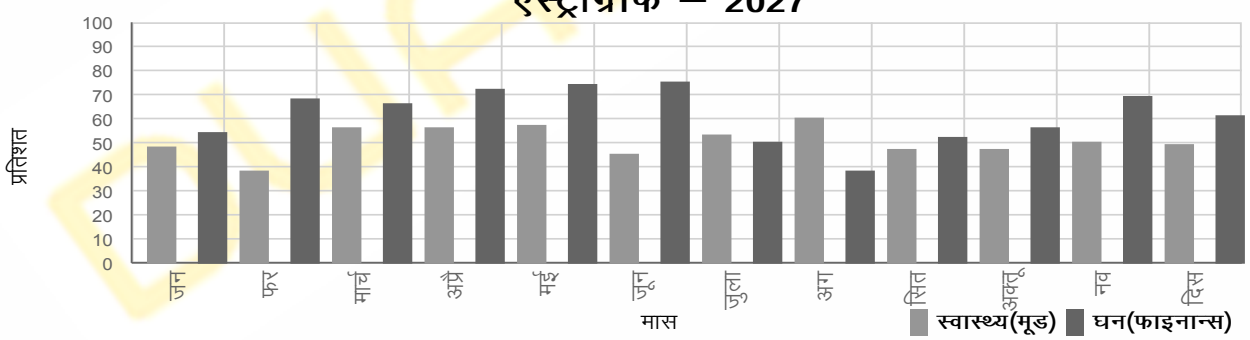

Duastro Female
एस्ट्रोग्राफ — 2027

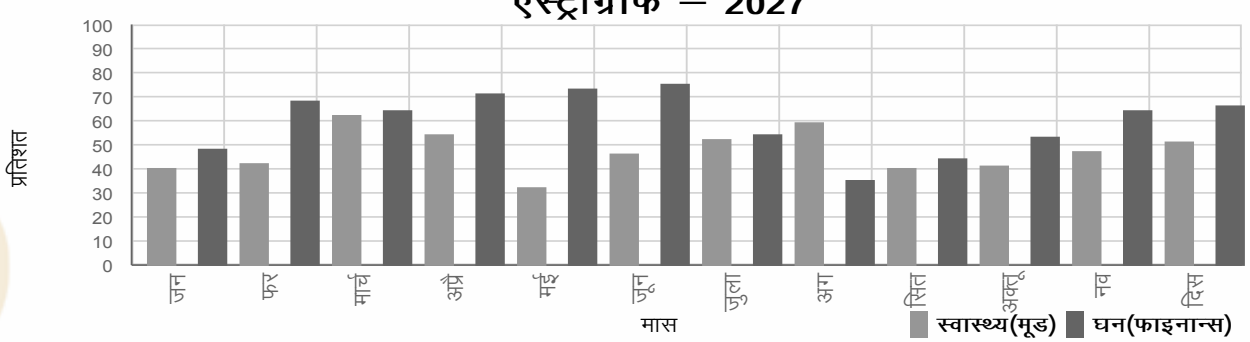

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

Duastro Male
एस्ट्रोग्राफ — 2028

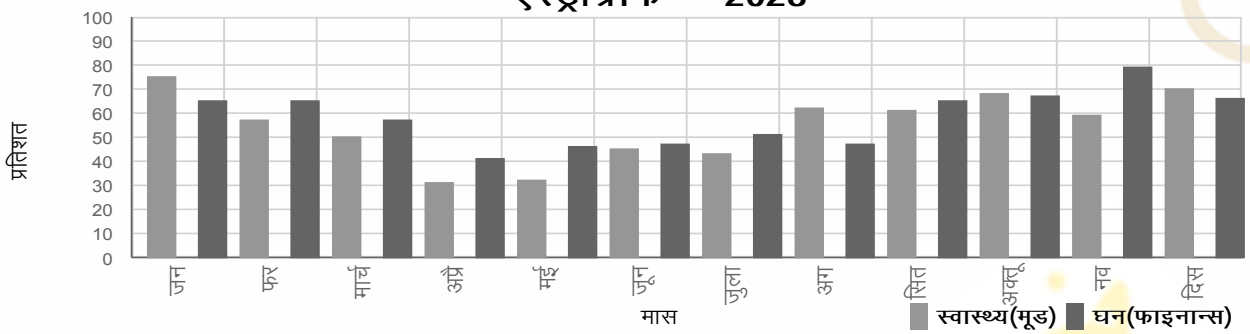

Duastro Female
एस्ट्रोग्राफ — 2028

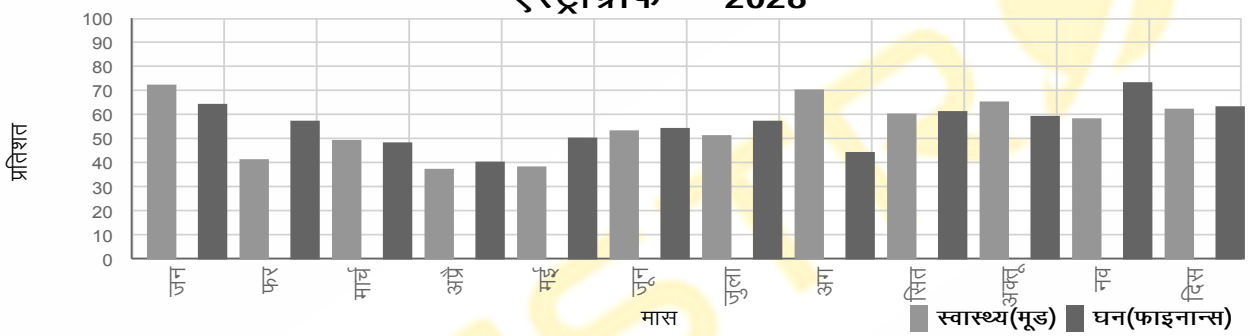

Duastro Male
एस्ट्रोग्राफ — 2029

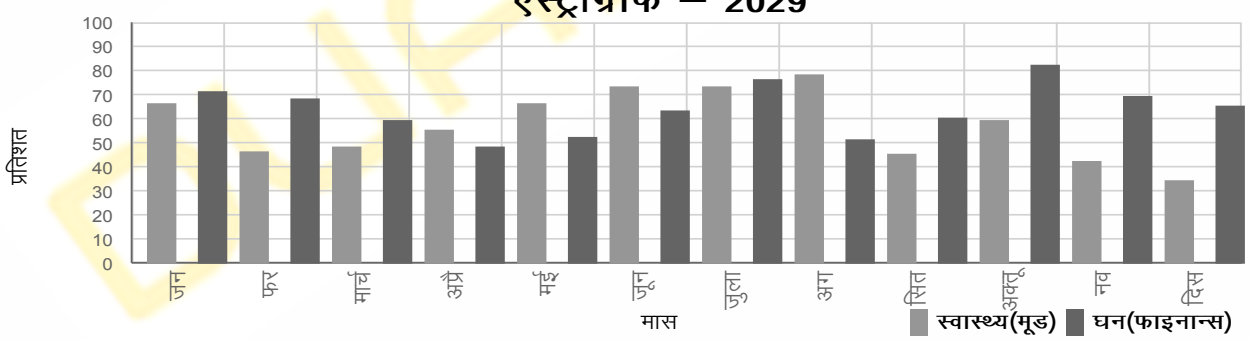

Duastro Female
एस्ट्रोग्राफ — 2029

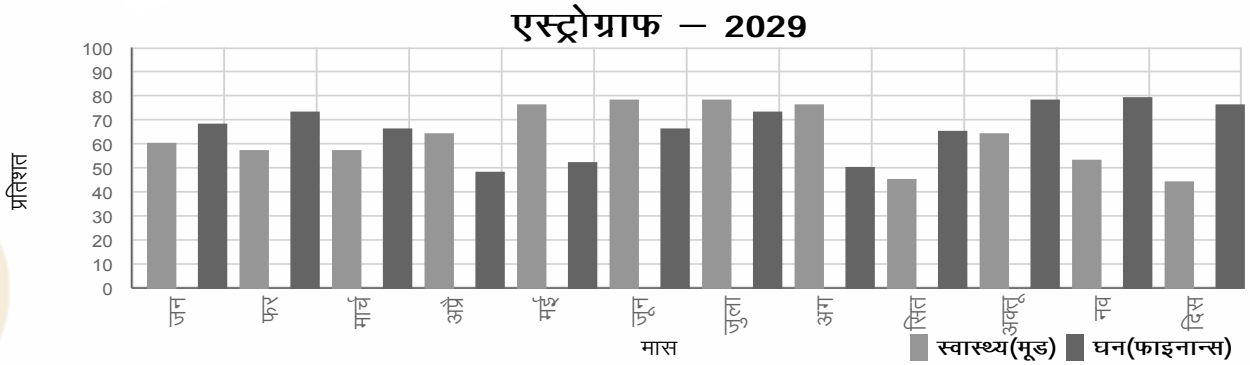

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

Duastro Male
एस्ट्रोग्राफ — 2030

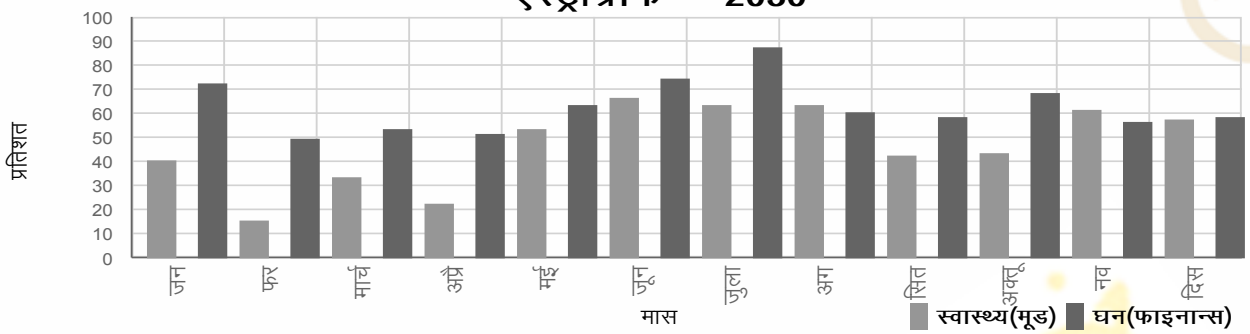

Duastro Female
एस्ट्रोग्राफ — 2030

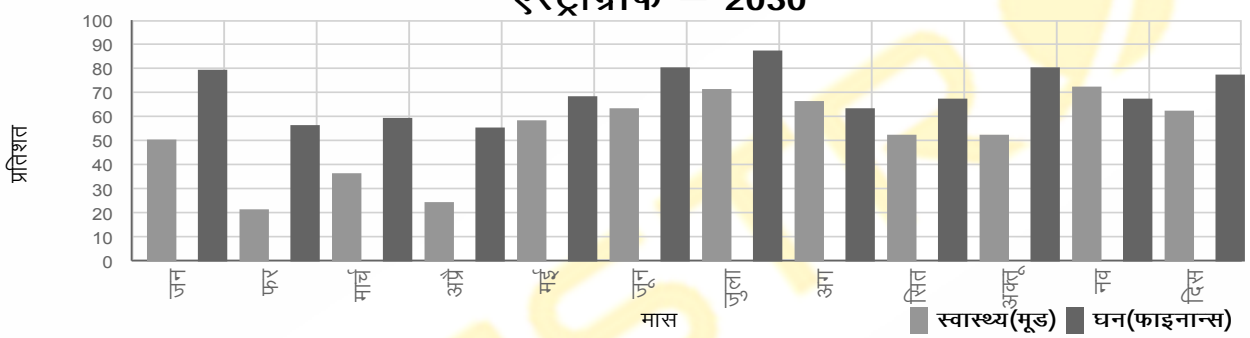

Duastro Male
एस्ट्रोग्राफ — 2031

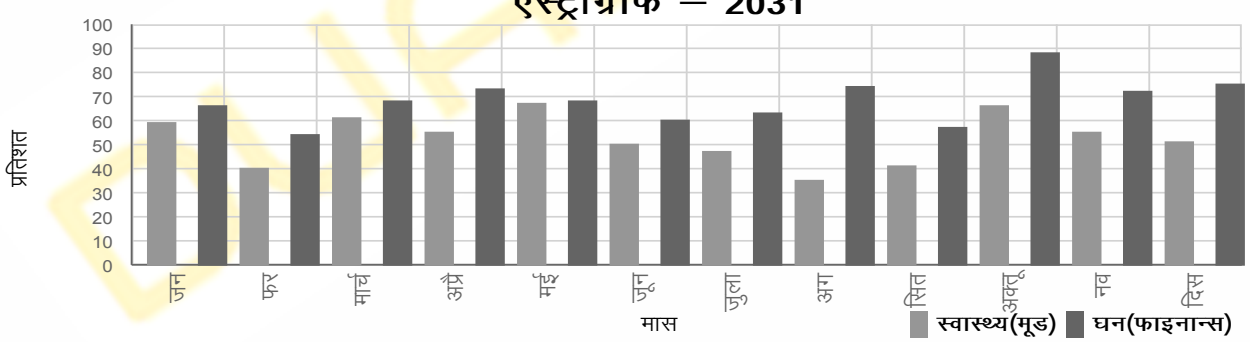

Duastro Female
एस्ट्रोग्राफ — 2031

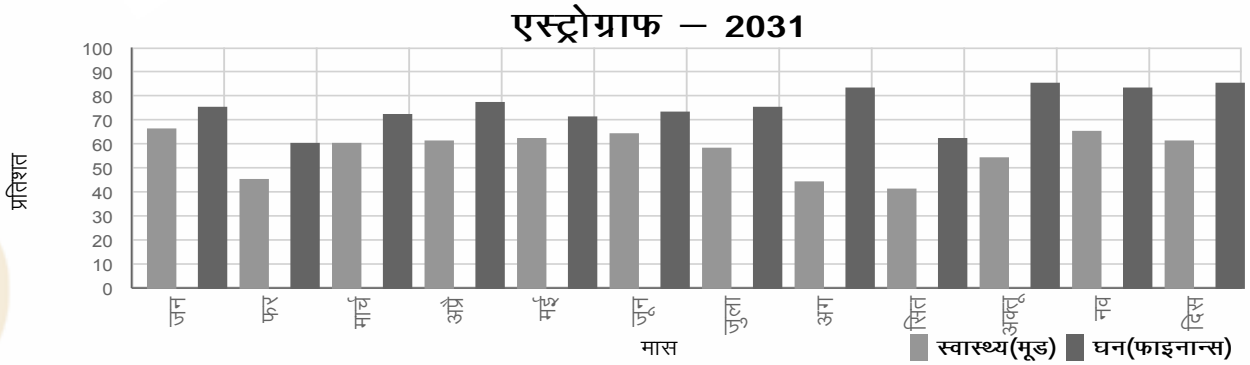

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

Duastro Male
एस्ट्रोग्राफ — 2032

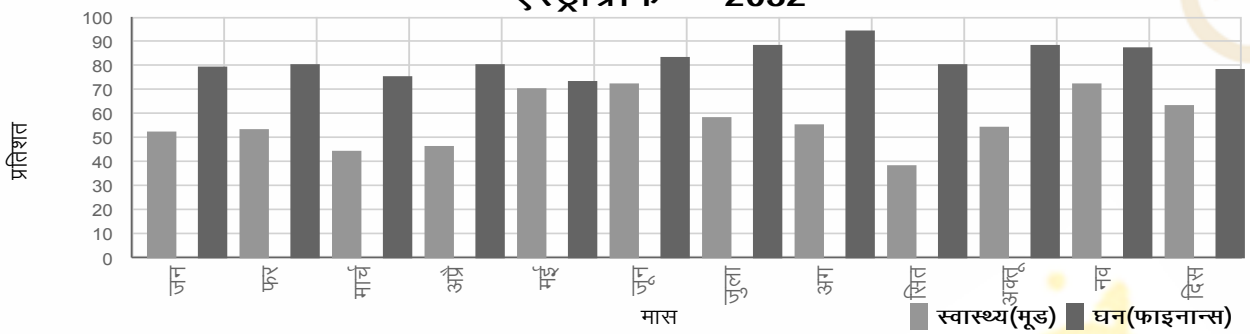

Duastro Female
एस्ट्रोग्राफ — 2032

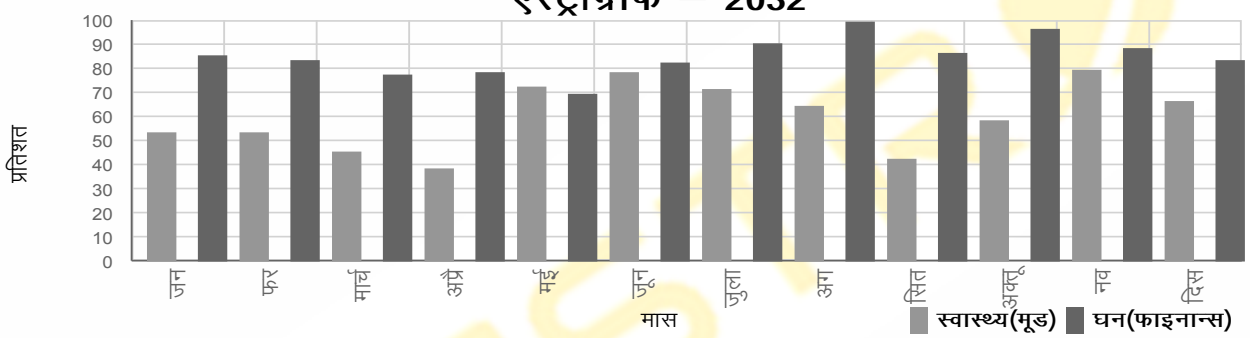

Duastro Male
एस्ट्रोग्राफ — 2033

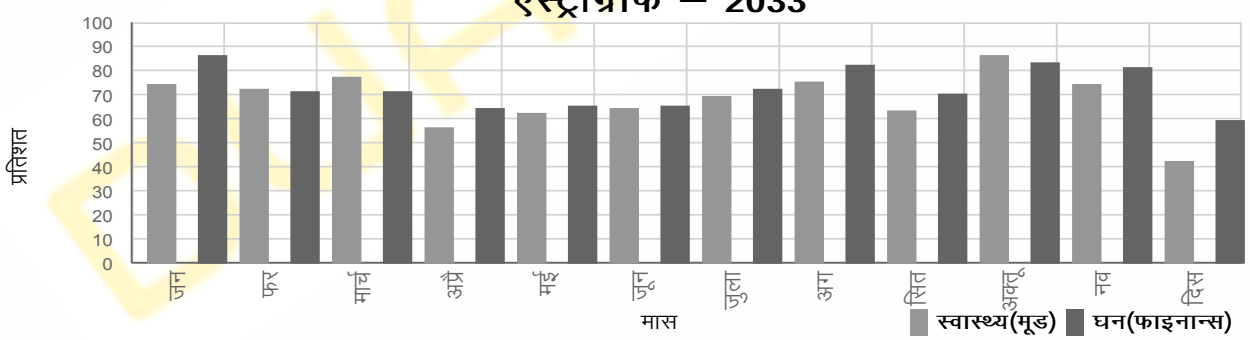

Duastro Female
एस्ट्रोग्राफ — 2033

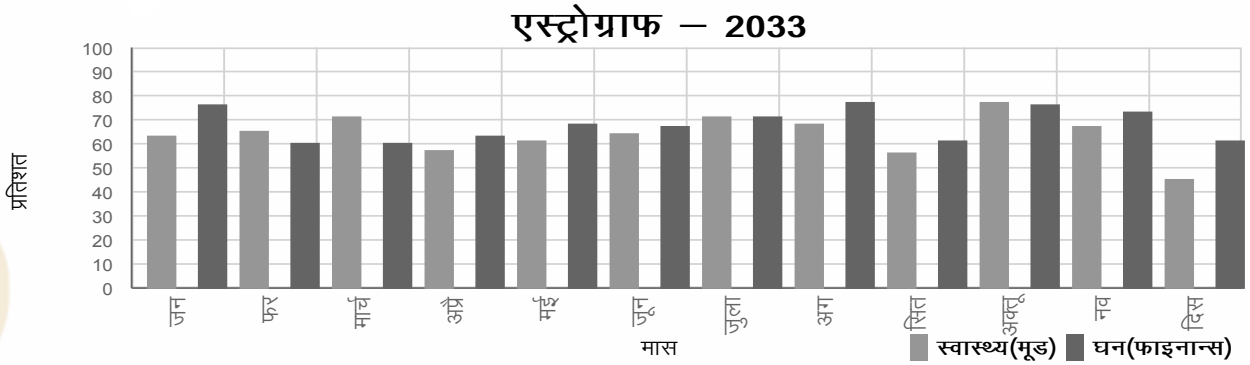

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

Duastro Male
एस्ट्रोग्राफ — 2034

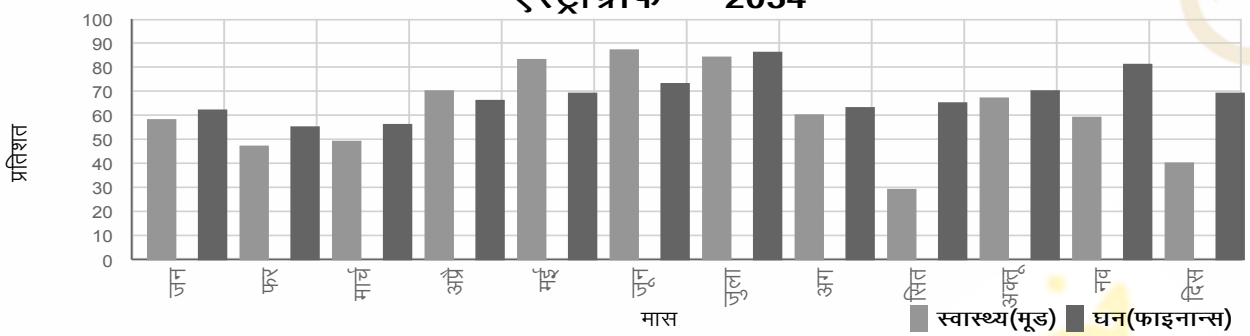

Duastro Female
एस्ट्रोग्राफ — 2034

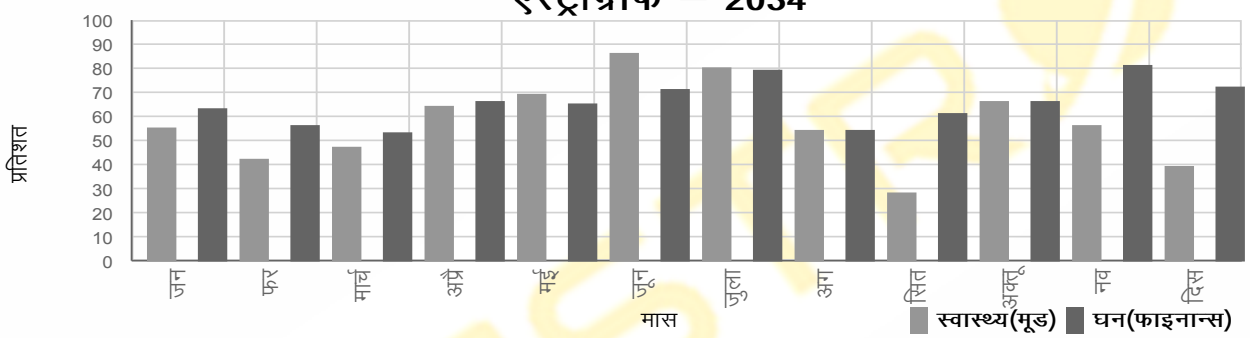

Duastro Male
एस्ट्रोग्राफ — 2035

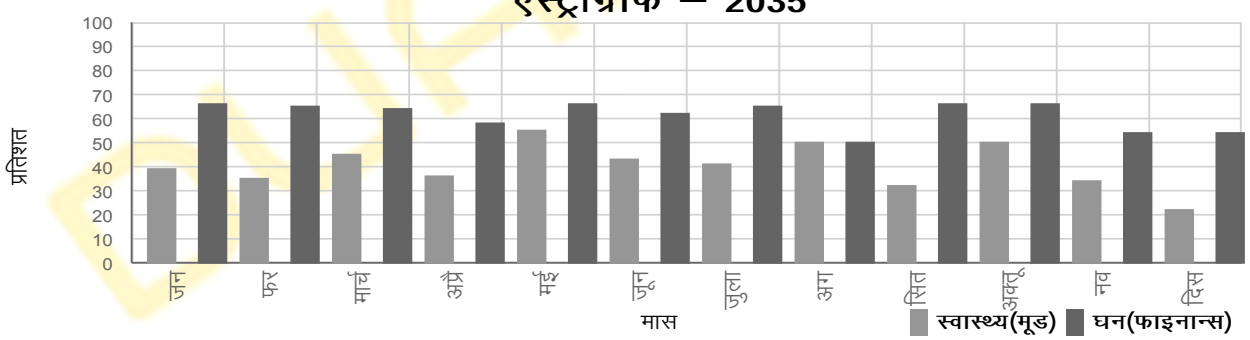

Duastro Female
एस्ट्रोग्राफ — 2035

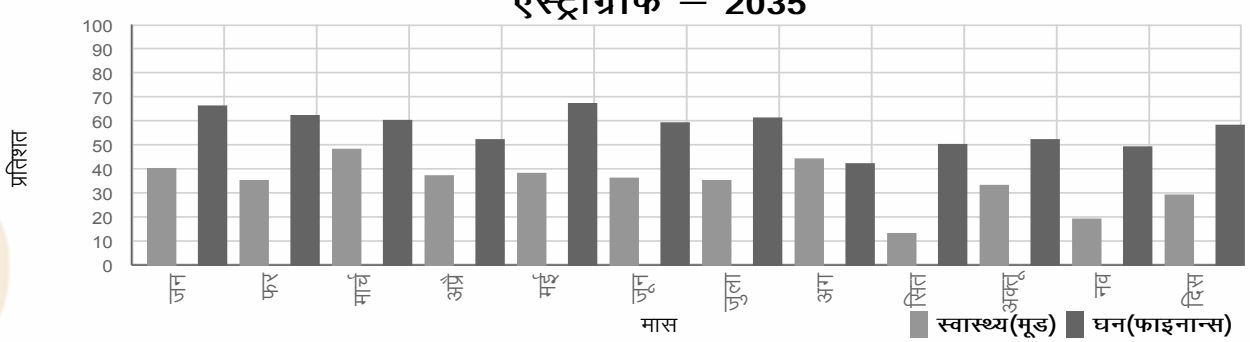

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA